MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINI SOO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । सोमवार, 02 फरवरी, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-32

सीतारमण ने पेश किया 53,47,315 करोड़ का बजट

रक्षा बजट 15% बढ़ा, टैक्स में नहीं कोई बदलाव, 7 हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर समेत 3 आयुर्वेदिक ऐम्स

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 2026-27 का बजट पेश किया, जिसमें आम आदमी को सीधी राहत नहीं मिली। मुख्य फोकस रक्षा, स्वास्थ्य और रेलवे पर रहा। रक्षा बजट में 15.2% की वृद्धि हुई। कैंसर और दुर्लभ बीमारियों की दवाओं पर कस्टम ड्यूटी हटाई गई। 7 हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर और 3 आयुर्वेदिक ऐम्स की घोषणा हुई। टैक्स फाइलिंग आसान की गई और ईवी को बढ़ावा देने के लिए टैक्स छूट दी गई।

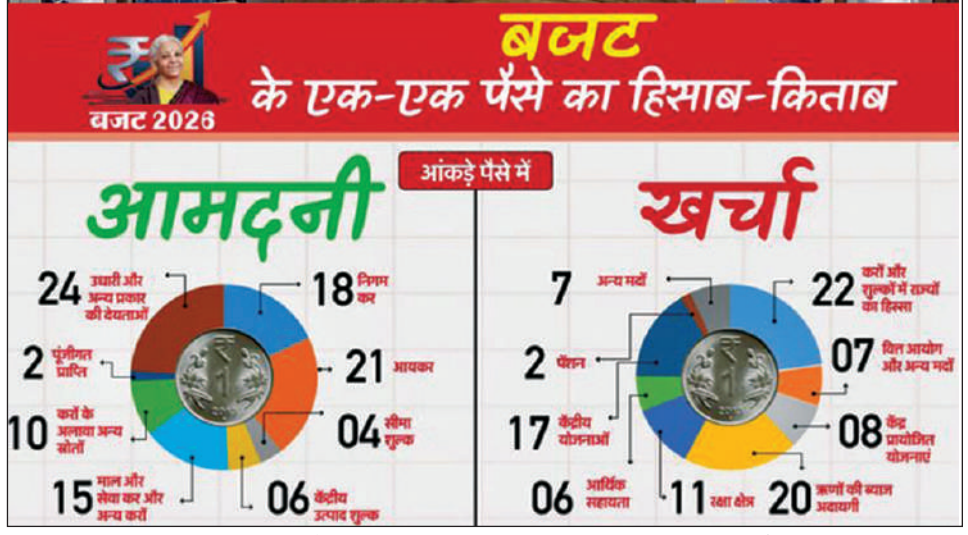

नई दिल्ली, 01 फरवरी (एजेंसियां)।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को संसद में वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 53,47,315 करोड़ रुपये का बजट पेश किया जिसमें अर्थव्यवस्था को वैश्विक चुनौतियों के मुकाबले के लिए मजबूत करने के साथ-साथ विकसित भारत की ओर अग्रसर करने के लिए विनिर्माण, आर्थिक और सामाजिक अवसंरचना विकास के लिए 17,14,523 करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय का लक्ष्य रखा गया है।

बजट में व्यक्तिगत आयकर की दरों में कोई राहत नहीं दी गयी है, लेकिन उद्योगों पर न्यूनतम वैकल्पिक आयकर (मैट) की दर को 15 प्रतिशत से घटाकर 14 प्रतिशत कर दिया गया है। बजट में निवेशकों और आयातकों के लिए प्रक्रिया और अनुपालन आसान बनाने के विस्तृत उपायों की घोषणा की गयी है।

वित्त मंत्री ने एक घंटे 25 मिनट के अपने भाषण में बजट में पूंजीगत व्यय बढ़ाने के बावजूद राजकोषीय घाटे को सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 4.3 प्रतिशत तक सीमित रखने का लक्ष्य रखा है। चालू वित्त वर्ष में राजकोषीय घाटा बजट अनुमान के 4.5 प्रतिशत की तुलना में 4.4 प्रतिशत रहा है।

वित्त मंत्री के बजट भाषण के बाद शेयर बाजारों में भारी गिरावट देखी गयी और एक समय बीएसई का सेंसेक्स 2300 अंक तक लुढ़क गया था लेकिन बाद में इसने काफी हद तक वापसी की।

वित्त मंत्री ने चालू वित्त वर्ष से ऋण को जीडीपी की तुलना में सीमित करने की योजना के तहत ऋण-जीडीपी अनुपात को 2030-31 तक 50 प्रतिशत के आसपास रखने का लक्ष्य रखा है जिसके 2026-27 में 55.6 प्रतिशत पर रहने का अनुमान है। वित्त मंत्री ने कहा कि सरकारी कर्ज कम होने से प्राथमिकता वाले क्षेत्रों के लिए ऋण का उपलब्धता बढ़ेगी, सरकार पर ब्याज भुगतान कम होगा और उत्पादन बढ़ाने में मदद मिलेगी।

वित्त मंत्री ने अपने बजट भाषण में 16वें वित्त आयोग की रिपोर्ट को स्वीकार करने की घोषणा की और कहा कि केंद्र की विभाज्य प्राप्तियों में राज्यों का हिस्सा 41 प्रतिशत बना रहेगा।

उन्होंने कहा कि वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत की वृद्धि दर सात प्रतिशत के दायरे में बनी हुई है जिससे सरकार विकास और कल्याण के लिए संसाधनों को जुटाने में सफल रही है। उन्होंने कहा कि भारत को विश्व बाजार से जुड़े रहना है ताकि देश निर्यात बाजार और विदेशी पूंजी तथा प्रौद्योगिकी का लाभ हासिल करता रहे।

उन्होंने सरकार में विश्वास बनाये रखने के लिए जनता का आभार व्यक्त करते हुए कि हमारा लक्ष्य लोगों की आकांक्षाओं को मूर्त रूप देना है और आर्थिक वृद्धि को युवाओं, किसानों, गरीबों, महिलाओं और समाज के अन्य जरूरतमंद वर्गों तक पहुंचाना है।

केंद्र सरकार के नये कार्यालय क्षेत्र कर्तव्य भवन में तैयार इस पहले बजट को पेश करते हुए वित्त मंत्री ने इसे युवाओं से प्रेरित बताया और कहा कि इस बजट को तैयार करने में जनता से बहुमूल्य सुझाव प्राप्त हुए। उन्होंने इस बजट को सरकार के तीन कर्तव्यों पर केंद्रित बजट बताते हुए कहा कि सरकार का पहला कर्तव्य आर्थिक वृद्धि को बढ़ाना, दूसरा कर्तव्य आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए लोगों को समर्थ बनाना और तीसरा कर्तव्य सबका साथ सबका विकास के अनुरूप सामाजिक कल्याण की योजनाओं को आगे बढ़ाना है।

वित्त मंत्री ने नीतियों और कार्यक्रमों में सुधार की सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए कहा कि गत अगस्त में प्रधानमंत्री के स्वतंत्रता दिवस संबोधन के बाद से वस्तु एवं सेवा कर सहित 350 से अधिक सुधारों को लागू किया जा चुका है। उन्होंने आर्थिक वृद्धि को तेज करने के लिए बायो फार्मा, सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट, दुर्लभ खनिजों और कपड़ा जैसे क्षेत्रों को प्रोत्साहित करने के लिए नयी पहलों की घोषणा की।

उन्होंने 200 से अधिक पारंपरिक औद्योगिक संकुलों को पुनर्जीवित करने और चार नये आर्थिक क्षेत्रों के विकास का भी प्रस्ताव किया। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि पूंजीगत वस्तुओं के निर्माण में क्षमता निर्माण के लिए सार्वजनिक उपक्रमों की सहायता से दो स्थानों पर हाईटेक टूल रूम का निर्माण किया जायेगा जो कम लागत पर हाई प्रीसीजन कंपोनेंट का डिजाइन, परीक्षण और विनिर्माण करेंगे। विनिर्माण और बुनियादी ढांचा क्षेत्र के लिए उपकरण निर्माण के लिए भी एक योजना की घोषणा की गयी।

वित्त मंत्री ने टीयर-2 और 3 शहरों में अवसंरचना क्षेत्र के विकास के लिए पश्चिम बंगाल के दानकुनी से गुजरात के सूरत के बीच नया माल परिवहन गलियारा और बनारस और पटना में घरेलू जलमार्गों के लिए पोत निर्माण की सुविधाओं की स्थापना की घोषणा की।

उन्होंने बिजली, इस्पात, एल्युमीनियम, कपड़ा जैसे क्षेत्रों में कार्बन उत्सर्जन कम करने के लिए दो हजार करोड़ रुपये के आवंटन का प्रस्ताव किया।

बजट में नयी राष्ट्रीय फाइबर योजना शुरू करने, हस्तशिल्प और हथकरघा क्षेत्र के लिए समस्त योजना का विस्तार तथा खादी ग्रामोद्योग के लिए महात्मा गांधी ग्राम स्वराज योजना की घोषणा की गयी है। उन्होंने सूक्ष्म लघु और मझौले क्षेत्र के लिए वित्तपोषण को सरल और सुलभ बनाने के कई पहलों की घोषणा की है। बैंकिंग क्षेत्र को भविष्य की जरूरतों के लिए तैयार करने के उद्देश्य से एक उच्च स्तरीय समिति बनाने की घोषणा की गयी है। इसमें पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन और ग्रामीण विद्युत निगम के पुनर्गठन का भी प्रस्ताव है। नगर निगमों को विकास के लिए धन जुटाने में मदद के लिए 1,000 करोड़ रुपये तक के म्युनिसिपल बॉन्ड निर्गम पर 100 करोड़ रुपये प्रोत्साहन के रूप में देने की घोषणा की गयी है। दो सौ करोड़ रुपये तक के ऐसे निर्गमों के लिए प्रोत्साहन की वर्तमान योजना जारी रहेगी।

उन्होंने दूसरे कर्तव्य के तहत सेवा क्षेत्र को नया आयाम देने की पहलों की घोषणा की जिसमें शिक्षा, कौशल विकास, चिकित्सा सेवा, पशु चिकित्सा, बड़े महानगरों के समीप पांच नये यूनिवर्सिटी टाउनशिप, गणित और विज्ञान पढ़ने वाली छात्राओं के लिए हर जिले में एक छात्रावास, खगोल विज्ञान के लिए नयी वेधशालाओं की स्थापना, गाइडों के प्रशिक्षण के लिए 20 जगह केंद्र बनाने, डिजिटल नॉलेज गृह और 50 पुरातात्विक स्थलों के विकास और संवर्धन जैसी पहलों की घोषणा की। तीसरे कर्तव्य के तहत महिलाओं, किसानों, दिव्यांग जनों और अन्य वंचित वर्गों के साथ पूर्वोत्तर क्षेत्रों के लिए विभिन्न पहलों की घोषणा की। मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए उत्तर भारत में एक नया निमहांस संस्थान स्थापित करने तथा रांची और तेजपुर के राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य संस्थानों को क्षेत्रीय शीर्ष संस्थानों के

▶10पर

विकसित भारत 2047 की हमारी ऊंची उड़ान का मजबूत आधार है ये बजट : पीएम मोदी

नई दिल्ली, 01 फरवरी (एजेंसियां)।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने केंद्रीय बजट 2026-27 पेश किया। वित्त मंत्री ने बजट में कई अहम घोषणाएं की। वहीं बजट को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रतिक्रिया दी है। पीएम मोदी ने बजट को ऐतिहासिक बताया है। वित्त मंत्री की तारीफ करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि महिला वित्त मंत्री के रूप में निर्मला जी ने लगातार 9वीं बार देश का बजट प्रस्तुत करके नया रिकॉर्ड बनाया है।

पीएम मोदी ने कहा, इस बजट में देश की नारी शक्ति का सशक्त प्रतिबिंब झलकता है। ये बजट अपार अवसरों का राजमार्ग है। ये बजट वर्तमान के सपनों को साकार करता है और भारत के उज्ज्वल भविष्य की नींव को सशक्त करता है। ये बजट 2047 के विकसित भारत की हमारी ऊंची उड़ान का मजबूत आधार है।

पीएम मोदी ने आगे कहा, आज भारत जिस रिफॉर्म एक्सप्रेस पर सवार है, इस बजट से उसे नई ऊर्जा, नई गति मिलेगी। जो पाथ ब्रेकिंग रिफॉर्म्स किए गए हैं, वो एस्पिरेशन से भरे हुए भारत के साहसिक, टैलेंटेड युवाओं को उड़ने के लिए खुला आसमान देते हैं। ये बजट भारत की वैश्विक भूमिका को नए सिरे से सशक्त करता है। भारत के 140 करोड़ नागरिक सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बनकर ही संतुष्ट नहीं हैं। हम जल्द से जल्द दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना चाहते हैं। ये करोड़ों देशवासियों का संकल्प है।

पीएम मोदी ने कहा कि यह बजट विश्वास आधारित शासन और मानव-केंद्रित आर्थिक ढांचे की परिकल्पना को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि यह एक विशिष्ट बजट है जो राजकोषीय घाटे को कम करने और मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने को प्राथमिकता देता है। साथ ही उच्च पूंजीगत व्यय को मजबूत आर्थिक विकास के साथ संतुलित करता है।

पीएम मोदी ने कहा, दुनिया के एक ट्रस्टेड डेमोक्रेटिक पार्टनर और ट्रस्टेड क्वालिटी सप्लायर के रूप में भारत की भूमिका लगातार बढ़ रही है। हाल ही में जो बड़ी-बड़ी ट्रेड डील्स भारत ने की हैं, चींहशअैं ष रश्रश्र वशरश्री का अधिकतम लाभ भारत के युवाओं को मिले, भारत के लघु और मध्यम उद्योग वालों को मिले, इस दिशा में बजट में बड़े-बड़े कदम उठाए गए हैं।

पाकिस्तान सरेंडर!

टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत से खेलने से इनकार, आईसीसी एक्शन की तैयारी में

नई दिल्ली, 01 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2026 से पहले पाकिस्तान क्रिकेट ने बड़ा यू-टर्न ले लिया है। पाकिस्तानी सरकार ने टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए अपनी टीम को मंजूरी तो दे दी है, लेकिन इसके साथ एक चौंकाने वाली शर्त भी रखी है। सरकारी आदेश के मुताबिक पाकिस्तान क्रिकेट टीम 15 फरवरी 2026 को भारत के खिलाफ होने वाला मैच नहीं खेलेगी। यानी टूर्नामेंट में पाकिस्तान की मौजूदगी होगी, लेकिन बहुप्रतीक्षित भारत-पाकिस्तान मुकाबला नहीं होगा। पाकिस्तान सरकार ने अपने आधिकारिक एक्स (पूर्व ट्विटर) हैंडल से इसकी पुष्टि करते हुए कहा

इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ पाकिस्तान की सरकार आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भाग लेने के लिए पाकिस्तान क्रिकेट टीम को मंजूरी देती है, हालांकि पाकिस्तान टीम 15 फरवरी 2026 को भारत के खिलाफ निर्धारित मैच में हिस्सा नहीं लेगी।

क्रिकेट जानकारों का मानना है कि यह कदम आईसीसी को आर्थिक नुकसान पहुंचाने की रणनीति का हिस्सा हो सकता है, क्योंकि भारत-पाक मैच से सबसे अधिक कमाई होती है।

हाल ही में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन मोहसिन नकवी ने आईसीसी पर दोहरा रवैया अपनाने और बीसीसीआई के प्रभाव में काम करने का आरोप लगाया था।इस मामले पर राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी का सोशल मीडिया पोस्ट तेजी से वायरल हो रहा है।

▶10पर

बजट 2026 शेयर बाजार को नहीं आया रास

सेंसेक्स 1550 अंक टूटा, निवेशकों के 11 लाख करोड़ स्वाहा

नई दिल्ली, 01 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बजट 2026 शेयर बाजार की उम्मीदों पर खरा नहीं उतर सका। बजट के दिन शेयर बाजार में जबरदस्त बिकवाली देखने को मिली और बाजार भारी गिरावट के साथ बंद हुआ।

सेंसेक्स 1547 अंक टूटकर 80,723 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 495 अंक गिरकर 24,825 पर आ गया। निफ्टी बैंक में भी 1,193 अंकों की तेज गिरावट दर्ज की गई।

इस बड़ी गिरावट के चलते निवेशकों को भारी नुकसान उठाना पड़ा। कारोबार के आखिरी घंटों में ही निवेशकों की करीब 11 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति साफ हो गई।

बीएसई के टॉप-30 शेयरों में से सिर्फ टीसीएस, इंफोसिस, टाइटन और सन फार्मा में मजबूती देखने को मिली, जबकि बाकी 24 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए।

एसबीआई के शेयर सबसे ज्यादा करीब 6% टूटे, अडानी पोर्ट्स में 5.5% की गिरावट, बीईएल के शेयर 5.36% लुढ़के और आईटीसी में भी 3% से अधिक

की गिरावट दर्ज की गई।

सेक्टरवार प्रदर्शन की बात करें तो आईटी सेक्टर को छोड़कर सभी सेक्टर रेड जोन में रहे। सबसे ज्यादा गिरावट पीएसयू बैंक, मेटल और ऑटो सेक्टर में देखने को मिली।

मार्केट कैप में 11 लाख करोड़ की गिरावट

बीएसई का कुल मार्केट कैपिटलाइजेशन शुक्रवार को जहां करीब 460 लाख करोड़ रुपये था, वहीं बजट के बाद यह घटकर लगभग 449 लाख करोड़ रुपये रह गया।

शेयर बाजार में आई इस तेज गिरावट की मुख्य वजह सिक्योरिटी ट्रांजैक्शन टैक्स में बढ़ोतरी मानी जा रही है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट में- फ्यूचर्स ट्रेडिंग पर एसटीटी को 0.025% से बढ़ाकर 0.05% और ऑप्शंस ट्रेडिंग पर एसटीटी को 0.1% से बढ़ाकर 0.15% कर दिया

इस फैसले से खासतौर पर एफओ ट्रेडर्स में निराशा देखने को मिली, जिससे बाजार पर दबाव बढ़ गया। हालांकि बीच में थोड़ी रिकवरी आई, लेकिन अंतिम घंटे में फिर से तेज बिकवाली के कारण बाजार निचले स्तर पर बंद हुआ।

अब बाजार की नजरें सोमवार पर टिकी हैं। यह देखना अहम होगा कि विदेशी संस्थागत निवेशक भारतीय बाजार में निवेश करते हैं या बिकवाली जारी रखते हैं।

अगर विदेशी निवेशकों की एंट्री होती है तो बाजार में तेजी लौट सकती है, लेकिन अगर बिकवाली का सिलसिला जारी रहा तो बाजार पर और दबाव देखने को मिल सकता है।

ईरान में दो अलग-अलग धमाकों से पांच की मौत, 14 घायल

तेहरान, 01 फरवरी (एजेंसियां)।

ईरान में शनिवार को दो अलग-अलग स्थानों पर हुए धमाकों में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि 14 अन्य घायल हो गए। दोनों घटनाओं के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है और जांच जारी है। ईरानी समाचार चैनल तेहरान टाइम्स के अनुसार, दक्षिण-पश्चिमी शहर अहवाज में एक आवासीय इमारत में जोरदार विस्फोट हुआ।

सोशल मीडिया पर इन धमाकों को लेकर कई तरह के दावे

शहर के फायर डिपार्टमेंट प्रमुख के हवाले से बताया गया कि इस हादसे में मौके पर ही चार लोगों की मौत हो गई। विस्फोट से इमारत को गंभीर नुकसान पहुंचा और आसपास के इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

दूसरी घटना ईरान के दक्षिणी बंदरगाह शहर बंदर अब्बास में सामने आई। स्थानीय अधिकारियों के मुताबिक, यहां हुए एक विस्फोट में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि 14 लोग घायल हो गए। धमाके की तीव्रता इतनी ज्यादा थी कि एक इमारत की दो मंजिलें पूरी तरह ध्वस्त हो गईं, कई वाहन क्षतिग्रस्त हो गए और आसपास की दुकानों को भी भारी नुकसान पहुंचा।

इन घटनाओं के बाद क्षेत्र में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। इस बीच, इजराइल ने इन धमाकों से किसी भी तरह की संलिप्तता से इनकार किया है। इजराइल के दो अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि ईरान में हुए विस्फोटों से उनका देश किसी भी प्रकार से जुड़ा नहीं है।

सोशल मीडिया पर इन धमाकों को लेकर कई तरह के दावे किए जा रहे हैं, जिनमें इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) के नौसेना कमांडर को निशाना बनाए जाने की बात भी शामिल है। हालांकि, अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी तसनीम ने इन दावों को पूरी तरह झूठा बताते हुए खारिज कर दिया है। ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी आईआरएनए के अनुसार, होर्मोजगान प्रांत के क्राइसिस मैनेजमेंट के महानिदेशक मेहरदाद हसनजादेह ने कहा कि दोनों विस्फोटों के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि घायलों को आपातकालीन सेवाओं की मदद से अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिका में एक बार फिर से सरकार का शटडाउन, ट्रंप की नीतियों के कारण अटका फंडिंग बिल

वाशिंगटन। पिछले साल नवंबर महीने में अमेरिकी इतिहास का सबसे लंबा शटडाउन खत्म हुआ था, लेकिन

इसके कुछ महीने बाद एक बार फिर से अमेरिका में शटडाउन शुरू हो गया है। अब फिर से 31 जनवरी को अमेरिका एक और आंशिक बंदी शुरू हो गई, क्योंकि सांसद 30 जनवरी की समय सीमा तक फंडिंग बिल पारित करने में विफल हो गए। हालांकि अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि बजट आवंटन में यह रुकावट कितने समय तक चलेगी। लेकिन सीनेट में डेमोक्रेट, रिपब्लिकन और व्हाइट हाउस के बीच हाल के दिनों में बनी गति को देखते हुए, इसके पिछली बार की तरह लंबे समय तक खिंचने की संभावना नहीं है। सीनेट ने शुक्रवार शाम को एक व्यय विधेयक पारित किया, जो गृह सुरक्षा विभाग (जो आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन और सीमा गश्ती की देखरेख करता है) के लिए व्यय को दो सप्ताह के लिए बढ़ाता है, जबकि सांसद आईसीई सुधारों पर बातचीत करते हैं, और सितंबर तक अन्य सरकारी एजेंसियों को धन उपलब्ध कराता है। मिनियापोलिस में संघीय आव्रजन एजेंटों द्वारा रेनी गुड और एलेक्स प्रेटी की गोली मारकर हत्या किए जाने के बाद से डीएचएस और आईसीई विवादों में घिरे हुए हैं। हाल के दिनों में डेमोक्रेट्स ने आव्रजन प्रवर्तन में बदलाव की मांग की है, जिससे कामकाज ठप होने का खतरा पैदा हो गया है। सदन में अब सोमवार को मतदान होने की संभावना अब यह विधेयक प्रतिनिधि सभा में जाएगा, जो फिलहाल अवकाश पर है। रिपब्लिकन प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष माइक जानसन ने कहा कि सोमवार को ही सदन में मतदान होने की संभावना है।

अमेरिका ने दादागीरी से लूटा वेनेजुएला का खजाना, खाड़ी देश में किया जमा

वाशिंगटन। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को उठाने के बाद अमेरिका ने वेनेजुएला के तेल से होने वाली कमाई उड़ा ली और उसे एक अन्य देश में छिपा दिया है। अभी मादुरो की किडनैपिंग को एक महीना भी नहीं बीता है और इतने वक्त में ही अमेरिका ने इस देश से सैकड़ों मिलियन डालर्स का खजाना उड़ा लिया है, जो वेनेजुएला या उसके लोगों की भलाई के लिए नहीं बल्कि अमेरिका के दादागीरी बढ़ाने में खर्च किया जाएगा। ट्रंप ने खजाना लूटने के बाद इसे खाड़ी देश में छिपा दिया है। मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों ने दावा किया है कि अमेरिका ने दक्षिण अमेरिकी देश के 500 मिलियन अमेरिकी डालर के कच्चे तेल की बिक्री की थी। ये खजाना ट्रंप ने अमेरिका नहीं बल्कि एक दूसरे देश में शिफ्ट करने का फैसला किया। ट्रंप प्रशासन ने इस रकम को खाड़ी देश में जमा कराया है। वेनेजुएला के तेल से होने वाली कमाई को कतर के बैंक खाते में रखने का फैसला राजनीति चाल तो है ही लेकिन ट्रंप ने इसमें एक और खेल खेल दिया है।

अमेरिका में डंकी रूट से रोज 65 भारतीय पकड़े गए

न्यूयार्क। अमेरिका में डंकी रूट से एंट्री करने के मामले में बीते एक साल में हर रोज 65 भारतीय पकड़े गए। जनवरी से दिसंबर 2025 के आंकड़ों के अनुसार अमेरिकी बार्डर एंड कस्टम ने कुल 23,830 भारतीयों को पकड़ा। विभाग के मुताबिक एंट्री के मामले घटे हैं, लेकिन इस पर पूरी तरह से रोक नहीं लगी है। पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन के कार्यकाल में 2024 में कुल 85,119 भारतीय पकड़े गए थे। अधिकारियों ने बताया कि इस बार एक नया ट्रेंड भी सामने आया है। अमेरिका में एंट्री करते पकड़े गए सभी भारतीय सिंगल एंटिटी यानी अकेले ही थे। कोई भी भारतीय परिवार के साथ नहीं पकड़ा गया। जबकि 2024 में पकड़े गए भारतीयों में से करीब 20 हजार भाई, पत्नी या बच्चों के साथ अमेरिका में अवैध रूप से एंट्री कर रहे थे। वहीं अमेरिका में कनाडा और मैक्सिको बार्डर के बजाय अब तुर्किये-दुबई रूट से अवैध एंट्री के मामले सामने आ रहे हैं। कनाडा-मैक्सिको बार्डर पर 8 हजार से ज्यादा भारतीय पकड़े गए कनाडा बार्डर पर साल 2025 में 6968 जबकि मैक्सिको बार्डर पर 1543 भारतीय पकड़े गए। सबसे ज्यादा 15,319 दूसरे अमेरिकी शहरों से भारतीय पकड़े गए। सूत्रों के मुताबिक तुर्किये-दुबई रूट से फ्लाइट के द्वारा सीधे अमेरिका में एंट्री कराई जाती है। ज्यादातर केस अमेरिका में वेकेशन वीसा के नाम पर एंट्री और फिर स्टे अवधि को जम्प करने के आ रहे हैं।

भारत-यूरोपीय संघ व्यापार समझौते से पाकिस्तान में हड़कंप, एक करोड़ नौकरियों पर मंडराया संकट

लाहौर, 01 फरवरी (एजेंसियां)।

भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच हाल ही में संपन्न हुए मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए), जिसे वैश्विक स्तर पर मदर्स आफ आल डील कहा जा रहा है, ने पड़ोसी देश पाकिस्तान की रातों की नींद उड़ा दी है। इस ऐतिहासिक समझौते के बाद जहां यूरोपीय संघ के सभी 27 देशों में व्यापारिक उत्साह देखा जा रहा है, वहीं पाकिस्तान के आर्थिक और औद्योगिक हलकों में घबराहट का माहौल है। पाकिस्तान के पूर्व फेडरल कामर्स मिनिस्टर गौहर एजाज ने इस डील को लेकर गंभीर चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि इसका सीधा और विनाशकारी असर पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था और वहां के रोजगार पर पड़ने वाला है। पाकिस्तानी मीडिया की रिपोर्टों के अनुसार, लाहौर में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान पूर्व मंत्री गौहर एजाज ने आगाह किया कि भारत और यूरोपीय संघ के बीच हुआ यह समझौता पाकिस्तान के औद्योगिक क्षेत्र, विशेष रूप से टेक्सटाइल (कपड़ा) इंडस्ट्री के लिए एक अस्तित्व का संकट बन सकता है। पाकिस्तान के लिए टेक्सटाइल सेक्टर उसके कुल निर्यात की रीढ़ माना जाता है और देश की विदेशी मुद्रा आय का एक बड़ा हिस्सा इसी क्षेत्र से आता है। एजाज ने आशंका जताई है कि यदि स्थिति को समय रहते नहीं संभाला गया, तो पाकिस्तान में लगभग एक करोड़ लोगों की रोजी-रोटी छिन सकती है। वर्तमान में पाकिस्तान का सालाना टेक्सटाइल निर्यात लगभग 9 बिलियन डालर का है। पूर्व मंत्री ने बताया कि पाकिस्तान को पहले यूरोपीय संघ में कुछ विशेष रियायतें और तरजीही व्यापार पहुंच का लाभ मिलता था, जिससे उसे भारतीय उत्पादों के मुकाबले बढ़त हासिल थी। हालांकि, भारत के साथ इस नए एफटीए के तहत अब वह विशेष लाभ खत्म हो जाएगा, क्योंकि भारत को भी अब जीरो-टैरिफ एक्सेस मिल जाएगा। इससे बाजार में प्रतिस्पर्धा कई गुना बढ़ जाएगी, जिसका मुकाबला करना पाकिस्तान के लिए नामुमकिन जैसा होगा। पाकिस्तान पहले से ही बढ़ती उत्पादन लागत, बिजली-गैस की भारी किल्लत और ऊंचे करों की मार झेल रहा है। ऐसी स्थिति में भारत के साथ यूरोपीय देशों का यह समझौता पाकिस्तानी उद्योगों की कमर तोड़ सकता है। एजाज का मानना है कि यदि सरकार ने तत्काल नीतियों में बदलाव नहीं किया।

पाकिस्तान प्रेम में डूबी बांग्लादेश की यूनुस सरकार फिर उठाएगी भारत विरोधी कदम

ढाका। बांग्लादेश की मोहम्मद यूनुस सरकार पाकिस्तान के साथ लगातार रिश्ते मजबूत करने में जुटी है, वहीं पुराने दोस्त भारत के साथ दुश्मनी बढ़ रहे है। अब यूनुस सरकार एक ऐसा कदम उठाने की तैयारी कर रही है, जिसका सीधा असर भारत पर होगा। रिपोर्ट के मुताबिक, यूनुस सरकार बांग्लादेश में आयात होकर आने वाले सूती धागे पर कस्टम ड्यूटी लगाने वाली है। बांग्लादेश अपने सूती धागे का ज्यादातर आयात भारत से करता है, जो देश की टेक्सटाइल इंडस्ट्री के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। यह ड्यूटी 10 से 20 प्रतिशत के बीच हो सकती है। बांग्लादेश को उम्मीद है कि कस्टम ड्यूटी लगाने से घरेलू कपास की कीमतों में गिरावट रुक सकती है। बांग्लादेश की यूनस सरकार इस समय मुश्किल में फंसी है। एक ओर टेक्सटाइल मिलों के भारी विरोध का सामना कर रही है, जिनका कहना है कि ड्यूटी फ्री आयात ने उन्हें बर्बादी के कगार पर पहुंचा दिया है। वहीं, कपड़ा निर्यातक चेतावनी दे रहे हैं कि कोई भी नई ड्यूटी देश की वैश्विक प्रतिस्पर्धा को कमजोर करेगी। भारत बांग्लादेश को सूती धागे का सबसे बड़ा निर्यातक हैं। भारत ने 2025 में 3.57 अरब डालर मूल्य के सूती धागे का निर्यात किया था। बांग्लादेश इसका सबसे खरीदार था, जिसने कुल शिपमेंट का 45.9 प्रतिशत आयात किया। वहीं, बांग्लादेश के कुल आयात में भारतीय हिस्सा 82 प्रतिशत है। लेकिन बांग्लादेश में इसका विरोध हो रहा हैं और कहा जा रहा है कि इससे घरेलू कपास उत्पादकों को भारी नुकसान हो रहा है, क्योंकि कीमतें लगातार गिर रही हैं। कपड़ा निर्यातक इस मुद्दे को अलग तरह से देख रहे हैं। निर्यातकों का तर्क है कि स्थानीय स्तर पर तैयार धागा बहुत महंगा है और गुणवत्ता में भी सही नहीं होता। बांग्लादेश प्रमुख टेक्सटाइल का निर्यातक और ग्लोबल ब्रांड भारतीय सप्लाई को पसंद करते हैं। बांग्लादेश में भारतीय धागे के आयात की यह बड़ी वजह है। एक्सपोर्टर को डर है कि आयात में किसी भी रुकावट से लागत बढ़ेगी, शिपमेंट में देरी होगी और अंत में इसका असर देश के ग्लोबल टेक्सटाइल मार्केट पर होगा। पिछले साल अप्रैल में यूनुस सरकार ने प्रमुख लैंडपोर्ट के माध्यम से भारत से धागा आयात करने की अनुमति देना बंद किया था। इसके पहले बांग्लादेश को भारत से होने वाले धागा निर्यात का 32 प्रतिशत जमीन के रास्ते होता था।

वैज्ञानिकों ने तैयार किया बाल से भी पतला फाइबर चिप

शंघाई, 01 फरवरी (एजेंसियां)।

चीन के वैज्ञानिकों ने दुनिया का पहला लचीला फाइबर चिप तैयार कर लिया है, जो इंसानी बाल से भी पतला होने के बावजूद शक्तिशाली कंप्यूटर की तरह काम कर सकता है। चीन की फुदान यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों द्वारा तैयार किए गए एक सेंटीमीटर लंबे इस धागे में एक लाख से अधिक ट्रांजिस्टर समा सकते हैं।

इतना ही नहीं, इसे आसानी से मोड़ा या कपड़ों में बुना जा सकता है। इस तकनीक से स्मार्टफोन और भारी सिलिकान चिप्स की जरूरत कम हो जाएगी, जबकि हेल्थकेयर और वर्चुअल रियलिटी की दुनिया पूरी तरह बदल सकती है। पारंपरिक सिलिकान चिप्स के मुकाबले यह फाइबर चिप बेहद खास है। सिलिकान चिप्स कठोर होते हैं और इन्हें मोड़ना या कपड़ों में फिट करना मुश्किल होता है। लेकिन फुदान यूनिवर्सिटी की टीम ने धागे के अंदर ही जटिल इलेक्ट्रानिक सर्किट तैयार किए हैं, जिसे मल्टीलेयर्ड स्पाइरल आर्किटेक्चर तकनीक से बनाया गया है।

इसे सुशी-रोल से प्रेरित होकर डिजाइन किया गया है, जिसमें सर्किट की कई परतों को एक के ऊपर एक लपेटा गया है। इसका परिणाम यह हुआ कि धागा बेहद पतला होने के बाद भी शक्तिशाली और लचीला है। परीक्षण में इसे 15.6 टन वजनी ट्रक के नीचे कुचला गया, लेकिन यह सामान्य रूप से काम करता रहा। भविष्य के स्मार्ट कपड़े इसी फाइबर चिप पर आधारित होंगे। पुराने स्मार्ट कपड़े भारी और असुविधाजनक होते थे, लेकिन अब कपड़े स्वयं डेटा प्रोसेस कर सकेंगे।

फाइबर चिप 10,000 बार मोड़ने के बाद भी खराब नहीं होता और एक मीटर लंबे धागे में करोड़ों ट्रांजिस्टर समा सकते हैं, जो सामान्य डेस्कटाप कंप्यूटर के बराबर ताकत देता है। हेल्थकेयर में यह तकनीक न्यूरोलाजिकल बीमारियों के इलाज के लिए बेहद उपयोगी साबित हो सकती है। यह फाइबर चिप नरम और लचीला होने के कारण दिमाग के ऊतकों को नुकसान नहीं पहुंचाएगा और क्लोज्ड-लूप सिस्टम की तरह काम करते हुए संकेत पढ़ने और इलाज के लिए उद्दीपन दे सकेगा। वर्चुअल रियलिटी में भी इसका बड़ा योगदान होगा। फाइबर चिप से बने टैक्टाइल ग्लव्स हल्के और संवेदनशील होंगे, जिससे वर्चुअल दुनिया की वस्तुएं वास्तविक अनुभव देने लगेंगी। फुदान यूनिवर्सिटी की टीम इन चिप्स को हृदय रोग सर्जरी और अन्य मेडिकल प्रयोगों में भी इस्तेमाल करने की योजना बना रही है।

बलोच लिबरेशन आर्मी ने नुश्की के जिला उपायुक्त और उनकी पत्नी को रिहा किया

क्वेटा (बलोचिस्तान)। बलोच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने नुश्की के जिला उपायुक्त महमूद हुसैन हजारा और उनकी पत्नी को रिहा कर दिया। बीएलए ने यह जानकारी वीडियो जारी कर दी। यह रिहाई पाकिस्तान की सेना के बलोचिस्तान में विद्रोहियों के खिलाफ शुरू अभियान के बीच की गई। रिपोर्ट के अनुसार, बलोच लिबरेशन आर्मी ने अपने आधिकारिक चैनल हकल पर एक वीडियो जारी किया। इसमें जिला उपायुक्त नुश्की और उनकी पत्नी को सशस्त्र लोगों के हवाले करते हुए दिखाया गया है। वीडियो में जिला उपायुक्त महमूद हुसैन हजारा यह कहते हुए नजर आ रहे हैं कि वे फिलहाल बलोच लिबरेशन आर्मी की हिरासत में हैं। बीएलए ने कहा कि उसने जिला उपायुक्त और उनकी पत्नी को रिहा कर दिया है।

समुद्र में बारूदी सुरंगें बिछा रहा ईरान! यह देख कांप जाती है अमेरिकी सेना

इससे वैश्विक व्यापार और तेल की कीमतों पर पड़ेगा गंभीर असर

तेहरान, 01 फरवरी (एजेंसियां)।

ईरान एक बार फिर फारस की खाड़ी में सैन्य शक्ति का प्रदर्शन कर रहा है। दावा किया जा रहा है कि इस बार वह पानी के नीचे घातक बारूदी सुरंगें बिछाई जा रही हैं। यह सब ऐसे समय में सामने आया है जब ट्रंप बार बार अटैक की धमकी दे रहे हैं। ईरान की यह रणनीति वैश्विक शिपिंग और तेल आपूर्ति के लिए एक बड़ा खतरा पैदा करती है। विशेषज्ञ कह रहे कि यह सबकुछ देखकर अमेरिकी सेना कांप उठती है। यह पहली बार नहीं है जब ईरान ने इस तरह की रणनीति अपनाई है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 1980-1988 के ईरान-इराक युद्ध के बाद से ही यह

खतरा वैश्विक शिपिंग और तेल आपूर्ति पर मंडरा रहा है। उस समय ईरान ने वास्तव में शिपिंग मार्गों में बारूदी सुरंगें बिछाई थीं। तत्कालीन रायल नेवी के बारूदी सुरंग हटाने वाले जहाजों को उन्हें साफ करने में काफी मशक्कत करनी पड़ी थी, जिससे उन्हें ईरान की इस क्षमता का सीधा अनुभव हुआ था।

रिपोर्ट के मुताबिक ईरान और ओमान के बीच स्थित संकरा होर्मुज स्ट्रेट दुनियाभर के व्या पार के लिए अहम रास्ता है। दुनिया का नेचुरल गैस निर्यात का करीब 20 फीसदी और विश्व के तेल और पेट्रोलियम उत्पादों का 20 से 25 फीसदी हिस्सा हर साल इसी रास्तेप से होकर गुजरता है। इस रणनीतिक मार्ग में बारूदी सुरंगें बिछाने से वैश्विक व्यापार और तेल की कीमतों पर निश्चित रूप से गंभीर असर पड़ेगा।

रिपोर्टों के मुताबिक ईरान नौसेना में तेजी से बारूदी सुरंगें बिछाने का अभ्यास कर रहा है। यह दर्शाता है कि ईरान की सैन्य योजना में यह एक अहम घटक है और वह इस क्षमता को लगातार बढ़ा रहा है। यदि ईरान ऐसे किसी भी कदम को अंजाम देता है, तो इसके वैश्विक भू-राजनीतिक और आर्थिक परिणाम विनाशकारी हो सकते हैं। दुनिया भर के देश और अंतरराष्ट्रीय संगठन इस स्थिति पर नजर रख रहे हैं।

अमेरिकी अदालत का पांच वर्षीय लियाम रामोस और उसके पिता को इमिग्रेशन हिरासत से रिहा करने का आदेश

वाशिंगटन, 01 फरवरी (एजेंसियां)।

अमेरिका की एक संघीय अदालत ने पांच वर्षीय लियाम कोनेजो रामोस और उनके पिता को तत्काल आप्रवासन (इमिग्रेशन) हिरासत से रिहा करने का आदेश दिया है। दोनों को टेक्सास के डिले में साउथ टेक्सास फैमिली रेजिडेंशियल सेंटर में रखा गया है। संघीय अदालत ने ट्रंप प्रशासन की आलोचना करते हुए कहा कि दोनों को रिहा कर दिया जाए।

रिपोर्ट के अनुसार, लियाम और उसेके पिता एड्रियन को इमिग्रेशन एजेंटों ने मिनियापोलिस के बर्फीले उपनगरीय इलाके में उनके घर के रास्ते से ले जाकर 1,300 मील दूर टेक्सास की एक डिटेंशन सुविधा केंद्र में भेज दिया था। इस केंद्र को परिवारों को हिरासत में रखने के लिए बनाया गया है।

आदेश में कहा गया है कि प्री-स्कूल जाने वाले बच्चे और उसके पिता को मंगलवार तक रिहा कर दिया जाए। जज के कोर्टरूम डिप्टी और पीड़ित के

वकीलों ने इसकी पुष्टि की है। अमेरिकी डिस्ट्रिक्ट जज फ्रेड बियरी ने अपने आदेश में आजादी की घोषणा नाम के एक अमेरिकी ऐतिहासिक दस्तावेज के बारे में सरकार की अज्ञानता पर फटकार लगाई। बियरी ने एक संभावित तानाशाह राजाके खिलाफ थामस जेफरसन की शिकायतों का हवाला देते हुए कहा कि आज लोग उस इतिहास की गूंज सुन रहे हैं।

जज ने अपनी राय के आखिर में अपने हस्ताक्षर के नीचे लियाम की तस्वीर के साथ बाइबिल के अंश मैथ्यू 19:14 और जान 11:35 का भी जिक्र किया। बायरी ने लिखा कि लियाम का मामला डिपोर्टेशन कोटा के लिए सरकार की गलत सोची-समझी और खराब तरीके से लागू की गई कोशिश से शुरू हुआ। उन्होंने लिखा यह अमानवीय है।

बायरी ने एडमिनिस्ट्रेटिव वारंट पर भी निशाना साधा, जिनका इस्तेमाल अकसर फेडरल इमिग्रेशन एजेंट गिरफ्तारी के लिए करते हैं। इस वारंट पर जज के दस्तखत की जरूरत नहीं होती। उन्होंने लिखा, ऐसे वारंट न्याय की कसौटी पर खरे नहीं उतरते। यह तो बिल्ली को चूहे की रखवाली में सौंप देना जैसा है।

बायरी ने कहा कि लियाम और उसके पिता को बावजूद इसके डिपोर्टेशन का सामना करना पड़ सकता है। यह अमेरिका का अजीब इमिग्रेशन सिस्टम है। जज ने अपनी राय को बेंजामिन फ्रैंकलिन के 1787 के संवैधानिक सम्मेलन में दिए गए बयान हमारे पास एक गणतंत्र है, आप इसे बनाए रख सकते हैं को कोट करते हुए खत्म किया।

रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका में की गई गिरफ्तारियों में छोटे बच्चे भी फंस गए हैं। कोलंबिया हाइट्स पब्लिक स्कूल्स ने कहा कि लियाम अपने स्कूल डिस्ट्रिक्ट का चौथा बच्चा है जिसे इमिग्रेशन एजेंट ले गए हैं। पिछले सप्ताहांत एक छोटी बच्ची को इसी तरह हिरासत में लिया गया था।

आम बजट युवाओं और स्वास्थ्य क्षेत्र को नई दिशा देने वाला : जेपी नड्डा

नई दिल्ली,01 फरवरी (एजेंसियां) । केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को संसद भवन में बजट पेश किया। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने आम बजट 2026-27 को एक लोक-कल्याणकारी और 'विकसित भारत' के लक्ष्य को नई दिशा देने वाला बताया। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किया गया यह बजट सर्वसमावेशी एवं सर्वस्पर्शी है, जो भारत को दुनिया की सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति के रूप में स्थापित करेगा। यह देश की युवा शक्ति का बजट है। इस ऐतिहासिक आत्मनिर्भर भारत के बजट के लिए मैं प्रधानमंत्री मोदी, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और उनकी पूरी टीम को बधाई देता हूं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सरकार द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं को जन-जन तक पहुंचाने की प्रतिबद्धता इसी बात से जाहिर होती है कि पिछले 12 वर्षों में स्वास्थ्य क्षेत्र के बजट में 176 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में इस वर्ष आवंटित 1 लाख 5 हजार करोड़ से अधिक का बजट पिछले वर्ष के बजट से लगभग 9 प्रतिशत अधिक है।

उन्होंने कहा कि इस बजट में मेंटल हेल्थ पर भी फोकस किया गया है, जो एक स्वागत योग्य कदम है। इसके तहत रांची और तेजपुर स्थित केंद्रीय मनोचिकित्सा संस्थानों के अपग्रेडेशन और उत्तर भारत में निमहंस की स्थापना की घोषणा सराहनीय है। जामनगर में डब्लूएचओ

ट्रेडिशनल मेडिसिन सेंटर की स्थापना सभी भारतवासी के लिए गौरव की बात है। स्वास्थ्य बजट में वृद्धि के साथ-साथ देश के हेल्थ सेक्टर को मजबूती देने के लिए रिसर्च और डेवलपमेंट पर फोकस किया गया है।

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि भारत में निर्मित दवाओं को विश्व स्तरीय गुणवत्ता के मानकों पर खरा रखने के लिए सीडीएससीओ को अधिक मजबूत किए जाने का प्रस्ताव सराहनीय है। बायोफार्मा शक्ति इनिशिएटिव के तहत सरकार ने अगले 5 वर्षों में बायोफार्मा क्षेत्र में 10,000 करोड़ के निवेश का प्रस्ताव रखा है, जिससे आधुनिक जैविक दवाओं और बायोसिमिलर के घरेलू उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। फार्मा सेक्टर के विकास के लिए तीन नए निपेर संस्थानों की स्थापना और मौजूदा सात संस्थानों के उन्नयन की घोषणा ऐतिहासिक कदम है। इसके अतिरिक्त रासायनिक उद्योग को सुदृढ़ करने के लिए राज्यों में तीन विशेष केमिकल पार्क विकसित किए जाने का भी प्रावधान किया गया है।

उन्होंने कहा कि बदलती जीवनशैली के कारण बढ़ते गैर-संचारी रोगों से निपटने के लिए एलाइड हेल्थकेयर संस्थानों को सशक्त करने का प्रस्ताव रखा गया है, जिससे अगले पांच वर्षों में एक लाख से अधिक प्रशिक्षित प्रोफेशनल्स तैयार होंगे। इससे युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार होगा। इसके साथ ही देश के प्रत्येक जिला अस्पताल में ट्रॉमा एवं इमरजेंसी सेंटर स्थापित किए जाने के प्रस्ताव से आम जनता को त्वरित और सुलभ चिकित्सा सुविधा उपलब्ध होगी। मेडिकल रिसर्च और इनोवेशन को बढ़ावा देने के लिए आईसीएमआर और स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग के बजट में भी उल्लेखनीय वृद्धि की गई है।

उन्होंने यह भी कहा कि इस बजट का मुख्य उद्देश्य आर्थिक विकास को सतत बनाए रखना, सभी वर्गों को समान अवसर प्रदान करना और 'सबका साथ, सबका विकास' की भावना के साथ देश को आगे बढ़ाना है। यह बजट गांव, गरीब, किसान, युवा और नारी शक्ति के साथ-साथ औद्योगिक विकास की मजबूत रूपरेखा प्रस्तुत करता है।

पश्चिम बंगाल: सीएम ममता बनर्जी ने केंद्रीय बजट को दृष्टिहीन और दिशाहीन बताया

कोलकाता,01 फरवरी (एजेंसियां) । पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को केंद्रीय बजट 2026-27 को दृष्टिहीन, दिशाहीन और झूठ से भरा बताया, जिसमें राज्य के लिए कोई धनराशि आवंटित नहीं की गई है। नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के बाहर मीडियाकर्मियों से बात करते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि केंद्र इस बजट से देश की अर्थव्यवस्था को बर्बाद कर रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा पेश किया गया यह वित्तीय बजट 2026-27 पूरी तरह से दिशाहीन, दूरदर्शी, लक्ष्यहीन और कार्रवाईहीन है। अर्थव्यवस्था पटरी से उतर चुकी है। यह महिला-विरोधी, गरीब-विरोधी, किसान-विरोधी, युवा-विरोधी, आम-विरोधी, अनुसूचित जाति-विरोधी, अनुसूचित जनजाति-विरोधी, और अन्य पिछड़ा

वर्ग-विरोधी है। शिक्षा क्षेत्र के लिए कोई आवंटन नहीं किया गया है। शिक्षा सब्सिडी में कमी आई है, सामाजिक सुरक्षा सब्सिडी में कमी आई है, और उर्वरक सब्सिडी में कमी आई है। यह पूरी तरह से झूठ का पुलिंदा है।पश्चिम बंगाल को कोई धनराशि आवंटित न किए जाने का दावा करते हुए बनर्जी ने कहा कि उन्होंने बंगाल को एक पैसा भी नहीं दिया है। केवल एक ही कर है, जो जीएसटी है। वे हमारा पैसा ले रहे हैं और बड़ी-बड़ी बातें कर रहे हैं कि वे हमें पैसा दे रहे हैं। यह हमारा पैसा है... इसलिए, उन्हें सरकार चलाने और देश को इस तरह बर्बाद करने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है।उन्होंने कहा कि वे देश की आर्थिक संरचना, इस देश की संवैधानिक संरचना, और स्वतंत्र एजेंसियों को नष्ट करना चाहते हैं। वे देश की आर्थिक संरचना, इस देश की संवैधानिक संरचना, और स्वतंत्र एजेंसियों को नष्ट करना चाहते हैं, जिनमें बुनियादी ढांचागत सुविधाएं, अर्थव्यवस्था, सामाजिक क्षेत्र, आर्थिक क्षेत्र और संघीय क्षेत्र शामिल हैं। सब कुछ खत्म हो गया है। वे केवल शब्दों का छल करते हैं... आपको आम जनता को लाभ देना होगा। उन्हें सुविधाओं का आनंद लेने का अधिकार है।बनर्जी ने यह भी आरोप लगाया कि केंद्र ने बजट के दौरान आर्थिक गलियारों के बारे में झूठ बोला। उन्होंने कहा कि तीन कॉरिडोर के बारे में उन्होंने जो कहा वह सरासर झूठ है।

पटना में ऑटो और ट्रक की टक्कर में छह की मौत, दो अन्य घायल

पटना,01 फरवरी (एजेंसियां) । बिहार के बिहटा थाना क्षेत्र में शनिवार की देर रात एक ऑटो और ट्रक की टक्कर में छह लोगों की मौत हो गई, जबकि अन्य दो लोग गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। पुलिस के मुताबिक, यह घटना बिहटा थाना क्षेत्र के लखनपुर के पास की बताई जा रही है। रात में एक अनियंत्रित ट्रक और ऑटो के बीच हुई भीषण टक्कर में पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति इलाज के क्रम में अस्पताल में दम तोड़ दिया। बिहटा थाना के सहायक अवर निरीक्षक मुक्ति नारायण सिंह ने बताया कि ऑटो में सवार लोग मनेर से उर्स देखकर वापस आरा लौट रहे थे। तभी राष्ट्रीय राजमार्ग 30 के पास एक अनियंत्रित ट्रक ने ऑटो को टक्कर मार दी। इस घटना में घटनास्थल पर ही पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि अन्य तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना मिलने के बाद स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को ऑटो से निकाला गया और घायलों को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया।चिकित्सकों ने गंभीर स्थिति देख सभी घायलों को प्राथमिक इलाज के बाद पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। यहां इलाज के क्रम में एक घायल व्यक्ति ने भी दम तोड़ दिया। मृतकों में दो महिलाएं भी शामिल हैं। मृतक के परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है। सभी लोग आरा के रहने वाले बताए जा रहे हैं।मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। घायलों की स्थिति नाजुक बनी हुई है और उनका गहन उपचार चल रहा है। घटना के बाद ट्रक को जब्त कर लिया गया है तथा उसके चालक को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

अखिलेश-मायावती ने बजट पर साधा निशाना, कहा- गरीब-बहुजन हितों की अनदेखी

लखनऊ,01 फरवरी (एजेंसियां) । केंद्रीय बजट 2026 पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव और बसपा सुप्रीमो मायावती ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। दोनों नेताओं ने अपने एक्स पोस्ट में बजट को आम जनता, गरीबों और बहुजन हितों के प्रति उदासीन बताते हुए मोदी सरकार पर निशाना साधा। अखिलेश यादव ने बजट को भाजपाई बजट करार देते हुए कहा कि इसका असर शेयर मार्केट पर तुरंत दिखा, जहां भारी गिरावट आई। अखिलेश यादव ने एक्स पोस्ट में लिखा, आ गया भाजपाई बजट का परिणाम, शेयर मार्केट हुआ धड़ाम। हमने तो पहले ही कहा था... सवाल ये नहीं है कि शेयर बाज़ार रविवार को खुलेगा, सवाल ये है कि और कितना गिरेगा। जब भाजपा सरकार से कोई उम्मीद नहीं है, तो उसके बजट से क्या होगी। हम तो भाजपा के हर बजट को 1/20 (एक बँटे बीस) का बजट मानते हैं क्योंकि वो 5 फीसदी लोगों के लिए होता है। भाजपा का बजट, अपने कमीशन और अपने लोगों को सेट करने का बजट होता है। भाजपा का बजट, भाजपाई भ्रष्टाचार की अदृश्य खाता-बही होता है। इस बजट में न आम जनता का जिक्र है न फिक्र। ऋमहंगाई बेतहाशा बढ़ने पर भी इस बजट में जनता को टैक्स में छूट न देना, टैक्स-शोषण है। ऋअमीरों के काम-कारोबार और घूमने-फिरने पर दस तरह की छूटें दी गईं हैं लेकिन बेकारी-

बेरोज़गारी से जूझ रहे लोगों की उम्मीदों की थाली, खाली है। निराशाजनक, निंदनीय बजट। बसपा सुप्रीमो मायावती ने एक्स पोस्ट में लिखा, देश के संसद में आज केन्द्र सरकार द्वारा लाये गये बजट में विभिन्न योजनाओं, परियोजनाओं, वादों और आश्वासनों के सम्बन्ध में भविष्य में इनके परिणामों को लेकर यही लगता है कि इनके नाम तो बड़े-बड़े हैं, किन्तु जमीनी स्तर पर इनके दर्शन छोटे ना हों तो बेहतर होगा। इसीलिए सर्वसमाज के हित में केवल बातें ना हों बल्कि इनपर सही नीयत से अमल भी जरूरी है। वैसे तो केन्द्र सरकार का बजट सत्ताधारी पार्टी की नीति व नीयत में चाल, चरित्र व चेहरे का आईना होता है, जिसमें यह झलक मिलती है कि सरकार की सोच वास्तव में गरीब व बहुजन-हितैषी होकर व्यापक देशहित की है या फिर पूँजीवादी सोच की पोषक बड़े-बड़े पूंजीपति व धन्नासेठ समर्थक है।

उन्होंने आगे कहा, इतना ही नहीं बल्कि खासकर अपने भारत देश के सन्दर्भ में इस बात का भी विशेष महत्व है कि सरकार की नीति दीर्घकाल में आत्मनिर्भरता की अगर है तो उसके लिए सरकारी क्षेत्र को कितना महत्व देकर परम पूज्य बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर के कल्याणकारी संविधान के पवित्र मंशा के हिसाब से क्या कार्य किया गया है। और इसी क्रम में संसद में आज पेश बजट को भी देखा जाना चाहिए कि कहीं यह बजट भी आया और गया की तरह परम्परागत रूप से मायूस करने वाला तो नहीं है। और साथ ही यह प्रश्न छोड़ दिया है कि पिछले वर्ष के बजट में सरकार द्वारा किये गये दावे, वादे और आशायें क्या आज पूरी की गई है या एक रस्म को निभा कर रह गयी है। तथा क्या तुलनात्मक रूप में लोगों के जीवन में कोई परिवर्तन आया है। वास्तव में जीडीपी से अधिक लोगों के जीवन में बहु-अपेक्षित विकास व बहु-प्रतीक्षित गुणात्मक परिवर्तन है जो सीधे तौर पर व्यापक जनहित व देशहित से जुड़े हैं और जिनका आकलन वर्तमान बजट की वाहवाही से पहले जरूर कर लेना है। सरकार भी इस पर कुछ रोशनी डाले तो यह लोगों के अच्छे दिन के लिए अच्छी बात है वरना यह जिम्मेदारी कौन निभाता है।

आईसीयू में महिला के साथ छेड़छाड़, अस्पताल का कर्मचारी गिरफ्तार

अहमदाबाद,01 फरवरी (एजेंसियां) । गुजरात की अहमदाबाद पुलिस ने शनिवार को साबरमती क्षेत्र के एक निजी अस्पताल के आईसीयू में भर्ती एक महिला मरीज के साथ कथित छेड़छाड़ के आरोप में एक पुरुष स्टाफ को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह गिरफ्तारी पीड़िता द्वारा 27 जनवरी को दर्ज कराई गई शिकायत के बाद हुई है। आरोपी की पहचान इंद्रजीत राठौड़ के रूप में हुई है, जो असरवा क्षेत्र के चमनपुरा का निवासी है। आरोपी उस समय मेटिस अस्पताल में कर्मचारी के रूप में कार्यरत था। साबरमती पुलिस स्टेशन में दर्ज प्रथम सूचना रिपोर्ट के अनुसार, महिला ने नींद की गोलियां खाकर आत्महत्या का प्रयास किया था, जिसके बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया था। पुलिस ने बताया कि शिकायतकर्ता वैवाहिक विवादों के

कारण गंभीर मानसिक तनाव में थी और कुछ समय से अपने माता-पिता के साथ रह रही थी। उसकी हालत बिगड़ने पर उसे आईसीयू में भर्ती कराया गया, जहां वह दवाइयों के असर में अर्धचेतन अवस्था में रही।महिला ने आरोप लगाया कि तड़के जब वह आईसीयू में थी, आरोपी उसके पास आया और उसे गलत तरीके से छुआ। उसने बताया कि उस व्यक्ति ने उसकी हालत का फायदा उठाया और बार-बार उसके शरीर के संवेदनशील अंगों को छुआ। जब उसे आंशिक रूप से होश आया और उसने शोर मचाया, तो आरोपी कथित तौर पर वार्ड से भाग गया।

साबरमती पुलिस के इंस्पेक्टर वाईआर वाघेला ने बताया कि पीड़िता के पुलिस के पास आने और अपना बयान दर्ज कराने के बाद मामला दर्ज किया गया। वाघेला ने कहा कि महिला मरीज की शिकायत के आधार पर, मेटिस अस्पताल में कार्यरत एक कर्मचारी के खिलाफ छेड़छाड़ का मामला दर्ज किया गया है।

शिकायतकर्ता ने बताया है कि आरोपी ने आईसीयू में अर्धचेतन अवस्था में उसकी कमजोर स्थिति का फायदा उठाया। पुलिस ने बताया कि घटना के बाद महिला की चिकित्सीय स्थिति और मानसिक अवस्था के कारण शिकायत दर्ज कराने में तीन महीने की देरी हुई।पीड़िता ने कथित घटना के तुरंत बाद अपने परिवार को सूचित किया। उसके पिता ने बाद में अस्पताल से सीसीटीवी फुटेज प्राप्त करने का अनुरोध किया, लेकिन आरोप लगाया कि अस्पताल अधिकारियों ने शुरू में इसे देने से इनकार कर दिया। जांचकर्ताओं ने सीसीटीवी फुटेज और अस्पताल के रिकॉर्ड की जांच की, जिससे राठौड़ की पहचान संदिग्ध के रूप में हुई।पुलिस ने बताया कि आरोपी विवाहित है और लगभग दो साल से अस्पताल में काम कर रहा है। उसके खिलाफ अभी तक कोई आपराधिक मामला दर्ज नहीं किया गया है, हालांकि अधिकारियों ने कहा कि उसकी पृष्ठभूमि की जांच की जा रही है। आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है और आगे की जांच जारी है। पुलिस ने कहा कि वे इस बात की भी जांच कर रहे हैं कि क्या घटना से संबंधित अस्पताल की प्रक्रियाओं और रोगी सुरक्षा प्रोटोकॉल में कोई लापरवाही हुई थी।

बरहामपुर सड़क हादसे पर सीएम माझी ने जताया दुख, जान गंवाने वालों के आश्रितों को 4 लाख मुआवजे की घोषणा

भुवनेश्वर,01 फरवरी (एजेंसियां) । ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने गंजाम जिले के बरहामपुर में हुए दर्दनाक सड़क हादसे पर गहरा दुख जताया है। हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई और आठ लोग गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की और मृतकों के परिजनों को मुआवजा देने की घोषणा की है। शनिवार को बरहामपुर में एक ट्रक ने नेशनल हाईवे पर गलत दिशा से आती तीन मोटरसाइकिलों को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि कई लोगों के सिर बुरी तरह कुचल

गए और पांच लोग मौके पर ही चल बसे। घायल आठ लोगों को तुरंत एमकेसीजी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में भर्ती कराया गया। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। शव कई घंटों तक सड़क पर पड़े रहे, जिससे नेशनल हाईवे पर लंबा जाम लग गया और यातायात पूरी तरह प्रभावित हुआ। पुलिस और जिला प्रशासन की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। वे मृतकों की पहचान कर हादसे के कारणों की जांच कर रहे हैं।मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि इस दुखद घटना से वह बेहद आहत हैं और उन्होंने प्रभावित परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना जताई। उन्होंने यह भी कहा कि हादसे में घायल सभी लोगों को सबसे अच्छी मेडिकल देखभाल मिले। उन्होंने जान गंवाने वालों के परिवार को मुख्यमंत्री राहत कोष (सीएमआरएफ) से 4 लाख रुपये का मुआवजा देने की घोषणा की है।हादसे की प्राथमिक जांच में पता चला कि ट्रक गलत दिशा से आ रहा था।

पीएमके: 'आम' सिंबल आवंटन को चुनौती देने वाली याचिका पर मद्रास हाईकोर्ट में सुनवाई आज

चेन्नई,01 फरवरी (एजेंसियां) । मद्रास हाईकोर्ट 2 फरवरी को पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) के संस्थापक एस. रामदास की एक अहम याचिका पर सुनवाई करेगा। इस याचिका में उन्होंने चुनाव आयोग के उस फैसले को चुनौती दी है, जिसमें पार्टी अध्यक्ष अंबुमणि रामदास को भेजे गए एक कम्युनिकेशन के जरिए पार्टी को 'आम' चुनाव चिन्ह अलॉट किया गया था। इस मामले ने राजनीतिक अहमियत ले ली है, क्योंकि यह पीएमके के अंदर बढ़ते नेतृत्व विवाद के बीच सामने आया है। अपनी याचिका में एस. रामदास ने भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) की ओर से जारी एक पत्र की वैधता पर सवाल उठाया है, जिसमें कहा गया था कि आम का सिंबल पीएमके को अलॉट किया गया था और इसकी जानकारी उनके अधिकृत एजेंट के जरिए अंबुमणि रामदास को दी गई थी।

न्यायिक दखल की मांग करते हुए रामदास ने कोर्ट से पत्र को रद्द करने और चुनाव आयोग को सभी सिंबल से जुड़े कम्युनिकेशन सिर्फ उनके अधिकृत एजेंट को जारी करने का निर्देश देने का आग्रह किया है।

याचिका में आरोप लगाया गया है कि अंबुमणि रामदास का पीएमके अध्यक्ष के तौर पर कार्यकाल मई 2025 में खत्म हो गया

था। इसके बावजूद यह दावा किया गया है कि उन्होंने चुनाव आयोग के सामने जाली और मनगढ़ंत दस्तावेज पेश किए, जिसमें कहा गया कि वह अभी भी इस पद पर बने हुए हैं।इसी आधार पर याचिकाकर्ता का कहना है कि अंबुमणि के पास पार्टी के चुनाव चिन्ह से जुड़े किसी भी आधिकारिक संचार को प्राप्त करने या उस पर कार्रवाई करने का कोई कानूनी अधिकार नहीं है।रामदास ने आगे यह भी तर्क दिया है कि अंबुमणि पार्टी के संस्थापक की सहमति या मंजूरी के बिना संगठनात्मक बैठकें बुलाकर पार्टी पर नियंत्रण का दावा नहीं कर सकते।याचिका में आरोप लगाया गया है कि ऐसी बैठकें पीएमके के आंतरिक संविधान और स्थापित संगठनात्मक नियमों का उल्लंघन करके आयोजित की गईं। इसलिए इनका इस्तेमाल नेतृत्व का दावा करने या पार्टी के चुनाव चिन्ह पर अधिकार जताने के लिए नहीं किया जा सकता।

याचिका में उठाया गया एक और मुख्य मुद्दा दिल्ली हाईकोर्ट के सामने पहले हुई कार्यवाही से संबंधित है।

इस मामले की सुनवाई चीफ जस्टिस एम.एम. श्रीवास्तव और जस्टिस जी. अरुल मुरुगन की डिवीजन बेंच करेगी। सुनवाई के नतीजे का पीएमके के अंदर चल रही सत्ता की लड़ाई और उसके भविष्य के संगठनात्मक ढांचे पर दूरगामी असर पड़ने की उम्मीद है।

एमके स्टालिन सरकार चुनावों से पहले अंतरिम बजट में महिलाओं के लिए कर सकती है बड़ी घोषणा

चेन्नई,01 फरवरी (एजेंसियां) । आगामी तमिलनाडु विधानसभा चुनावों से पहले राज्य की एमके स्टालिन सरकार अपने अंतरिम बजट में महिलाओं के लिए बड़ी घोषणा कर सकती है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि सीएम स्टालिन 5 फरवरी को तमिलनाडु कैबिनेट की बैठक की अध्यक्षता करेंगे, जिसमें 2026-27 वित्तीय वर्ष के लिए अंतरिम आम बजट को मंजूरी दी जाएगी। तमिलनाडु विधानसभा का बजट सत्र फरवरी के दूसरे हफ्ते में पेश किया जा सकता है। यह 16वीं विधानसभा का आखिरी सत्र भी होगा, क्योंकि अगले कुछ महीनों में राज्य में विधानसभा चुनाव कराए जाएंगे। ऐसे में सरकार परंपरा के अनुसार 2026-27 के लिए सिर्फ अंतरिम बजट पेश करेगी। पूरा बजट अगली सरकार पेश करेगी। संभावनाएं हैं कि एमके स्टालिन सरकार चुनावों से पहले मतदाताओं का समर्थन और अधिक मजबूत करने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कर सकती है।राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि डीएमके सरकार की सबसे प्रमुख पहलों में से एक 'कलैगनार मगलीर उरिमाई थोगई थिट्टम' पर अधिक फोकस किया जा सकता है। यह घर की महिला मुखियाओं के लिए मासिक नकद सहायता देने की योजना है।

उम्मीद लगाई जा रही है कि सरकार सहायता राशि को बढ़ा सकती है। इसके अलावा, पात्रता का दायरा बढ़ा या महिला मतदाताओं के लिए अतिरिक्त लाभ भी शुरू कर सकती है।सूत्रों ने यह भी संकेत दिया कि सरकार की पहल 'उंगा कनवा सोलुंगा' (अपने सपने साझा करें) के माध्यम से मांगे गए जनता के फीडबैक और सुझावों का विधानसभा सत्र के दौरान की जाने वाली घोषणाओं पर असर पड़ने की संभावना है। पूरे राज्य में किए गए इस सर्वे में शासन की प्राथमिकताओं, कल्याणकारी जरूरतों और विकास लक्ष्यों पर जनता की राय मांगी गई थी।गौरतलब है कि तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में डीएमके के सामने सत्ता को बरकरार रखने की चुनौती है। इस बार एआईएडीएमके-भाजपा गठबंधन और अभिनेता विजय की तमिलगा वेट्री कजगम (टीवीके) पार्टियां डीएमके को कड़ी चुनौती दे रही हैं।

जुड़वां बच्चों के माता-पिता बनने पर रामचरण और उपासना बोले, हम धन्य हुए

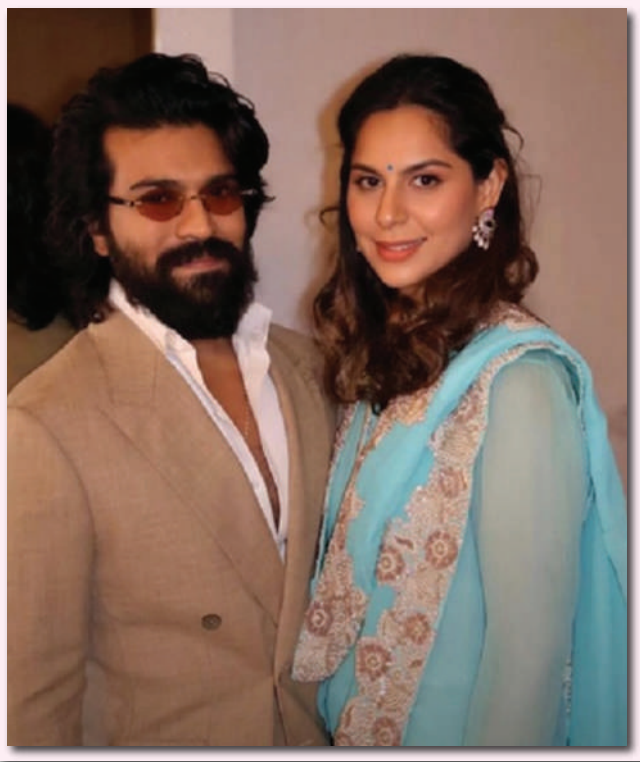

फिल्म आरआरआर फेम अभिनेता राम चरण की पत्नी उपासना कोनिडेला ने जुड़वां बच्चों को जन्म दिया है। इनमें एक बेटा और एक बेटी है। रामचरण के पिता और सुपरस्टार चिरंजीवी ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए यह जानकारी दी। इस मौके पर राम चरण और उपासना ने अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। साल 2023 में राम चरण और उपासना की पहली संतान बेटी क्लिन कारा कोनिडेला पैदा हुई थी। उपासना ने अपनी दूसरी प्रेग्नेंसी अक्टूबर 2025 में घोषित की थी। राम चरण ने खुशी जाहिर करते हुए कहा, तीन बच्चों का आशीर्वाद मिलना मुझे बहुत कृतज्ञ महसूस कराता है। मैं अपने सभी प्रशंसकों, प्रियजनों और शुभचिंतकों का दिल से आभारी हूं, जो हर पल हमारे साथ खड़े रहे और हमें सपोर्ट दिया। उपासना ने भावुक होकर कहा, आज मैं तीन बच्चों की मां बनकर बहुत धन्य महसूस कर रही हूं, ठीक वैसा ही जैसा हमने सोचा था। हमारी कोशिश रहेगी कि हम बच्चों की परवरिश ऐसे करें जो मजबूत भी हों और विनम्र भी। उन्हें पता हो कि विशेषाधिकार के साथ जिम्मेदारी भी आती है।

एक बार फिर दादा बने चिरंजीवी ने पोस्ट किया, अत्यंत खुशी और कृतज्ञता से भरे दिल के साथ हमें यह बताने में खुशी हो रही है कि राम चरण और उपासना को जुड़वां बच्चों का आशीर्वाद प्राप्त हुआ है। पोस्ट में लिखा कि यह परिवार के लिए बड़ी खुशी का पल है। उन्होंने सभी के प्रार्थना, प्यार और शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद दिया। साथ ही बताया कि मां और बच्चे एकदम स्वस्थ हैं।

उन्होंने लिखा कि वे दादा-दादी बनकर बहुत खुश हैं और इसे ईश्वरीय आशीर्वाद मानते हैं। यह परिवार के लिए बहुत खास और खुशी भरा पल है। चिरंजीवी के सोशल मीडिया पोस्ट पर बॉलीवुड और फिल्म इंडस्ट्री की कई हस्तियों ने खुशी जताते हुए बधाई दी। फिल्म 'आरआरआर' के सह कलाकार जूनियर एनटीआर ने कोनिडेला परिवार को परिवार में नए सदस्य के आगमन पर प्यार, स्वास्थ्य और खुशी की शुभकामनाएं दीं।

जूनियर एनटीआर ने एक्स पोस्ट किया, रामचरण और उपासना को जुड़वां बच्चों के जन्म पर हार्दिक बधाई। परिवार को प्यार, स्वास्थ्य और खुशियों की शुभकामनाएं। जैकी श्रॉफ की पत्नी आयशा श्रॉफ ने कमेंट में चिरंजीवी और पूरे परिवार को जुड़वां बच्चों की खुशखबरी पर बधाई दी। अमेरिकी रैपर और सिंगर राजा कुमारी ने बधाई देते हुए कहा कि अब तक की सबसे अच्छी खबर है। वहीं, एक्ट्रेस करुणा भूषण, एक्टर अधीर और कई अन्य सितारों ने शुभकामनाएं दीं।

रियलिटी शो द 50 में दिखेंगी बेबिका धुर्वे, बताया बिग बॉस से ज्यादा खतरनाक

कलर्स टीवी पर नया रियलिटी शो 'द 50' 1 फरवरी से दस्तक देने वाला है, जिसमें टीवी जगत से लेकर सोशल मीडिया के फेमस चेहरों को एक ही महल में देखा जाएगा। इसमें बिग बॉस का हिस्सा रहीं बेबिका धुर्वे और खानजादी बतौर कंटेस्टेंट भाग लेने वाली हैं। अब बेबिका ने नए शो में जाने की एक्साइटमेंट जाहिर की और बताया कि इतने बड़े शो का हिस्सा बनकर वे कैसी फील कर रही हैं। मीडिया से खास बातचीत में बेबिका धुर्वे ने कहा कि वह रियलिटी शो 'द 50' में जाने के लिए बहुत एक्साइटेड हैं। उनका कहना है कि ये टीवी जगत के सबसे बड़े रियलिटी शो में एक है।

बेबिका ने कहा, शो में एक महल में 50 लोग साथ रहने वाले हैं और हर किसी का अपना ओपिनियन है, अपना दिमाग है, और रहने का तरीका भी, शो में बहुत धमाल होने वाला है, जो दर्शकों ने अभी तक कहीं नहीं देखा होगा। शो के 50 एपिसोड आएंगे, लेकिन उन्हें तीन-तीन एपिसोड शूट करने पड़ रहे हैं।

'द 50' में जाने से पहले की तैयारियों पर बात करते हुए बेबिका ने कहा, मैं कभी भी किसी शो में तैयारी के साथ नहीं गई। मुझे पता है कि शो में शारीरिक ताकत को परखने वाले टास्क भी होंगे, लेकिन फिर भी मैंने किसी तरह की कोई तैयारी नहीं की है। मैं जैसी हूं, वैसे ही शो में भाग लिया है। मैं खाली दिमाग के साथ शो में जा रही हूं ताकि वहां की चीजों को अच्छे से समझ सकूं।

शो की तुलना बिग बॉस से करने पर बेबिका ने कहा कि यह बिग बॉस से ज्यादा मजेदार होने वाला है क्योंकि बिग बॉस में सिर्फ 15 लोग होते हैं, लेकिन इसमें 50 लोग हैं और उन 50 लोगों को लड़ने के लिए मजबूत मानसिक स्थिति की जरूरत पड़ेगी। शो में महिला और पुरुष दोनों हैं और दोनों से ही फिजिकल टास्क करवाए जाएंगे। ऐसे में नहीं पता कि 50 लोगों के दिमाग में क्या चल रहा है। यह बिग बॉस से बहुत ज्यादा मुश्किल होने वाला है। ट्रोलिंग के सवाल पर बेबिका ने कहा कि मुझे पता है कि कुछ लोग फिर दोबारा मेरे वजन को लेकर ट्रोल करेंगे, लेकिन वे नहीं जानते हैं कि मैं किन चीजों से गुजर रही हूं। मेरे पैर में फ्रैक्चर था और 4 महीने बिस्तर पर रहना पड़ा। इससे वजन पर असर पड़ा है।

प्रीति जिंटा: एक सिक्के ने तय किया भविष्य, हेड आया और बन गईं बॉलीवुड की डिंपल गर्ल

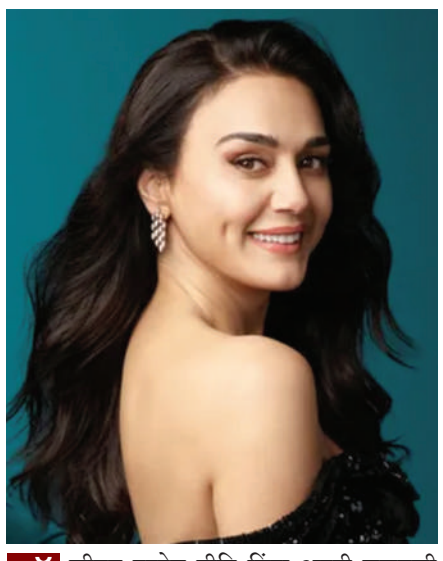

बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रीति जिंटा अपनी चुलबुली मुस्कान, गालों पर पड़ने वाले डिंपल्स और बेबाक अंदाज के साथ जानी जाती हैं। उनका फिल्मी सफर किसी प्लानिंग या बड़े सपने से नहीं, बल्कि एक बेहद छोटे से फैसले से शुरू हुआ था। कहा जाता है कि एक सिक्के ने उनकी जिंदगी की आगे की दिशा तय कर दी थी। आज भले ही वह फिल्मों से दूर हों, लेकिन बॉलीवुड का उनका सफर, संघर्ष और काम आज भी लोगों की यादों में ताजा है। प्रीति जिंटा का जन्म 31 जनवरी 1975 को हिमाचल प्रदेश के शिमला में हुआ था। उनके पिता दुर्गानंद जिंटा भारतीय सेना में अधिकारी थे और मां नीलप्रभा गृहिणी थीं। प्रीति जब 13 साल की थीं, तब एक सड़क हादसे में उनके पिता का निधन हो गया। इस हादसे में उनकी मां भी गंभीर रूप से घायल हो गई थीं और उन्हें ठीक होने में करीब दो साल लगे। इतनी कम उम्र में पिता को खो देने से प्रीति की जिंदगी पूरी तरह बदल गई।

पढ़ाई के मामले में प्रीति हमेशा अव्वल रहीं। उन्होंने शिमला से स्कूलिंग की और बाद में इंग्लिश ऑनर्स में ग्रेजुएशन किया। इसके बाद उन्होंने क्रिमिनल साइकोलॉजी में पोस्ट ग्रेजुएशन भी किया।

प्रीति ने एक इंटरव्यू में बताया था कि फिल्मों में आने का फैसला उन्होंने किसी बड़े सपने या प्लान के साथ नहीं लिया था। उन्होंने कहा था, फिल्ममेकर शेखर कपूर मुझे फिल्म 'तारा रम पम पम' के लिए साइन करना चाहते थे। मैं कूल दिखना चाहती थी, इस पर मैंने कहा, 'अगर मेरी किस्मत में यही लिखा है तो मैं सिक्का उछालकर देखूंगी। हेड्स आया तो मैं फिल्मों में करियर बनाऊंगी और टेल्स आया तो नहीं बनाऊंगी।

सिक्के पर हेड आया और उसी पल प्रीति ने तय कर लिया कि वह एक्टिंग की दुनिया में कदम रखेंगी। यह फैसला उनकी किस्मत का सबसे बड़ा मोड़ साबित हुआ। हालांकि फिल्म 'तारा रम पम पम' को बाद में डायरेक्टर सिद्धार्थ आनंद ने सैफ अली खान और रानी मुखर्जी के साथ बनाया था।

साल 1998 में उन्होंने शाहरुख खान की फिल्म 'दिल से' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। भले ही फिल्म में उनका रोल छोटा था, लेकिन उनकी मासूमियत और स्क्रीन प्रेजेंस ने दर्शकों का ध्यान खींचा। इसके बाद 'सोल्जर', 'क्या कहना', 'संघर्ष', 'दिल चाहता है', 'कल हो ना हो', 'वीर-जारा', 'सलाम नमस्ते', और 'कभी अलविदा ना कहना' जैसी फिल्मों ने उन्हें इंडस्ट्री की टॉप एक्ट्रेस बना दिया।

प्रीति को उनके दमदार अभिनय के लिए कई पुरस्कार मिले। 'कल हो ना हो' के लिए उन्हें फिल्मफेयर अवॉर्ड से नवाजा गया, वहीं 'वीर-जारा' और अन्य फिल्मों में उनकी परफॉर्मेंस को भी खूब सराहा गया।

निजी जीवन की बात करें तो साल 2016 में उन्होंने अमेरिकी बिजनेसमैन जीन गुडइनफ से शादी की और अब अमेरिका में अपने पति और जुड़वा बच्चों के साथ खुशहाल जीवन जी रही हैं।

मशहूर फिल्म डायरेक्टर रोहित शेट्टी के आवास पर मिले फायरिंग के खोखे, घर पर गोलीबारी के निशान

बॉलीवुड के मशहूर फिल्म निर्माता और निर्देशक रोहित शेट्टी के मुंबई स्थित आवास 'शेट्टी टावर' के बाहर अज्ञात हमलावरों ने ताबड़तोड़ फायरिंग की। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस और क्राइम ब्रांच की टीमों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए पूरे इलाके को सील कर दिया। यह वारदात रात करीब 12:30 से 1:00 बजे के बीच हुई। जांच में पुलिस को रोहित शेट्टी के घर पर तीन गोलियों के निशान साफ दिखाई दिए। वहीं फोरेंसिक टीम ने गोलियों के खोखे और अन्य साक्ष्यों को इकट्ठा किया। जानकारी के अनुसार, हमलावरों की संख्या और उनके वाहन का पता अभी तक नहीं चल सका है। फायरिंग के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। घटना स्थल का निरीक्षण करने के लिए पुलिस और क्राइम ब्रांच की टीमें मौके पर पहुंचीं। सुरक्षा के लिए पूरे इलाके में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया। पुलिस ने आसपास की इमारतों और 'शेट्टी टावर' के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले, वहीं फोरेंसिक टीम ने मौके से गोलियों के खोखे और अन्य महत्वपूर्ण सबूत इकट्ठा किए।

पुलिस ने बताया कि रोहित शेट्टी के घर पर तीन गोलियों के निशान साफ दिखाई दे रहे हैं। वहीं क्राइम ब्रांच ने मामले की गंभीरता को देखते हुए 12 टीमों का गठन किया है, जो अलग-अलग एंगल से जांच कर रही हैं।

जुहू पुलिस और क्राइम ब्रांच मिलकर फायरिंग के हर पहलू को खंगाल रही है। पुलिस का कहना है कि इलाके के सीसीटीवी फुटेज और आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। इलाके की सुरक्षा बढ़ा दी गई है और हर किसी पर निगरानी रखी जा रही है।

पुलिस ने बताया कि फिलहाल इस हमले के पीछे का मकसद स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस जांच जारी है और इस बात की तहकीकात की जा रही है।

हार्मोनल बैलेंस और हड्डियों के लिए अच्छी है रागी इडली, समीरा रेड्डी

मशहूर अभिनेत्री समीरा रेड्डी अपनी हेल्थ को लेकर काफी सक्रिय रहती हैं। वे हमेशा हेल्दी फूड खाने और रोजाना एक्सरसाइज करने पर जोर देती हैं। इसी के साथ ही वे फैंस के लिए अक्सर हेल्दी रेसिपी शेयर भी करती रहती हैं। शनिवार को अभिनेत्री ने कुछ ऐसा ही किया। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया। इस वीडियो में उन्होंने घर पर नरम और फ्लफी रागी इडली बनाने का पूरा तरीका स्टेप-बाय-स्टेप बताया है। साथ ही, उन्होंने महिलाओं के लिए इस डिश के फायदे भी बताए हैं। वीडियो में अभिनेत्री रेसिपी बनाते हुए कहती हैं, सबसे पहले 1/2 कप उड़द दाल को 4 घंटे भिगो दें और रवा को 1 घंटे भिगोकर रखें। अब उड़द को पीसकर बारीक पेस्ट बना लें। इसमें भीगा हुआ रवा (बिना पीसे) मिलाएं। अब एक पैन में घी गर्म करके करी पत्ते, हींग, उड़द दाल, जीरा और राई का तड़का लगाएं। इसमें रागी का आटा डालकर 1 मिनट तक भूनें। इस मिश्रण को इडली बैटर में मिलाएं। फिर दही, थोड़ा बेकिंग सोडा और नमक डालकर अच्छे से फेंट लें। बैटर को 20 मिनट के लिए ढककर रख दें। इडली मोल्ड्स पर घी लगाकर बैटर भरें और 10-15 मिनट तक स्टीम करें। गरमा-गरम नरम रागी इडली तैयार।अभिनेत्री ने वीडियो पोस्ट कर कैप्शन में इसके खाने के फायदे के बारे में भी बताया। उन्होंने बताया कि महिलाओं के लिए रागी इडली क्यों फायदेमंद है उन्होंने लिखा, रागी कैल्शियम से भरपूर होती है, जो हड्डियों को मजबूत रखती है। इसमें हाई फाइबर होता है, जो पेट की सेहत और हार्मोन बैलेंस बनाए रखने में मदद करता है। साथ ही, यह ब्लड शुगर को स्थिर रखता है, जिससे एनर्जी लेवल संतुलित रहता है। यह डिश हर कौर में आपको एनर्जेटिक, संतुलित और पोषित महसूस कराती है।

दिल्ली में खुला अनुपम खेर का नया एक्टिंग स्कूल

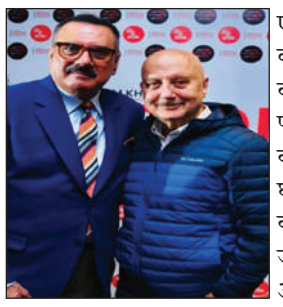

हिंदी सिनेमा के वरिष्ठ अभिनेता अनुपम खेर सिनेमा में वर्सटाइल एक्टिंग स्किल के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने खुद हिंदी सिनेमा में अपनी एक्टिंग का लोहा मनवाया, लेकिन साथ ही पर्दे पर कुछ बड़े स्टार्स की प्रतिभा को निखार कर उन्हें करियर बनाने में मदद की। अभिनेता बीते 21 साल से मुंबई में अपना एक्टिंग स्कूल एक्टर्स प्रीपेयर्स चला रहे हैं, लेकिन उन्होंने दिल्ली के कलाकारों को सपनों की उड़ान देने के लिए नया एक्टिंग स्कूल दिल्ली में खोला है। अनुपम खेर ने दिल्ली के कलाकारों को अपने सपने बिना भय के जीने का नया मौका दिया है और 31 जनवरी को दिल्ली में नए एक्टिंग स्कूल का उद्घाटन किया है। अभिनेता नए एक्टिंग स्कूल की ओपनिंग से बहुत खुश हैं क्योंकि अब एक्टिंग में अपना करियर बनाने वाले युवाओं को मुंबई का रुख नहीं करना पड़ेगा। अनुपम खेर ने वीडियो शेयर कर कहा, राजधानी अब साहस और कला का घर बन गई है। एक ऐसी जगह जहां प्रतिभा को निखारा जाता है, कमजोरी ताकत बन जाती है, और सपनों को ईमानदारी और अनुशासन के साथ संवारा जाता है। अगर आपके मन में कहीं क्या हो अगर? की आवाज़ गूंजती है, अगर एक्टिंग आपका वो सपना है जिसे आपने अब तक के लिए टाल रखा था, तो ये रहा आपका पल।

ए.के. हंगल: 52 की उम्र में डेब्यू फिर रच दिया फिल्मी पर्दे पर न भूलने वाला सन्नाटा, बन गए सिनेमा की आत्मा

हिंदी सिनेमा में कई ऐसे कलाकार हैं जो भले ही अब इस दुनिया में न हों, मगर फिल्मों में अपनी शानदार अदायगी की वजह से दर्शकों-प्रशंसकों के जेहन में जिंदा है। उन्हीं यादगार अभिनेता में से एक रहे ए.के. हंगल या अवतार किशन हंगल, जिन्होंने अपनी उम्र और अनुभव को अपनी ताकत बनाया और उसे बड़े पर्दे पर बखूबी पेश किया। शोले में रहीम चाचा का किरदार हो या लगान में शंभू काका, हर भूमिका में उन्होंने इतनी गहराई भरी कि दर्शक खुद को उनके साथ जोड़ लेते थे। उनका मशहूर डायलॉग इतना सन्नाटा क्यों है भाई... आज भी लोगों के जुबान पर है। एके. हंगल की जयंती है। ए.के. हंगल का जन्म 1 फरवरी 1914 को सियालकोट (पाकिस्तान) में हुआ था। फिल्मों में आने से पहले वह स्वतंत्रता सेनानी थे। साल 1929 से 1947 तक उन्होंने भारत की आजादी की लड़ाई में सक्रिय भूमिका निभाई। यही नहीं कराची जेल में वह तीन साल तक कैद रहे। जेल से रिहा होने के बाद वह भारत आए और मुंबई में बस गए।

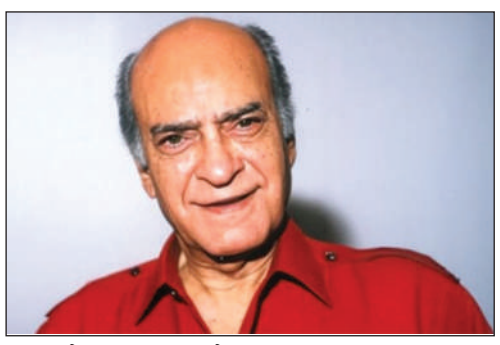

उनकी बायोग्राफी 'लाइफ एंड टाइम्स ऑफ ए.के. हंगल' में उनसे जुड़े कई किस्से मिलते हैं। पुस्तक के अनुसार, फिल्मों में आने से पहले हंगल दर्जी का काम सीख चुके थे। पिता के एक दोस्त के सुझाव पर उन्होंने इंग्लैंड के एक दर्जी से यह हुनर सीखा। शुरुआती जीवन में दर्जी का काम करते हुए भी वह नाटक में भाग लेते थे। साल 1949 से 1965 तक उन्होंने भारतीय थिएटर में कई नाटकों में अभिनय किया।

ए.के. हंगल ने 52 साल की उम्र में फिल्मों में डेब्यू किया। साल 1966 में बसु भट्टाचार्य की फिल्म 'तीसरी कसम' से उन्होंने हिंदी सिनेमा में शुरुआत की। इसके बाद उनका सुनहरा दौर रहा। इस दौरान उन्होंने 'नमक हराम', 'शौकीन', 'शोले', 'आइना', 'अवतार', 'अर्जुन', 'आंधी', 'तपस्या' जैसी फिल्मों में शानदार काम किया। उन्होंने राजेश खन्ना समेत लगभग सभी सुपरस्टार्स के साथ फिल्में कीं। ए.के. हंगल ने अपने करियर में मुख्य रूप से पिता, दादा, बड़े भाई या बुजुर्ग के किरदार निभाए। उनकी अदाकारी इतनी प्रभावशाली थी कि छोटी-छोटी भूमिकाओं में भी वे फिल्म को यादगार बना देते थे। उन्होंने कुल 200 से ज्यादा फिल्मों में काम किया। उनकी आखिरी फिल्म 'पहेली' थी, जो साल 2005 में आई थी।इसके अलावा एके. हंगल टीवी सीरियल 'मधुबाला' में भी नजर आए। उम्र बढ़ने के बावजूद उनका जुनून कम नहीं हुआ। एक बार मुंबई में आयोजित फैशन शो में वे व्हीलचेयर पर रैंप वॉक कर दर्शकों का दिल जीत चुके थे। उनके योगदान को सम्मान देते हुए पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने उन्हें साल 2006 में पद्म भूषण से नवाजा था।

ए.के. हंगल ने 26 अगस्त 2012 को 98 वर्ष की उम्र में इस दुनिया को अलविदा कह दिया था।

मंगल बना रहे रूचक राजयोग, इन राशियों को मिलेगा उच्च पद और धन में होगी वृद्धि

आज यानी 2 फरवरी, सोमवार को मंगल के अपनी उच्च राशि मकर में होने से रूचक राजयोग का निर्माण हो रहा है। वैदिक ज्योतिष में इसे अत्यंत शुभ और पंचमहापुरुष योग माना जाता है। यह योग मकर की अपनी उच्च राशि मकर या स्वराशि मेष और वृश्चिक में होने से बनता है। इसके शुभ प्रभाव से व्यक्ति को धन-धान्य और जमीन जायदाद की प्राप्ति होती है। रूचक राजयोग के प्रभाव से कई राशियों के जातकों को करियर में सफलता और मान-सम्मान मिलेगा है। इस दौरान मेष राशि के जातकों को ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। कर्क के पद-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जबकि कन्या राशि के जातकों को व्यावसायिक दिशा में सफलता मिलेगी।

मेष राशि –मेष राशि का स्वामी मंगल अब मकर राशि पर आ चुका है। चंद्रमा के चतुर्थ भाव में होने से घर में उपयोग होने वाली वस्तुओं में वृद्धि होगी। नौकरी में अधीनस्थ कर्मचारी या किसी रिश्तेदार के कारण तनाव पैदा हो सकता है। इस समय आपको रुपए-पैसे के लेन-देन में सावधानी बरतनी होगी। ससुराल पक्ष से भी आपको लाभ मिलता हुआ दिखाई दे रहा है। हालांकि, वाहन के प्रयोग में आपको सावधानी रखनी होगी।

वृष राशि –आपकी राशि का स्वामी शुक्र नवम भाव में हैं। इस दौरान राहु कुंभ राशि का होकर दशम राज्य भाव में गोचर कर रहा है। ऐसे में जीविका के क्षेत्र में चल रहे आपके प्रयास फलीभूत होंगे। इस दौरान आपको राजनीतिक सहयोग भी मिलेगा। हालांकि, स्वास्थ्य के प्रति आपको थोड़ा सतर्क रहना होगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी भी विवाद से दूरी बनाकर रखना आपके हित में होगा। वहीं, विरोधी भी आपके परास्त होंगे।

मिथुन राशि –आपकी राशि से द्वितीय भाव में चंद्रमा विराजमान हैं। ऐसे में आपका मन शांत बना रहेगा। अष्टम भाव में बुध से व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। इस दौरान किसी प्रकार का उपहार व सम्मान भी मिल सकता है। किसी कार्य के संपन्न होने से आपके स्वभाव एवं वर्चस्व में वृद्धि होगी। हालांकि, ससुराल पक्ष से किसी बात को लेकर मनमुटाव हो सकता है। वहीं, मित्रों के साथ आपके संबंध मधुर होंगे।

कर्क राशि –आपकी राशि का स्वामी चन्द्र द्वितीय भाव में आपके कोष में वृद्धि का संकेत दे रहा है। ऐसे में आपका दांपत्य जीवन सुखमय बना रहेगा। इस दौरान धन, पद और प्रतिष्ठा में वृद्धि की प्रबल संभावना है। हालांकि, किसी शारीरिक व मानसिक समस्या से आपकी परेशानी बढ़ सकती है। छात्रों को सफलता मिलेगी और परीक्षा की दिशा में किया गया प्रयास सार्थक होगा। आपके विरोधी परास्त होंगे।

सिंह राशि –आपकी कुंचली में प्रथम भाव का चन्द्रमा और सप्तम घर में कुंभ राशि का राहु आपके प्रभाव और प्रताप को बढ़ाने वाले हैं। ऐसे में रोजी और रोजगार की दिशा में आपको सफलता मिलेगी। उपहार व सम्मान भी प्राप्त हो सकता है। इस दौरान आप दूसरों से सहयोग लेने में सफल होंगे। कोई रुका हुआ कार्य इस सहयोग से पूरा करने में सफल रहेंगे। यात्रा की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। लंबे समय बाद किसी प्रियजन से भेंट संभव है।

कन्या राशि –द्वादश भाव में चन्द्रमा के होने से शुभ व्यय में बढ़ोतरी होगी। इससे आपका मान-सम्मान और कीर्ति में वृद्धि होगी। व्यवसाय से जुड़े लोगों को अपने कार्यों में सफलता मिलेगी। हालांकि, आपको अपने खान-पान में संयम रखना होगा। इसके साथ ही अनावश्यक खर्चों को भी कंट्रोल करना होगा। विरोधियों पर आपको जीत मिलेगी। रोजगार के मामले में भी दिन आपके लिए शुभ रहने वाला है।

तुला राशि – राशि स्वामी शुक्र-मकर राशि का होकर चतुर्थ भाव में हैं। इस दौरान एकादश भाव में चन्द्रमा के प्रभाव से राजनीतिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। आपको शासन और सत्ता का पूरा सहयोग मिलेगा। इसके साथ ही कुछ लोगों के पद और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप की संभावना है। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखेंगे तो आपके लिए लाभकारी रहेगा।

वृश्चिक राशि –राशि स्वामी मंगल के मकर राशि पर होने और तृतीय भाव में चन्द्रमा की उपस्थिति से पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। घर-परिवार के वरिष्ठ लोगों का आपको सहयोग मिलेगा। इसके अलावा शासन और सत्ता के सहयोग से कोई रुका हुआ कार्य पूरा हो जाएगा। हालांकि, आपको थोड़ा सतर्क भी रहना होगा। किसी मूल्यवान वस्तु के खोने व चोरी की संभावना दिख रही है। फिलहाल अपनी फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें।

धनु राशि –देव गुरु बृहस्पति मिथुन राशि पर और चन्द्रमा नवम प्रमुख त्रिकोण स्थान में चल रहे हैं। ऐसे में यह समय आपके लिए आर्थिक दिशा में सफलता दिलाने वाला रहेगा। वाणी की सौम्यता के कारण आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। वहीं, ससुराल पक्ष से लाभ मिलता हुआ दिख रहा है। हालांकि, स्वास्थ्य के प्रति थोड़ा सचेत रहना होगा। फिलहाल अपने खान-पान में संयम बरतें।

मकर राशि –आपकी राशि से द्वितीय राहु और राशि का स्वामी शनि पराक्रम भाव में है। इसके कारण आपकी व्यावसायिक योजना को बल मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति आपको थोड़ा अधिक सचेत रहना होगा। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। इस दौरान आपको मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। आपको अपने विरोधियों पर जीत मिलेगी।

कुंभ राशि –कुंभ राशि के जातकों के सप्तम भाव में सिंह राशि का चन्द्रमा मौजूद हैं। इसके फलस्वरूप बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलने की प्रबल संभावना है। आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। व्यापार बढ़ने की सोच रहे हैं तो यह समय आपके लिए उत्तम रहेगा। खान-पान पर संयम रखें। ससुराल पक्ष से भी किसी तरह का लाभ मिल सकता है। हालांकि, झगड़े और विवाद से खुद को दूर रखें।

मीन राशि – आपकी राशि का स्वामी बृहस्पति पंचम भाव में विराजमान है। यह सुख और मित्र का भाव है। इसके शुभ प्रभाव से आपको मान-सम्मान की प्राप्ति होगी और प्रतिष्ठा में वृद्धि के योग हैं। रोजगार के क्षेत्र में चल रहे प्रयास सफल रहेंगे। राजनीतिक सहयोग से भी आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य पर अधिक ध्यान देना होगा। वाणी पर संयम रखने से रिश्तों में मधुरता आएगी।

किस दिन किस देवता की पूजा करें?

हिंदू धर्म में देवी-देवताओं की कृपा प्राप्त करने के लिए व्रत, जप और तप का विशेष महत्व बताया गया है। सप्ताह के सातों दिनों के व्रत अलग-अलग देवताओं और ग्रहों को समर्पित होते हैं, और प्रत्येक व्रत साधक को विशिष्ट फल प्रदान करता है। यह व्रत सुख-सौभाग्य, स्वास्थ्य, करियर, संतान, दांपत्य जीवन और मानसिक शांति प्रदान करने वाला माना जाता है। यहाँ जानें-किस दिन किस देवता का व्रत करें और क्या लाभ मिलता है।

रविवार का व्रत – सूर्य देव की कृपा के लिए

रविवार का व्रत सूर्य नारायण को समर्पित है।

लाभ: तेज, आत्मविश्वास और ऊर्जा में वृद्धि
सम्मान और प्रसिद्धि
शत्रुओं पर विजय
स्वास्थ्य और सफलता

सोमवार का व्रत – भगवान शिव एवं चंद्र देव की उपासना

सोमवार का व्रत भगवान शिव और चंद्रमा को प्रसन्न करता है।

लाभ: मानसिक शांति
सुख-सौभाग्य और संपत्ति
दांपत्य जीवन में मधुरता
स्वास्थ्य में सुधार

मंगलवार का व्रत – मंगल देव और हनुमान जी का आशीर्वाद

मंगलवार का व्रत मंगल ग्रह और हनुमान जी को समर्पित है।

लाभ: भूमि, भवन व वाहन की प्राप्ति
साहस, वीरता और तेज में वृद्धि
शत्रु पर विजय
करियर और नौकरी में प्रगति

बुधवार का व्रत – भगवान बुध और गणेश जी की पूजा

बुधवार का व्रत बुध ग्रह और गणपति बप्पा से संबंधित है।

लाभ: करियर और व्यापार में वृद्धि
विद्या, बुद्धि और वाणी में सुधार
विवेक और निर्णय शक्ति में वृद्धि

गुरुवार का व्रत – देवगुरु बृहस्पति एवं भगवान विष्णु

गुरुवार का व्रत बृहस्पति देव और विष्णु भगवान की साधना के लिए सर्वोत्तम है।

लाभ: सौभाग्य, सम्मान और सफलता
जीवन में स्थिरता और धन की वृद्धि
गुरु ग्रह मजबूत होता है
शुभ फल और गुडलक तेजी से कार्य करता है

शुक्रवार का व्रत - देवी दुर्गा और शुक्र ग्रह को प्रसन्न करने के लिए

शुक्रवार का व्रत देवी लक्ष्मी/दुर्गा तथा शुक्र ग्रह को समर्पित है।

लाभ: वैभव, ऐश्वर्य और समृद्धि
सुखी दांपत्य जीवन
इच्छाओं की पूर्ति
संतान से संबंधित सुख

शनिवार का व्रत - शनि देव की कृपा और सुरक्षा के लिए

शनिवार का व्रत शनि देव को प्रसन्न करने का श्रेष्ठ उपाय है।

लाभ: विपत्तियों और कष्टों से मुक्ति
नकारात्मक शक्तियों से संरक्षण
मशीन, लोहे और उद्योगों से जुड़े कार्य में सफलता
अनजाने शत्रुओं से सुरक्षा

सोमवार के दिन भूलकर भी न खरीदें ये पांच चीजें बढ़ सकता है मानसिक और पारिवारिक तनाव

सोमवार का दिन ज्योतिष और धार्मिक मान्यताओं में चंद्रमा से जुड़ा माना जाता है। चंद्रमा को मन, भावनाओं, माता, मानसिक संतुलन और जल तत्व का कारक कहा गया है।

ऐसी मान्यता है कि सोमवार के दिन कुछ विशेष वस्तुओं की खरीदारी करने से चंद्रमा की ऊर्जा असंतुलित हो सकती है, जिसका असर व्यक्ति की मानसिक शांति, पारिवारिक वातावरण और आर्थिक स्थिरता पर पड़ सकता है। इसी कारण शास्त्रों में सोमवार को कुछ चीजें घर लाने से परहेज करने की सलाह दी गई है। सोमवार को सोना, चांदी और सफेद वस्तुएं क्यों नहीं खरीदनी चाहिए।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार सोमवार के दिन चांदी, सफेद कपड़े, दूध से जुड़ी वस्तुएं या अन्य सफेद रंग की चीजें खरीदना शुभ नहीं माना जाता। कहा जाता है कि ये सभी वस्तुएं चंद्रमा से संबंधित होती हैं और इसी दिन इनकी खरीदारी करने से चंद्र ऊर्जा में असंतुलन उत्पन्न हो सकता है। इसका प्रभाव मन की बेचैनी, भावनात्मक अस्थिरता और पारिवारिक तनाव के रूप में देखा जा सकता है।

चावल और दूध से बनी चीजों की खरीद से जुड़ी मान्यता

सोमवार को चावल, दूध, दही या इनसे बनी खाद्य वस्तुएं बाहर से खरीदकर घर लाने को भी अशुभ माना जाता है। मान्यता है कि इससे मानसिक तनाव बढ़ सकता है और घर के वातावरण में असंतुलन आ सकता है। कुछ परंपराओं में इसे माता के स्वास्थ्य और पारिवारिक सामंजस्य से जोड़कर देखा जाता है।

चांदी के बर्तन और आभूषण से क्यों बचने की सलाह

चांदी को चंद्रमा की धातु माना जाता है। धार्मिक विश्वासों के अनुसार सोमवार के दिन चांदी के बर्तन, सिक्के या आभूषण खरीदने से मन की स्थिरता प्रभावित हो सकती है। ऐसा कहा जाता है कि इससे निर्णय लेने की क्षमता कमजोर हो सकती है और भावनात्मक दूरी बढ़ने की स्थिति बन सकती है।

सफेद फूल, कपड़े और मोती खरीदने की मान्यता

सोमवार को सफेद फूल, सफेद वस्त्र या मोती जैसी वस्तुएं खरीदने से भी परहेज करने की परंपरा है। मान्यता के अनुसार ये सभी वस्तुएं चंद्र तत्व से जुड़ी होती हैं और इसी दिन इनका क्रय करने से घर में मानसिक अशांति और भावनात्मक असंतुलन बढ़ सकता है।

मान्यताओं का उद्देश्य क्या है

इन मान्यताओं के पीछे मूल उद्देश्य यह माना जाता है कि व्यक्ति सोमवार के दिन भावनात्मक रूप से संतुलित रहे और अनावश्यक तनाव से बचे। धार्मिक और ज्योतिषीय परंपराओं में यह दिन शांति, संयम और मानसिक स्थिरता से जोड़ा जाता है, इसलिए खरीदारी को लेकर भी सावधानी बरतने की बात कही जाती है। यह ध्यान रखना जरूरी है कि ये बातें धार्मिक और पारंपरिक मान्यताओं पर आधारित हैं। व्यक्ति अपनी आस्था और विवेक के अनुसार इनका पालन करता है, लेकिन मान्यताओं के अनुसार सोमवार के दिन कुछ वस्तुओं से दूरी बनाकर मानसिक संतुलन और पारिवारिक शांति बनाए रखने की सलाह दी जाती है।

कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि, जानें शुभ मुहूर्त और राहुकाल

हिंदू पंचांग के अनुसार, 2 फरवरी से फाल्गुन मास शुरू हो रहा है। सोमवार को कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि पड़ रही है। इस दिन तिथि प्रतिपदा सुबह 1 बजकर 52 मिनट से मंगलवार तक रहेगी, जिसके बाद द्वितीया शुरू होगी। नक्षत्र अश्लेषा रात 10 बजकर 47 मिनट तक रहेगा और उसके बाद मघा नक्षत्र शुरू होगा। योग आयुष्मान सुबह 7 बजकर 21 मिनट तक रहेगा, फिर सौभाग्य योग 3 फरवरी सुबह 4 बजकर 46 मिनट तक चलेगा। करण बालव दोपहर 2 बजकर 41 मिनट तक रहेगा और उसके बाद कौलव शुरू होगा।

वहीं, सूर्योदय 7 बजकर 9 मिनट पर और सूर्यास्त शाम 6 बजकर 1 मिनट पर होगा। शुभ मुहूर्त की बात करें तो ब्रह्म मुहूर्त सुबह 5 बजकर 24 मिनट से 6 बजकर 16 मिनट तक, अभिजित मुहूर्त दोपहर 12 बजकर 13 मिनट से 12 बजकर 57 मिनट तक, विजय मुहूर्त दोपहर 2 बजकर 24 मिनट से 3 बजकर 7 मिनट तक, गोधूलि मुहूर्त शाम 5 बजकर 59 मिनट से 6 बजकर 25 मिनट तक और अमृत काल रात 9 बजकर 16 मिनट से 10 बजकर 47 मिनट तक रहेगा। ये समय पूजा-पाठ, नए कार्य शुरू करने या महत्वपूर्ण फैसले लेने के लिए उत्तम माने जाते हैं।

अशुभ समयों में राहुकाल सुबह 8 बजकर 30 मिनट से 9 बजकर 52 मिनट तक, यमगंड सुबह 11 बजकर 13 मिनट से दोपहर 12 बजकर 35 मिनट तक और गुलिक काल दोपहर 1 बजकर 56 मिनट से 3 बजकर 18 मिनट तक रहेगा।

इसके अलावा दुर्मुहूर्त दोपहर 12 बजकर 57 मिनट से 1 बजकर 40 मिनट और गण्ड मूल पूरे दिन रहेगा। इन अशुभ कालों में नए शुभ कार्य, यात्रा या महत्वपूर्ण शुरुआत से बचना चाहिए। 2 फरवरी को महादेव को समर्पित सोमवार पड़ रहा है, यह दिन भोलेनाथ की आराधना के लिए विशेष महत्व रखता है।

घर बनवाने से पहले वास्तु के इन नियमों का रखें ख्याल, धन धान्य की नहीं होगी कमी

वास्तुशास्त्र के अनुसार घर बनवाते समय रसोई, शौचालय, शयन कक्ष आदि की भूमि, दिशा और स्थान से जुड़े नियमों का ध्यान रखना आवश्यक होता है। अगर वास्तु अनुसार घर बना हो तो वहां हमेशा सुख-समृद्धि और शांति बनी रहती है। इसी प्रकार अगर घर बनवाने से पहले वास्तु की कुछ बातों का ध्यान रखा जाए तो इससे कभी भी घर में धन की कमी नहीं होती है। मान्यता है कि घर में वास्तु दोष होने से आर्थिक तंगी, जीवन में समस्याओं और स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में घर का निर्माण करने से पहले वास्तु के नियमों का ख्याल जरूर रखना चाहिए। ऐसा करने से जीवन में खुशहाली आती है और धन-धान्य में वृद्धि होती है। तो आइए विस्तार से जानें घर बनवाने के वास्तु नियम...

सही दिशा में रखें घर की नींव

मकान बनवाने से पहले भूमि पूजन और नींव रखने के लिए सही दिशा से इसकी शुरुआत होना आवश्यक होता है। वास्तुशास्त्र के अनुसार, नींव की खुदाई और भूमि पूजन ईशान कोण यानी उत्तर-पूर्व दिशा से ही कराना चाहिए। इसी दिशा को सबसे सकारात्मक और अच्छा माना जाता है। ईशान कोण सुख-समृद्धि की दिशा होती है। ऐसे में इसी दिशा से अपने मकान की नींव रखवानी चाहिए।

घर की नींव भरने से पहले ध्यान रखें ये बात

वास्तु के अनुसार अपने मकान की नींव में पहली ईंट यानी शिलान्यास हमेशा शुभ मुहूर्त और शुभ दिन पर ही कराना चाहिए। साथ ही इस बात का भी ध्यान रखें की जिस लग्न अथवा राशि में आप नींव रखें वह आठवीं नहीं होनी चाहिए। मान्यता है कि शुभ मुहूर्त में नींव रखने से घर बनने में कोई बाधा नहीं आती है। साथ ही, मकान समय पर बन सकता है।

मकान बनवाते समय न करें ये काम

अपना घर में ईंट, पत्थर, लकड़ी, लोहा आदि चीजें नई लगवानी चाहिए। कुछ जातक अपने मकान में पुरानी लकड़ी, लोहा आदि लगवा लेते हैं। इसे वास्तु अनुसार सही नहीं माना जाता है। मान्यता है कि ऐसा करने से संपत्ति का नाश हो सकता है। अगर आप पुराने मकान की चीजें नए मकान में लगाते हैं तो इससे वहां अशांति बनी रह सकती है।

नींव भरते समय करें यह एक उपाय

माना जाता है कि घर की नींव भरते समय उसमें शहद से भरा एक बर्तन रखना चाहिए। इस उपाय को करने से मकान बनवाते समय कोई बाधा या परेशानी सामने नहीं आती है। साथ ही, गृह निर्माण जल्दी पूरा होता है। ऐसा करने से घर में निवास करने वालों को सुख-शांति और समृद्धि की प्राप्ति हो सकती है। साथ ही, घर में धन-धान्य बना रहता है।

ऐसी स्थिति में चींटियों को खिलाएं आटा

अगर घर बनवाते समय वहां का भूमि से चीटियां बाहर निकलें तो उन्हें आटा या आटा और शक्कर मिलाकर खिलाना चाहिए। ऐसा करना शुभ माना जाता है। साथ ही, इस बात का भी ध्यान रखें की घर बनवाते समय एक किस्म की लकड़ी लगाना उत्तम होता है। दो अलग-अलग प्रकार की लकड़ी मध्य और इससे अधिक किस्म की लकड़ियों का प्रयोग करना ज्यादा अच्छा नहीं माना जाता है।

घर का निर्माण बीच में न रोकें

वास्तुशास्त्र के अनुसार, अगर घर का निर्माण एक बार शुरू हो जाए तो उसे बीच में नहीं रोकना चाहिए। ऐसा करने से उस पूरे स्थान पर राहु का वास हो सकता है। मान्यता है की बीच में लंबे समय तक कार्य रोकने से धन का नाश हो सकता है। ऐसे में एक बार में पूरा घर बनवाना सही माना जाता है।

संपादकीय

अति आशावाद से बचें

देश में आम बजट से पहले सामने आने वाले आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 में वैश्विक चुनौतियों का सामना करने के लिए भारतीय अर्थव्यवस्था को लचीला व गतिशील बनाने पर बल दिया गया है। यह सर्वेक्षण उन चुनौतियों की ओर भी इशारा करता है, जिनके लिए सावधानीपूर्वक नीतिगत निर्णय लेने की आवश्यकता है। दुनिया में सबसे तेज गति से बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में चालू वित्तीय वर्ष में भारत के सकल घरेलू उत्पाद दर यानी जीडीपी के 7.4 रहने का भरोसा जताया गया है। वहीं आर्थिक सर्वेक्षण वित्तीय वर्ष 2026-27 में विकास वृद्धि दर के 6.8 से 7.2 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है। इस अनुमान में सीमापरक तनाव, व्यापार में व्यवधान और वैश्विक बाजारों में अस्थिरता को भी ध्यान में रखा गया है। निश्चित रूप से यह सावधानीपूर्वक दर्शाया गया आशावादी दृष्टिकोण घरेलू मांग, उपभोग और निवेश की मजबूती को ही दर्शाता है। इसके बावजूद कि तमाम बाहरी जोखिम विद्यमान हैं, मसलन टैरिफ को लेकर आपूर्ति श्रृंखला में तनाव व देश की अपेक्षाओं का संतुलन बनाना शामिल है। यह सार्थक है कि सर्वेक्षण यथार्थवाद को नजरअंदाज नहीं करता है, जो यह भी दर्शाता है कि वैश्विक आर्थिक व्यवस्था पूंजी प्रवाह व मुद्रा की ताकत से ही सफलता सुनिश्चित नहीं होती। यह भी हकीकत है कि एआई जैसी नई तकनीकों से होने वाले लाभ असमानता को ही बढ़ावा देते हैं। लेकिन इसके लिये भी सहायक मानव संसाधन और विनियामक ढांचे की जरूरत होती है। खासकर भारत जैसे देश में जहां श्रम शक्ति का बाहुल्य है। ऐसे में जरूरत इस बात की है कि हम दुनिया में सबसे बड़ी युवा आबादी वाले देश होने का लाभ उठाएं। इसके लिये कौशल विकास को प्राथमिकता देने की सख्त जरूरत है, जिससे हम गुणवत्तापूर्ण स्वदेशी उत्पादों के जरिये विश्व में आर्थिक स्पर्धा का मुकाबला कर सकें। ये कदम हमारे निर्यात बढ़ाने में भी सहायक हो सकते हैं। कालांतर में ये हमारे व्यापार घाटे को कम करने में भी मददगार साबित हो सकता है। इसमें दो राय नहीं है कि हालिया आर्थिक सर्वेक्षण के जरिये एक महत्वाकांक्षी रोड मैप बनाने का प्रयास किया गया है।

सर्वेक्षण उन चुनौतियों की ओर भी इशारा करता है, जिनके लिए सावधानीपूर्वक नीतिगत निर्णय लेने की आवश्यकता है। दुनिया में सबसे तेज गति से बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में चालू वित्तीय वर्ष में भारत के सकल घरेलू उत्पाद दर यानी जीडीपी के 7 .4 रहने का भरोसा जताया गया है। वहीं आर्थिक सर्वेक्षण वित्तीय वर्ष 2026-27 में विकास वृद्धि दर के 6 .8 से 7 .2 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है। इस अनुमान में सीमापरक तनाव, व्यापार में व्यवधान और वैश्विक बाजारों में अस्थिरता को भी ध्यान में रखा गया है। निश्चित रूप से यह सावधानीपूर्वक दर्शाया गया आशावादी दृष्टिकोण घरेलू मांग, उपभोग और निवेश की मजबूती को ही दर्शाता है। इसके बावजूद कि तमाम बाहरी जोखिम विद्यमान हैं, मसलन टैरिफ को लेकर आपूर्ति श्रृंखला में तनाव व देश की अपेक्षाओं का संतुलन बनाना शामिल है। यह सार्थक है कि सर्वेक्षण यथार्थवाद को नजरअंदाज नहीं करता है, जो यह भी दर्शाता है कि वैश्विक आर्थिक व्यवस्था पूंजी प्रवाह व मुद्रा की ताकत से ही सफलता सुनिश्चित नहीं होती। यह भी हकीकत है कि एआई जैसी नई तकनीकों से होने वाले लाभ असमानता को ही बढ़ावा देते हैं। लेकिन इसके लिये भी सहायक मानव संसाधन और विनियामक ढांचे की जरूरत होती है। खासकर भारत जैसे देश में जहां श्रम शक्ति का बाहुल्य है। ऐसे में जरूरत इस बात की है कि हम दुनिया में सबसे बड़ी युवा आबादी वाले देश होने का लाभ उठाएं। इसके लिये कौशल विकास को प्राथमिकता देने की सख्त जरूरत है, जिससे हम गुणवत्तापूर्ण स्वदेशी उत्पादों के जरिये विश्व में आर्थिक स्पर्धा का मुकाबला कर सकें। ये कदम हमारे निर्यात बढ़ाने में भी सहायक हो सकते हैं। कालांतर में ये हमारे व्यापार घाटे को कम करने में भी मददगार साबित हो सकता है। इसमें दो राय नहीं है कि हालिया आर्थिक सर्वेक्षण के जरिये एक महत्वाकांक्षी रोड मैप बनाने का प्रयास किया गया है।

जीवन को बदलने में कितना मददगार होगा। एआई और तकनीक क्रांति के दौर में भारतीय विपुल श्रम शक्ति का बेहतर उपयोग कैसे हो सकता है। भारत दुनिया में सबसे युवा श्रम शक्ति वाला देश है तो क्या हम उनकी योग्यता व क्षमता के अनुरूप रोजगार देने में सक्षम होंगे, ताकि वे विकसित भारत के संकल्प में अपना योगदान दे सकें। जरूरत इस बात की है कि देश में बेरोजगारी की दर कम हो और युवाओं के विदेश पलायन की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने के लिये पहल की जाए। वहीं दूसरी ओर फिसलन वाली जमीन पर चलते हुए सर्वेक्षण में दो दशक पुराने सूचना के अधिकार अधिनियम के प्रावधानों में बदलाव की मंशा जतायी गई है। निस्संदेह, ऐसे किसी बदलाव का आधार तार्किक होना चाहिए।

अमेरिकी नागरिक पिछले 5 वर्षों की तुलना में आज खाद्य सामग्री पर 30 प्रतिशत अधिक खर्च कर रहे

टैरिफ के बावजूद आर्थिक क्षेत्र में अमेरिका से आगे निकलता शेष विश्व

प्रहलाद सबनानी

डॉनल्ड ट्रम्प अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति बनाए गए थे। वर्ष 2024 में ट्रम्प ने अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव "Make America Great Again" अर्थात "अमेरिका को पुनः महान बनाएं", नारे के साथ जीता था। वर्ष 2025 का पूरा वर्ष भर पूरे विश्व ने ट्रम्प को अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में कार्य करते हुए देखा। लगभग पूरा 2025 का वर्ष ट्रम्प ने विभिन्न देशों से अमेरिका को होने वाले उत्पादों के आयात पर टैरिफ लगाते हुए बिताया और मित्र देशों सहित कई देशों से अमेरिका को होने वाले निर्यात पर भारी भरकम टैरिफ लगाए। ट्रम्प का सोचना था कि टैरिफ को बढ़ाकर वे अन्य देशों से अमेरिका को होने वाले निर्यात को कम करेंगे और इससे अमेरिका में ही इन उत्पादों का उत्पादन प्रारम्भ हो जाएगा। ट्रम्प का संभवतः यह सोचना था कि उनका यह प्रयास अमेरिका को महान बनाते हुए शेष विश्व को विपरीत रूप से प्रभावित करेगा। परंतु, वर्ष 2025 में अमेरिका एवं शेष विश्व के आर्थिक क्षेत्र के आंकडें देखने पर ध्यान में आता है कि अमेरिका के मित्र राष्ट्रों सहित विभिन्न देशों से अमेरिका को होने वाले निर्यात पर लगाए गए टैरिफ का असर अन्य देशों की अर्थव्यवस्थाओं पर लगभग नहीं के बराबर पड़ा है। बल्कि, इसका खामियाजा अमेरिका के नागरिकों को भुगतना पड़ा है। अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ से अमेरिका में उत्पादों की कीमतों में बेतहाशा बृद्धि दर्ज हुई है, इससे मुद्रा स्फीति में वृद्धि तेज हुई है एवं अमेरिकी नागरिकों को विभिन्न उत्पादों को बढ़ी हुई कीमतों दरों पर खरीदना पड़ रहा है। अमेरिकी नागरिक पिछले 5 वर्षों की तुलना में आज खाद्य सामग्री पर 30 प्रतिशत अधिक खर्च कर रहे हैं। अमेरिका में उपभोक्ता वस्तुओं की कीमतें 22 प्रतिशत से बढ़ चुकी हैं। खाद्य पदार्थों एवं मकान की कीमतों में 30 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई हैं। अमेरिका में मुद्रा स्फीति की दर भी 3 से 4 प्रतिशत के बीच बनी हुई है, जो पिछले कई वर्षों की तुलना में बहुत अधिक है। अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ से परेशान हो रहा है अमेरिकी नागरिक, न कि अन्य कोई देश। श्री रुचिर शर्मा, भारतीय मूल के अमेरिकी लेखक एवं फायनैन्शल टाइम्स के स्तम्भ लेखक, ने अपने एक साक्षात्कार में कई आंकडें दिए हैं, जिनका प्रयोग इस लेख को तैयार करने में किया गया है। अमेरिका द्वारा विभिन्न देशों से अमेरिका को होने वाले आयात पर लगाए गए टैरिफ के पश्चात अमेरिका के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर कम होती हुई दिखाई दे रही है। वर्ष 2024 में अमेरिका में सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर 2.8 प्रतिशत की रही थी जो वर्ष 2025 में घटकर 2.1 प्रतिशत हो गई। जबकि वैश्विक स्तर पर सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर दोनों वर्षों, 2024 एवं 2025, में 2.8 प्रतिशत बनी रही है। वर्ष 2025 में वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में किसी प्रकार की कमी दृष्टिगोचर नहीं हुई है। भारत में सकल घरेलू उत्पाद में वर्ष 2024 में वृद्धि दर, 6.5 प्रतिशत की रही थी, जो वर्ष वर्ष 2025 में बढ़कर 7.2 प्रतिशत की हो गई। वर्ष 2024 में उभरती अर्थव्यवस्थाओं में से 52 प्रतिशत देशों की प्रति व्यक्ति सकल उत्पाद में वृद्धि दर अमेरिका की तुलना में अधिक रही थी जबकि वर्ष 2025 में 76 प्रतिशत देशों की प्रति व्यक्ति सकल उत्पाद में वृद्धि दर अमेरिका की तुलना में अधिक रही है। वर्ष 2025 में उभरती अर्थव्यवस्थाओं में आर्थिक विकास दर तेज गति बढ़ती हुई पाई गई है। इस प्रकार, अमेरिका द्वारा विभिन्न देशों से अमेरिका को होने वाले निर्यात पर लगाए गए टैरिफ के बावजूद शेष विश्व में सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर अमेरिका से अधिक रही है। इस प्रकार अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ का प्रभाव अन्य देशों के विकास पर विपरीत रूप से नहीं पड़ा है। अमेरिका के पूंजी (शेयर) बाजार में भी वर्ष 2025 में निवेशकों को अपने निवेश पर कम आय प्राप्त हुई है। अमेरिका में निवेशकों द्वारा पूंजी (शेयर) बाजार में किए गए निवेश पर 18 प्रतिशत की आय का अर्जन हुआ है। जबकि, यूरोप में निवेशकों को 35 प्रतिशत, उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं में निवेशकों को 34 प्रतिशत, अमेरिका को छोड़कर शेष विश्व में निवेशकों को 32 प्रतिशत एवं चीन में निवेशकों को 31 प्रतिशत की आय अर्जित हुई है। इस प्रकार, अमेरिका की तुलना में अन्य देशों में पूंजी (शेयर) बाजार में निवेशकों को लगभग दुगनी आय अर्जित हुई है। अमेरिकी नागरिकों का पूंजी (शेयर) बाजार में निवेश तुलनात्मक रूप से अधिक है। अमेरिकी नागरिकों का जायदाद में निवेश 30 प्रतिशत है जबकि शेयर बाजार में 32 प्रतिशत निवेश है। चीन के नागरिकों का जायदाद में निवेश 55 प्रतिशत एवं शेयर बाजार में निवेश केवल 11 प्रतिशत है। इसी प्रकार, यूरोप के नागरिकों का निवेश क्रमशः 57 प्रतिशत एवं 16 प्रतिशत है। भारतीय नागरिकों के निवेश क्रमशः 50 प्रतिशत एवं 7 प्रतिशत है। अमेरिका द्वारा अन्य देशों से अमेरिका में होने वाले आयात पर लगाए गए टैरिफ के चलते अमेरिका का राजकोषीय घाटा वर्ष 2024 के सकल घरेलू उत्पाद के 6.9 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2025 में 6 प्रतिशत हो गया है। एक रीसर्च प्रतिवेदन में यह तथ्य उभरकर भी सामने आया है कि टैरिफ के कारण अमेरिका में उत्पादों की कीमतों में वृद्धि हुई है एवं टैरिफ का लगभग 96 प्रतिशत भाग अमेरिकी नागरिकों द्वारा वहन किया गया है। इसके कारण अन्य देशों से अमेरिका को निर्यात कम नहीं हुए हैं। यूरोप का राजकोषीय घाटा वर्ष 2024 के 3.1 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2025 में 3.2 प्रतिशत हो गया है। उभर रही अर्थव्यवस्थाओं का राजकोषीय घाटा वर्ष 2024 के 4.6 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2025 में 4.8 प्रतिशत हो गया है। पूर्व में विभिन्न देशों का राजकोषीय घाटा लगभग 3 प्रतिशत तक रहता आया है जबकि वर्तमान परिस्थितियों के मध्य, विभिन्न देशों का राजकोषीय घाटा बढ़ते हुए 6 प्रतिशत के स्तर तक रहने लगा है। यह स्थिति वित्तीय क्षेत्र के लिए अच्छा संकेत नहीं है। वर्ष 2025 में विदेशी व्यापार में वृद्धि दर भी अमेरिका की तुलना में अन्य देशों में अधिक रही है। अमेरिका को छोड़कर शेष विश्व के निर्यात में वर्ष 2019 से 2024 के दौरान औसत 5 प्रतिशत की वृद्धि रही थी जो वर्ष 2025 में बढ़कर 6.4 प्रतिशत की हो गई है। जबकि अमेरिका से निर्यात में वृद्धि दर इसी अवधि के दौरान 4.6 प्रतिशत से गिरकर 4.1 प्रतिशत रह गई है। टैरिफ का अमेरिका से अन्य देशों को होने वाले निर्यात पर विपरीत प्रभाव पड़ा है जबकि अन्य देशों ने आपस में नए बाजारों की तलाश करते हुए अपने विदेशी व्यापार, विशेष रूप से निर्यात, में वृद्धि दर्ज की है। कई देशों ने आपस में मुक्त व्यापार समझौते सम्पन्न किए हैं, इससे भी विभिन्न देशों के बीच विदेशी व्यापार में वृद्धि दर्ज हुई है। अमेरिका से अन्य देशों को निर्यात के कम होने के चलते अमेरिका में चालू व्यापार खाता घाटा 1.3 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है। अमेरिका में आज भी उत्पादन की तुलना में उपभोग बहुत अधिक मात्रा में हो रहा है। अमेरिका की टैरिफ नीति के चलते अमेरिका पुनः महान (MAGA) बनता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है। परंतु, विश्व के अन्य कई देश जरूर महान बनते हुए दिखाई दे रहे हैं। अतः टैरिफ का असर अमेरिकी अर्थव्यवस्था को विपरीत रूप से प्रभवित करता हुआ दिखाई दे रहा है, जबकि विश्व में अन्य देशों की अर्थव्यवस्थाओं के लिए लाभकारी सिद्ध हो रहा है। इस प्रकार, ट्रम्प इस धरा को महान बनाने (Make Earth Great Again - MEGA) में अपना योगदान करते हुए दिखाई दे रहे हैं। वैश्विक स्तर पर विपरीत परिस्थितियों के बीच भी भारतीय अर्थव्यवस्था तेज गति से आगे बढ़ती हुई दिखाई दे रही है। भारत का राजकोषीय घाटा प्रति वर्ष लगातार कम हो रहा है। यह वर्ष 2024 में 5.5 प्रतिशत था, जो वर्ष 2025 में 4.8 प्रतिशत हो गया एवं अब वर्ष 2026 में घटकर 4.4 प्रतिशत रहने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। भारत को यदि विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यस्था बनाना है तो हमें भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 12 से 14 प्रतिशत वृद्धि के स्तर को प्राप्त करना होगा, जैसा कि चीन ने लम्बे समय तक अपनी अर्थव्यवस्था को इस दर पर आगे बढ़ाने में सफलता अर्जित की थी। सकल घरेलू उत्पाद में यह महत्वाकांक्षी वृद्धि दर हासिल करना कोई असम्भव कार्य नहीं है।

वर्ष 2025 का पूरा वर्ष भर पूरे विश्व ने ट्रम्प को अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में कार्य करते हुए देखा। लगभग पूरा 2025 का वर्ष ट्रम्प ने विभिन्न देशों से अमेरिका को होने वाले उत्पादों के आयात पर टैरिफ लगाते हुए बिताया और मित्र देशों सहित कई देशों से अमेरिका को होने वाले निर्यात पर भारी भरकम टैरिफ लगाए। ट्रम्प का सोचना था कि टैरिफ को बढ़ाकर वे अन्य देशों से अमेरिका को होने वाले निर्यात को कम करेंगे और इससे अमेरिका में ही इन उत्पादों का उत्पादन प्रारम्भ हो जाएगा। ट्रम्प का संभवत : यह सोचना था कि उनका यह प्रयास अमेरिका को महान बनाते हुए शेष विश्व को विपरीत रूप से प्रभावित करेगा। परंतु, वर्ष 2025 में अमेरिका एवं शेष विश्व के आर्थिक क्षेत्र के आंकडें देखने पर ध्यान में आता है कि अमेरिका के मित्र राष्ट्रों सहित विभिन्न देशों से अमेरिका को होने वाले निर्यात पर लगाए गए टैरिफ का असर अन्य देशों की अर्थव्यवस्थाओं पर लगभग नहीं के बराबर पड़ा है।

देश दुनिया से

शिक्षा में समता या नई असमानता: यूजीसी नियमों पर न्यायिक विराम

नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के माध्यम से उच्च शिक्षण संस्थानों में समानता के नाम पर लागू किए गए नए नियमों ने देश के शैक्षिक और सामाजिक परिदृश्य में एक बार फिर गहरी हलचल पैदा कर दी है। जिस नीति को 'समता', 'समान अवसर' और 'समावेशी शिक्षा' की भावना से जोड़कर प्रस्तुत किया गया, वह व्यवहार में आते ही एक वर्ग विशेष के तीव्र विरोध, व्यापक असंतोष और सामाजिक तनाव का कारण बन गई। स्थिति इतनी विकट हुई कि सुप्रीम कोर्ट को हस्तक्षेप कर इन नियमों पर अंतरिम रोक लगानी पड़ी। यह रोक न केवल सरकार की नीति-निर्माण प्रक्रिया पर एक प्रश्नचिह्न है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि शिक्षा जैसे संवेदनशील क्षेत्र में किसी भी प्रकार का अतिशयोक्तिपूर्ण और असंतुलित प्रयोग देश को किस दिशा में ले जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट का यह हस्तक्षेप किसी नीति के समर्थन या विरोध का सीधा निर्णय नहीं है, बल्कि यह एक संवैधानिक चेतावनी है कि समानता के नाम पर लागू किए गए नियम यदि अस्पष्ट हों, दुरुपयोग की संभावना रखते हों और सामाजिक सौहार्द को बाधित करते हों, तो वे न्यायिक समीक्षा से परे नहीं रह सकते। अदालत ने प्रथम दृष्टया यह माना कि यूजीसी के नए नियमों में स्पष्टता का अभाव है और यही अस्पष्टता उन्हें विवादास्पद बनाती है। यह रोक सरकार को आत्ममंथन का अवसर देती हैकृएक ऐसा अवसर जिसे राजनीतिक टकराव के बजाय सुधार के रूप में देखा जाना चाहिए। प्रश्न यह है कि जो सरकार बार-बार 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' की बात करती रही है, वह शिक्षा संस्थानों जैसे विचार-निर्माण के केंद्रों में ऐसे नियम क्यों लाई, जिनसे जातिगत पहचान और वर्गीय विभाजन की रेखाएँ और गहरी होने की आशंका पैदा हो गई। भारत का सामाजिक इतिहास इस तथ्य का साक्षी है कि जाति के नाम पर की गई किसी भी नीति ने, चाहे उसका उद्देश्य कितना ही कल्याणकारी क्यों न रहा हो, समाज को भीतर ही भीतर विभाजित किया है। आरक्षण जैसी संवैधानिक व्यवस्था सामाजिक न्याय के लिए लाई गई थी, लेकिन इसके लंबे प्रयोग ने देश को ऐसे घाव भी दिए हैं, जिनका उपचार आज तक पूर्ण रूप से नहीं हो सका। ऐसे में शिक्षा के क्षेत्र में जातिगत आधार को और उभारने वाली किसी भी पहल को लेकर स्वाभाविक रूप से आशंका उत्पन्न होती है। शिक्षा संस्थान केवल डिग्री बांटने की फैक्ट्रियां नहीं होते; वे समाज की दिशा तय करने वाली प्रयोगशालाएं होते हैं। यहां तैयार होने वाला छात्र केवल नौकरीपेशा व्यक्ति नहीं, बल्कि भविष्य का नागरिक होता है। यदि यही परिसर अविश्वास, वर्ग-संघर्ष और परस्पर शंका के केंद्र बन जाएं, तो इसका प्रभाव केवल शिक्षा तक सीमित नहीं रहता, बल्कि वह सामाजिक ताने-बाने को भी कमजोर करता है। यूजीसी के नए नियमों को लेकर उठा विरोध इसी आशंका का प्रकटीकरण है। यह भी विचारणीय है कि समानता और समता के बीच का अंतर नीति-निर्माण में किस हद तक समझा गया। समानता का अर्थ है सबके साथ एक जैसा व्यवहार, जबकि समता का अर्थ है परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए संतुलित अवसर देना। यदि समता के नाम पर ऐसे प्रावधान किए जाएं जो एक नए प्रकार की असमानता को जन्म दें, तो वह नीति अपने उद्देश्य से भटक जाती है। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी इसी बिंदु की ओर संकेत करती है कि नियमों का उद्देश्य भले ही सकारात्मक रहा हो, लेकिन उनकी संरचना और भाषा ने विवाद और भ्रम को जन्म दिया। यह भी दुर्भाग्यपूर्ण है कि इस पूरे मामले में राजनीतिक रंग तेजी से हावी होता गया। पक्ष और विपक्ष दोनों ने इसे अपने-अपने हितों के चश्मे से देखना शुरू कर दिया, वोट बैंक की राजनीति से इसे देखा जाने लगा जबकि यह विषय मूलतः शिक्षा सुधार और सामाजिक संतुलन से जुड़ा था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं कई अवसरों पर यह कहते रहे हैं कि शिक्षा को राजनीति से मुक्त रखा जाना चाहिए और नीतियां दीर्घकालिक राष्ट्रीय हित को ध्यान में रखकर बननी चाहिए। फिर यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि यूजीसी द्वारा बनाए गए इन नियमों में उस दूरदर्शिता और संतुलन का अभाव क्यों दिखा? लगता है कि यूजीसी ने जल्दबाजी में बिना सोचे समझे इसे लागू कर दिया,यदि यूजीसी ने व्यापक संवाद, सभी पक्षों से परामर्श और संभावित दुरुपयोग की आशंकाओं का पूर्व आकलन किया होता, तो शायद यह स्थिति उत्पन्न ही नहीं होती। नीति बनाते समय केवल कानूनी वैधता पर्याप्त नहीं होती; सामाजिक स्वीकार्यता और नैतिक संतुलन भी उतने ही आवश्यक होते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने भी अपने आदेश के माध्यम से यही संकेत दिया है कि शिक्षा जैसे संवेदनशील क्षेत्र में किसी भी बदलाव से पहले उसके दूरगामी प्रभावों पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। नए नियमों की सबसे बड़ी कमजोरी एवं त्रासदी यही रही कि वे आरक्षित और सामान्य वर्गों को एक-दूसरे के सामने खड़ा करके विद्रोह एवं विरोध में खड़ा कर दिया। यह विभाजनकारी प्रवृत्ति न केवल शिक्षा के वातावरण को दूषित करती है, बल्कि उस राष्ट्रीय एकता की अवधारणा को भी कमजोर करती है, जिसकी बात हम संविधान में करते हैं। किसी भी नीति का मूल्यांकन इस आधार पर होना चाहिए कि वह समाज को जोड़ती है या तोड़ती है। यदि वह अविश्वास और टकराव को बढ़ावा देती है, तो उस पर पुनर्विचार अनिवार्य हो जाता है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा लगाई गई रोक को किसी की हार या जीत के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। यह एक सुधार का अवसर है-सरकार, यूजीसी और समूचे शैक्षिक तंत्र के लिए। यह समय है कि भावनाओं और राजनीतिक आग्रहों से ऊपर उठकर एक ऐसी नीति बनाई जाए, जो वास्तव में समान अवसर सुनिश्चित करे, लेकिन बिना किसी नए विभाजन को जन्म दिए। शिक्षा में सुधार का अर्थ समाज को आगे ले जाना है, न कि पुराने घावों को फिर से कुरेदना। देश को ऐसी शिक्षा नीति की आवश्यकता है जो प्रतिभा को जाति से ऊपर रखे, अवसर को पहचान से मुक्त करे और परिसरों को संघर्ष का नहीं, संवाद का केंद्र बनाए। सुप्रीम कोर्ट की यह रोक उसी दिशा में एक संकेत है। अब यह सरकार और यूजीसी की जिम्मेदारी है कि वे इस संकेत को समझें, आत्मावलोकन करें और ऐसे नियम गढ़ें जो वास्तव में भारत की समावेशी, संतुलित और भविष्यद्रष्टा संरचना के अनुरूप हों। यदि इस अवसर को भी राजनीतिक स्वार्थ की भेंट चढ़ा दिया गया, तो यह केवल एक नीति की विफलता नहीं होगी, बल्कि उस विश्वास की भी हार होगी, जो जनता ने शिक्षा सुधारों से जोड़ रखा है।

आप का नज़रिया

परिपक्व उम्र में ही हो सोशल मीडिया तक पहुंच

बच्चों व किशोरों की सोशल मीडिया पर बढ़ती अति-सक्रियता अभिभावकों ही नहीं, देश के लिये भी एक गंभीर चिंता का विषय है। छात्रों का पढ़ाई से भटकाव व एकाग्रता में गिरावट समय की बड़ी फिक्र है। इसी बीच इकोनॉमिक सर्वे में सोशल मीडिया तक उम्र के हिसाब से पहुंच का सुझाव एक स्वागत योग्य कदम है। सालों से, डिजिटल विस्तार को एक बिना शर्त अच्छे बदलाव के रूप में देखा जाता रहा है। कहा जाता रहा है कि सोशल मीडिया तक पहुंच को लोकतांत्रिक बनाने, डिजिटल लिटरेसी की खामियों को दूर करने और शिक्षा को आधुनिक बनाने में डिजिटल क्रांति सहायक है। निश्चित रूप से आर्थिक सर्वे में इस बाबत उल्लेख एक असहज करने वाली सच्चाई को संतुलित करने का प्रयास करता है। यह स्वीकार किया जा रहा है कि बिना रोक-टोक के डिजिटल एक्सपोजर तेजी से एक सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंता बनता जा रहा है। सही मायनों में डिजिटल लत को मानसिक स्वास्थ्य, शैक्षणिक प्रदर्शन और उत्पादकता को प्रभावित करने वाली समस्या के रूप मे पहचानते हुए, सर्वे इस बहस को तथ्यों पर आधारित नीति बनाने की जरूरत बताता है। इसकी सिफारिश है कि उम्र के हिसाब से एक्सेस की सीमाएं तय करने, उम्र की वेरिफिकेशन के लिये प्लेटफॉर्मों की जवाबदेही निर्धारित करने, बच्चों के लिये सरल डिवाइस बनाने और ऑनलाइन कक्षाओं पर निर्भरता कम करने की आवश्यकता है। सही मायनों में इस मुद्दे पर वैश्विक सहमति का ही अनुसरण किया जा रहा है। वास्तव में बच्चों को सम्मोहित करने वाले डिजिटल डिजाइनों से उन्हें सुरक्षा उपलब्ध कराने की भी जरूरत है। जो कोमल मन-मस्तिष्क वाले बच्चों पर खासा नकारात्मक प्रभाव डालते हैं। निश्चित रूप से डिजिटल लत के शिकार होते बच्चों व किशोरों के, शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य के मद्देनजर राष्ट्रीय स्तर पर नीति-निर्धारण समय की मांग है। इसके अलावा इस बाबत सामूहिक जिम्मेदारी पर जोर देना भी उतना ही जरूरी है। तभी इस संकट का आशाजनक समाधान तलाशना संभव हो सकेगा। वहीं दूसरी ओर, इस संकट से उबरने के लिये प्लेटफॉर्म लेवल सेफ्टी और फैमिली डेटा प्लान की भी मांग की जा रही है। जो पढ़ाई की जरूरत और मनोरंजन के लिये डिजिटल प्लेटफॉर्म के लिए इस्तेमाल का फर्क कर सके। इसके साथ ही हालिया आर्थिक सर्वे में इस बात को स्वीकार किया गया है कि माता-पिता पहले से ही यह जानते हैं कि व्यक्तिगत कंट्रोल बड़े पैमाने से इस समस्या का समुचित हल नहीं निकाल सकता है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हुए प्रयास इस तथ्य की पुष्टि करते हैं। यही वजह है कि आस्ट्रेलिया व फ्रांस जैसे विकसित देशों में सरकारों को इस दिशा में सख्त पहल करनी पड़ी। एक ओर जहां आस्ट्रेलिया ने सोलह साल से कम उम्र वाले बच्चों की सोशल मीडिया तक पहुंच पर रोक लगायी है, वहीं फ्रांस ने पंद्रह साल से कम उम्र वाले बच्चों की सोशल मीडिया तक सीधी पहुंच को रोकने को कदम उठाये हैं। कुछ अन्य देशों में भी सरकारें तेजी से सख्त सीमाएं तय करने की दिशा में काम कर रही हैं। आज जहां भारत में स्मार्टफोन के इस्तेमाल की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है। वैसे भारत जैसे देश जहां युवाओं की आबादी बहुत ज्यादा है, वहां डिजिटल क्रांति से पूरी तरह अलग भी नहीं रहा जा सकता। ऐसे में एक नियम से ही सबको नियंत्रित करना संभव नहीं होगा। इसके बावजूद हमें स्वीकारना होगा कि विदेशी प्लेटफॉर्मों से प्रसारित अपसंस्कृति भारतीय किशोरों को पथभ्रष्ट करने में घातक भूमिका निभा रही है। जिससे देश में किशोरों की यौन अपराधों में संलिप्तता का खतरा बढ़ रहा है। ये अपसंस्कृति न केवल समय से पहले बच्चों को वयस्क बना रही है, बल्कि उनमें मानवीय संवेदनाओं का भी क्षरण कर रही है। जो किसी भी सभ्य समाज के लिये एक गंभीर चुनौती है। खासकर भारत जैसे देश में जहां सांस्कृतिक मूल्यों व संबंधों में शुचिता को हमेशा प्राथमिकता दी जाती रही है। इस बाबत सरकार की सख्त पहल और अभिभावकों की सजगता मिलकर ही समस्या का समाधान निकाल सकती है।

छात्रों का पढ़ाई से भटकाव व एकाग्रता में गिरावट समय की बड़ी फिक्र है। इसी बीच इकोनॉमिक सर्वे में सोशल मीडिया तक उम्र के हिसाब से पहुंच का सुझाव एक स्वागत योग्य कदम है। सालों से, डिजिटल विस्तार को एक बिना शर्त अच्छे बदलाव के रूप में देखा जाता रहा है। कहा जाता रहा है कि सोशल मीडिया तक पहुंच को लोकतांत्रिक बनाने, डिजिटल लिटरेसी की खामियों को दूर करने और शिक्षा को आधुनिक बनाने में डिजिटल क्रांति सहायक है। निश्चित रूप से आर्थिक सर्वे में इस बाबत उल्लेख एक असहज करने वाली सच्चाई को संतुलित करने का प्रयास करता है। यह स्वीकार किया जा रहा है कि बिना रोक-टोक के डिजिटल एक्सपोजर तेजी से एक सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंता बनता जा रहा है। सही मायनों में डिजिटल लत को मानसिक स्वास्थ्य, शैक्षणिक प्रदर्शन और उत्पादकता को प्रभावित करने वाली समस्या के रूप मे पहचानते हुए, सर्वे इस बहस को तथ्यों पर आधारित नीति बनाने की जरूरत बताता है। इसकी सिफारिश है कि उम्र के हिसाब से एक्सेस की सीमाएं तय करने, उम्र की वेरिफिकेशन के लिये प्लेटफॉर्मों की जवाबदेही निर्धारित करने, बच्चों के लिये सरल डिवाइस बनाने और ऑनलाइन कक्षाओं पर निर्भरता कम करने की आवश्यकता है। सही मायनों में इस मुद्दे पर वैश्विक सहमति का ही अनुसरण किया जा रहा है। वास्तव में बच्चों को सम्मोहित करने वाले डिजिटल डिजाइनों से उन्हें सुरक्षा उपलब्ध कराने की भी जरूरत है।

कुछ अलग

प्रकृति की प्रबलता

धर्मयात्रा पर चलते-चलते महात्मा बुद्ध ने जब थकान महसूस की, तो सुस्ताने के लिए एक वृक्ष के नीचे छाया में विश्राम करने लगे। उन्होंने अपने प्रिय शिष्य आनन्द से कहा, 'प्यास लगी है तुम निकट के झरने से पानी ले आओ।' आनन्द जब झरने के तल पर पानी लेने गया तो कुछ देर पहले एक बैलगाड़ी के गुजरने से पानी गंदला हो गया। फिर आनन्द स्वच्छ जल की तलाश में अन्यत्र जाने लगा। तब महात्मा बुद्ध ने कहा, 'आनन्द धीरज रखो, इसी झरने से पानी ले आना।' फिर कुछ समय बाद आनन्द उसी झरने पर पानी लेने गया तो उसने देखा कि गंदला पानी बह चुका था। उसने प्रसन्न होकर कमंडल में जल भरा और ले आया।

दृष्टि कोण

श्रमिक-किसान कल्याण हो जीडीपी का पैमाना

भारत के नीति-निर्माता दुविधा में हैं। उनका कहना है कि कृषि क्षेत्र में जरूरत से बहुत ज़्यादा लोग काम कर रहे हैं। उनके अनुसार, भारत के कृषि क्षेत्र की उत्पादकता, जिसको इसमें कार्यरत लोगों की संख्या के हिसाब से मापा जाता है, वह बहुत कम है। उनका मानना है कि ज़्यादा से ज़्यादा लोगों को ग्रामीण इलाकों एवं खेतों से और लघु, 'अनौपचारिक' कारखानों और सेवा उद्यमों से भी निकालकर शहरों में लाया जाए ताकि उन्हें बड़े, 'औपचारिक' कारखानों एवं सेवा उद्यमों में काम पर लगाया जा सके। समस्या यह है कि बड़े औपचारिक उद्यम पर्याप्त सुरक्षित नौकरियां और अच्छा वेतन नहीं दे रहे हैं। वे ज़्यादा लोगों को काम पर रखने, उन्हें अधिक तनख्वाह और सामाजिक सुरक्षा देने को तैयार नहीं है

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आपका ऊर्जा-स्तर ऊँचा रहेगा। लम्बे समय से अटके मुआवज़े और कर्ज़ आदि आख़िरकार आपको मिल जाएंगे। परिवार में नए सदस्य के आने की ख़बर आपको रोमांचित कर देगी। समारोह आयोजित कर इस ख़ुशी को सबके साथ बाटें। आज अपने प्रिय को माफ़ करना न भूलें। कुछ लोगों को व्यापारिक और शैक्षिक लाभ मिलेगा। आज कुछ ऐसा दिन है जब चीजें उस तरह नहीं होंगी, जैसी आप चाहते हैं। अपने जीवनसाथी की नुक़्ताचीनी से आप आज परेशान हो सकते हैं, लेकिन वह आपके लिए कुछ बढ़िया भी करने वाला है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अगर आपका धन से जुड़ा कोई मामला कोर्ट-कचहरी में अटका था तो आज उसमें आपको विजय मिल सकती है और आपको धन लाभ हो सकता है। परिवार के सदस्यों की मदद करने के लिए अपने खाली समय का सदुपयोग करें। ज़रा संभल कर, क्योंकि आपका प्रिय रूमानी तौर पर आपको मक्खन लगा सकता है – मैं तुम्हारे बग़ैर इस दुनिया में नहीं रह सकता/सकती। करिअर के नज़रिए से शुरू किया सफ़र कारगर रहेगा। लेकिन ऐसा करने से पहले अपने माता-पिता से इजाज़ता ज़रूर ले लें, नहीं तो बाद में वे आपत्ति कर सकते हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आपका गर्मजोशी भरा बर्ताव घर का माहौल ख़ुशनुमा कर देगा। कुछ ही लोग ऐसे इंसान के आकर्षण से बच सकते हैं, जिसके पास इतनी प्यारी मुस्कान हो। जब आप लोगों के साथ होंगे, तो आपकी महक फूलों की तरह चारों ओर फैलेगी। आज आपको अपने प्रिय की याद सताएगी। ऐसे लोगों से साथ जुड़ें जो स्थापित हैं और भविष्य के रुझानों को समझने में आपकी मदद कर सकते हैं। जिन रिश्तों को आप अहमियत देते हैं उन्हें समय देना भी आपको सीखना होगा नहीं तो रिश्ते टूट सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आप जीवन में पैसे की अहमियत को नहीं समझते लेकिन आज आपको पैसे की अहमियत समझ में आ सकती है क्योंकि आज आपको पैसे की बहुत आवश्यकता होगी लेकिन आपके पास पर्याप्त धन नहीं होगा। आपको ऐसी गतिविधियों में संलग्न होने की ज़रूरत है, जहाँ आपको अपने समान रुचियों के लोगों से मिलने का मौक़ा मिले। ख़ुशी के लिए नए संबंध की प्रतीक्षा करें। दिन की शुरुआत से अन्त तक आप ख़ुद को ऊर्जा से लबरेज़ महसूस करेंगे। उन लोगों से मेलजोल बढ़ाने से बचें जिनके साथ आपका वक्त ख़राब होता है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों को तरजीह दें। उनके सुख-दुःख के भागीदार बनें, ताकि उन्हें महसूस हो कि आप वाक़ई उनका ख़याल रखते हैं। प्यार का भरपूर लुत्फ़ मिल सकता है। आप अपने मातहतों से नाख़ुश हो सकते हैं, क्योंकि वे उम्मीद के मुताबिक़ काम नहीं कर रहे हैं। आपके हँसने-हँसाने का अन्दाज़ आपकी सबसे बड़ी पूंजी साबित होगा। यह दिन आपके सामान्य वैवाहिक जीवन से कुछ हटकर होने वाला है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अच्छी सेहत के चलते आप किसी खेल-कूद की प्रतिस्पर्धा में भाग ले सकते हैं। एक ख़ुशनुमा और बढ़िया शाम के लिए आपका घर मेहमानों से भर सकता है। अगर आप अपने प्रेमी के साथ कहीं बाहर घूमने जा रहे हैं तो कपड़े सोच-समझकर पहनें। अगर आप ऐसा नहीं करते तो आपका प्रेमी आपसे नाराज़ हो सकता है। अगर आप अपना नज़रिया आस-पास के ऐसे लोगों को बताएँ जो महत्वपूर्ण निर्णय लेते हों, तो आपको लाभ होगा। साथ ही आपको काम के प्रति अपने समर्पण और निष्ठा के लिए शाबाशी भी मिलने की संभावना है। आज लोग आपकी वह प्रशंसा करेंगे, जिसे आप हमेशा से सुनना चाहते थे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आपका कोई पुराना मित्र आज कारोबार में मुनाफा कमाने के लिए आपको सलाह दे सकता है, अगर इस सलाह पर आप अमल करते हैं तो आपको धन लाभ जरुर होगा। घर में उल्लास का माहौल आपके तनावों को कम कर देगा। आप भी इसमें पूरी सहभागिता करें और महज़ मूक दर्शक न बने रहें। योग्य कर्मियों को पदोन्नति या आर्थिक मुनाफ़ा हो सकता है। यदि आपको व्यस्त दिनचर्या के बाद भी अपने लिए समय मिल पा रहा है तो आपको इस समय का सदुपयोग करना सीखना चाहिए। ऐसा करके अपने भविष्य को आप सुधार सकते हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज के दिन आपको अपने उन दोस्तों से बचकर रहने की जरुरत है जो आपसे उधार मांगते हैं और फिर उसे लौटाते नहीं हैं। सबको अपनी महफ़िल में दावत दें। क्योंकि आपके पास आज अतिरिक्त ऊर्जा है, जो आपको किसी पार्टी या कार्यक्रम का आयोजन करने के लिए प्रेरित करेगी। तनख़्वाह में बढ़ोतरी आपको उत्साह से भर सकती है। यह वक़्त अपनी सभी निराशाओं और परेशानियों को मिटाने का है। आज आपका वैवाहिक जीवन हंसी-ख़ुशी, प्यार और उल्लास का केन्द्र बन सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

व्यस्त दिनचर्या के बावजूद सेहत अच्छी रहेगी। लेकिन इसे हमेशा के लिए सच मानने की ग़लती न करें। अपनी ज़िंदगी और सेहत का सम्मान करें। आज आपका ऊर्जा से भरपूर, ज़िंदादिल और गर्मजोशी से भरा व्यवहार आपके आस-पास के लोगों को ख़ुश कर देगा। ख़यालती परेशानियों को छोड़ें और अपने साथी के साथ रोमांटिक समय बिताएँ। साझीदारी और व्यापार में हिस्सेदारी वगैरह से दूर रहें। खाली वक्त का आज आप सदुपयोग करेंगे और उन कामों को पूरा करने की कोशिश करेंगे जो बीते दिनों पूरे नहीं हो पाए थे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

निवेश करना कई बार आपके लिए बहुत फायदेमंद साबित होता है आज आपको यह बात समझ में आ सकती है क्योंकि किसी पुराने निवेश से आज आपको मुनाफा हो सकता है। जिन्हें आप चाहते हैं, उनके साथ उपहारों का लेन-देन करने के लिए अच्छा दिन है। आपको अपनी ओर से सबसे अच्छा बर्ताव करने की ज़रूरत है, क्योंकि आपके प्रिय का मूड बहुत अनिश्चित होगा। इस राशि के जातकों को कार्यक्षेत्र में आवश्यकता से अधिक बोलने से बचना चाहिए नहीं तो आपकी छवि पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

घर वालों के साथ मिलकर कुछ अलग और रोमांचक किया जाना चाहिए। आज आप कुछ अलग क़िस्म के रोमांस का अनुभव कर सकते हैं। छात्रों के लिए बहुत अच्छा दिन है। वे परीक्षा में बढ़िया प्रदर्शन करेंगे। हालाँकि इस सफलता को सिर पर न चढ़ने दें और इससे प्रेरणा लेकर ज़्यादा कड़ी मेहनत के लिए कमर कसें। छात्र-छात्राओं को आज अपने काम को कल पर नहीं टालना चाहिए, आपको जब भी खाली समय मिले अपने काम को पूरा कर लें।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

धन की आवश्यकता कभी भी पड़ सकती है इसलिए आज जितना हो अपने पैसे की बचत करने का विचार बनाएं। सबको अपनी महफ़िल में दावत दें। क्योंकि आपके पास आज अतिरिक्त ऊर्जा है, जो आपको किसी पार्टी या कार्यक्रम का आयोजन करने के लिए प्रेरित करेगी। आज के दिन आप किसी क़ुदरती ख़ूबसूरती से ख़ुद को सराबोर महसूस करेंगे। बड़े उद्योगपतियों के साथ साझीदारी का व्यवसाय फ़ायदेमंद रहेगा। इस राशि के उम्रदराज जातक आज के दिन अपने पुराने मित्रों से खाली समय में मिलने जा सकते हैं ।

आज का पंचांग

दिनांक : 02 फरवरी 2026 , सोमवार
विक्रम संवत : 2082
मास : फाल्गुन , कृष्ण पक्ष
तिथि : प्रतिपदा रात्रि 01:54 तक
नक्षत्र : आश्लेषा रात्रि 10:48 तक
योग : आयुष्मान प्रातः 07:20 तक
करण : बालव दोपहर 02:44 तक
चन्द्रराशि : कर्क रात्रि 10:48 तक
सूर्योदय : 06:47, सूर्यास्त 06:11 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:45, सूर्यास्त 06:21 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:39 , सूर्यास्त 06:12 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:38, सूर्यास्त 06:04 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : शुक्र तारा उदय, गण्डमूल चालू है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

केंद्रीय बजट देशवासियों की आकांक्षाओं का प्रतिबिंब राजस्थान के विकास को मिलेगी नई रफ्तार : भजनलाल

जयपुर, 01 फरवरी (एजेंसियां)।

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने केंद्रीय बजट 2026-27 का स्वागत करते हुए इसे 'युवा, महिला, गरीब और किसान' के उत्थान को समर्पित बताया है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह बजट भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है। राजस्थान को मिलेगा 'सेमीकंडक्टर' और 'डेटा सेंटर' घोषणाओं का सीधा लाभमुख्यमंत्री ने विशेष रूप से उन क्षेत्रों पर जोर दिया जहाँ राजस्थान को सीधा फायदा मिलने वाला है: सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 : बजट में घोषित 40 हजार करोड़ रुपये के इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन का लाभ राजस्थान को मिलेगा, क्योंकि राज्य ने हाल ही में अपनी सेमीकंडक्टर नीति जारी की है। मेगा टैक्सटाइल पार्क और 200 इंडस्ट्रियल क्लस्टर्स की घोषणा से प्रदेश में औद्योगिक निवेश और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। सोलर एवं माइनिंग क्षेत्र में किए गए प्रावधान राजस्थान की खनिज संपदा और सौर ऊर्जा क्षमता को नई मजबूती देंगे।

शर्मा ने कहा कि यह बजट युवाओं के स्किल डेवलपमेंट और स्टार्टअप्स को नई उड़ान देने वाला है। उन्होंने महिलाओं के लिए की गई विशिष्ट घोषणाओं का उल्लेख किया। हर जिले में एक बालिका छात्रावास का निर्माण। मुख्यमंत्री ने बताया कि राजस्थान की अर्थव्यवस्था का मुख्य स्तंभ पशुपालन है। बजट में प्रस्तावित 'लोन लिंक्ड कैपिटल इन्वेस्टमेंट सब्सिडी स्कीम' से प्रदेश के लाखों पशुपालकों को सीधा लाभ मिलेगा। साथ ही, नरेगा की तुलना में वी बी-जी राम जी योजना में बजट आवंटन को 86 हजार करोड़ से बढ़ाकर 95,692 करोड़ रुपये करना ग्रामीण विकास के लिए मील का पत्थर साबित होगा।

मुख्यमंत्री ने कैंसर की 17 दवाओं पर कस्टम ड्यूटी में छूट के निर्णय को मानवीय दृष्टिकोण वाला बताया। उन्होंने कहा कि 7 प्रतिशत की विकास दर के साथ भारत 'पाथ ब्रेकिंग रिफॉर्म एक्सप्रेस' पर तेजी से दौड़ रहा है। मुख्यमंत्री का मुख्य संदेश : यह बजट सिर्फ आंकड़ों का दस्तावेज नहीं, बल्कि 'सबका साथ, सबका विकास' के संकल्प को सिद्ध करने वाला मार्गदर्शक है। राजस्थान इस बजट के प्रावधानों का लाभ उठाकर विकास की मुख्यधारा में सबसे आगे रहेगा।

डबल इंजन सरकार का दावा फेल, बजट में राजस्थान के लिए कुछ भी नहीं : डोटासरा

जयपुर, 01 फरवरी (एजेंसियां)।

राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने केन्द्र सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट 2026 को प्रदेश के लिए पूरी तरह निराशाजनक बताते हुए भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार का दावा करने वाली भाजपा ने राजस्थान को इस बजट में पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया है। न तो राज्य के विकास के लिए कोई ठोस प्रावधान किया गया और न ही कोई नई राष्ट्रीय परियोजना राजस्थान को दी गई। डोटासरा ने कहा कि ईआरसीपी जैसी महत्वाकांक्षी योजना को राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा नहीं मिलना और जल जीवन मिशन के तहत कोई विशेष पैकेज न दिया जाना, केन्द्र सरकार के सौतेले व्यवहार का स्पष्ट प्रमाण है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार बड़े-बड़े वादे तो करती है, लेकिन धरातल पर राजस्थान के हितों की अनदेखी की जा रही है। किसानों के मुद्दे पर बोलते हुए डोटासरा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 में

किसानों की आय दोगुनी करने का वादा किया था, लेकिन बजट 2026 में भी किसानों की आय बढ़ाने के लिए कोई ठोस योजना नजर नहीं आती। खासतौर पर राजस्थान के किसानों द्वारा उगाई जाने वाली फसलों और उत्पादों को बजट घोषणाओं में शामिल न करना प्रदेश के किसानों के साथ अन्याय है।

पर्यटन को लेकर भी उन्होंने नाराजगी जताई। डोटासरा ने कहा कि राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहर के बावजूद पर्यटन क्षेत्र के लिए कोई विशेष घोषणा नहीं की गई। मानगढ़ धाम (बांसवाड़ा) सहित कई ऐतिहासिक स्थलों को टूरिस्ट हब योजना से वंचित रखा गया, जबकि ये स्थान राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पर्यटन की बड़ी संभावना रखते हैं।

पर्यटन और संस्कृति के लिए 'बेमिसाल बूस्ट' बनेगा बजट : गजेंद्र सिंह

जोधपुर, 01 फरवरी (एजेंसियां)।

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने वर्ष 2026-27 के केंद्रीय बजट की सराहना करते हुए इसे पर्यटन और संस्कृति क्षेत्र के लिए एक क्रांतिकारी कदम बताया। बजट के बाद अपनी प्रतिक्रिया में शेखावत ने कहा कि यह बजट उम्मीदों से कहीं अधिक प्रोत्साहन देने वाला है। भारत को वैश्विक पर्यटन केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिए एक ठोस रोडमैप तैयार करता है। उन्होंने इस भविष्योन्मुखी विजन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का आभार व्यक्त किया। केंद्रीय मंत्री शेखावत ने बजट में 'नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हॉस्पिटैलिटी' की स्थापना की घोषणा को ऐतिहासिक बताया। उन्होंने कहा कि देश में फलते-फूलते पर्यटन क्षेत्र को देखते हुए प्रशिक्षित जनशक्ति की भारी मांग थी, जिसे यह संस्थान पूरा करेगा। देश के प्रतिष्ठित पर्यटन स्थलों पर 10,000 गाइड्स को प्रशिक्षित करने की योजना न केवल पर्यटकों के अनुभव को सुधारेगी, बल्कि स्थानीय युवाओं के लिए आजीविका के नए और सम्मानजनक अवसर भी पैदा करेगी।

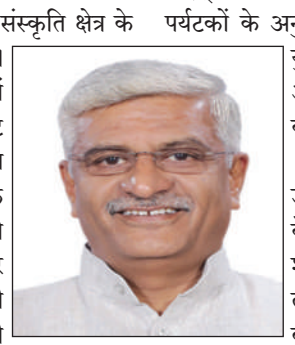

बजट में 15 नए पुरातात्विक उत्खनन स्थलों को विकसित करने के प्रस्ताव पर खुशी जताते हुए शेखावत ने कहा कि यह कदम उन लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बनेगा, जिनकी रुचि इतिहास और शोध में है। उन्होंने इसे प्रधानमंत्री मोदी के जन्मस्थान वडनगर की सफलता के विस्तार के रूप में देखा। उन्होंने इकोलॉजिकल ट्रेल्स, माउंटेन ट्रेल्स और स्टारगेजिंग जैसे आधुनिक पर्यटन अनुभवों के लिए किए गए प्रावधानों को भी सराहा।

युवाशक्ति, रोजगार और उद्योग को नई दिशा देने वाला बजट : राठौड़

जयपुर, 01 फरवरी (एजेंसियां)।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज संसद में वर्ष 2026-27 का बजट पेश किया। राज्य के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने बजट को सकारात्मक और शानदार बताते हुए कहा कि यह बजट आम लोगों के हितों को ध्यान में रखकर बनाया गया है। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 के विजन की झलक मिलती है। उन्होंने कहा कि भारत के इंडस्ट्रियल और कॉमर्शियल इकोसिस्टम के लिए केंद्र सरकार की स्पष्ट रणनीति पर मुझे गर्व महसूस हो रहा है। देश की आर्थिक रूपरेखा को अधिक प्रतिस्पर्धी, प्रगतिशील और एक्सपोर्ट ओरिएंटेड बनाने की

दिशा में यह बजट निर्णायक कदम है। इस बजट ने सिस्टम के सुधारों को प्रोत्साहित किया है जो उद्योग के विस्तार, निवेश आकर्षण तथा वैल्यू चेन मजबूती को गति देंगे। कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि यह बजट भारत की अर्थव्यवस्था में स्थिरता लाने वाला होगा, इसमें घरेलू निर्यात को बढ़ावा मिलेगा। कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने बजट को युवाशक्ति पर आधारित बताया और कहा कि युवाओं को ध्यान में रखते हुए बजट में रोजगार सृजन पर ध्यान दिया गया है। उन्होंने कहा कि इस बजट के जरिए युवाओं को सशक्त बनाने, उनके कौशल विकास और रोजगार के अवसर बढ़ाने पर जोर दिया गया है ताकि वे देश की आर्थिक और सामाजिक प्रगति में अहम भूमिका निभा सकें। कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि बजट में एससी-एसटी और गरीबों के हितों का पूरा ध्यान रखा गया है। उन्होंने इस बजट को देश में महंगाई कम करने और गरीब और मध्यम वर्ग पर बोझ को कम करने वाला बताया। उन्होंने कहा कि आर्थिक सुधारों पर काम करते हुए सरकार ने 7 फीसदी से ज्यादा ग्रोथ हासिल की है। इससे देश का बुनियादी ढांचा मजबूत होगा। बजट में एमएसएमई को और मजबूत बनाने पर काम किया जाएगा।

शिक्षा के साथ संस्कार और स्वानुशासन समय की आवश्यकता : थानाधिकारी

जोधपुर, 01 फरवरी (एजेंसियां)।

सूचना प्रौद्योगिकी और वैश्वीकरण के इस दौर में विद्यार्थियों के लिए स्वानुशासन और सतर्कता सबसे बड़ी चुनौती है। आज हर विद्यार्थी के हाथ में मोबाइल के रूप में सूचनाओं का भंडार है, लेकिन सही जानकारी के अभाव में वे साइबर अपराध का शिकार हो सकते हैं। यह विचार मथानिया थानाधिकारी एवं साइबर विशेषज्ञ कैलाश गुगरवाल ने मरुधरा पब्लिक स्कूल के दीक्षांत समारोह में व्यक्त किए। साइबर सुरक्षा और सांस्कृतिक मूल्यों पर जोर

मुख्य अतिथि गुगरवाल ने कहा कि शिक्षण संस्थाओं और शिक्षकों की जिम्मेदारी है कि वे विद्यार्थियों को तकनीक के सदुपयोग के प्रति जागरूक करें। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपनी जड़ों और सांस्कृतिक मूल्यों से जुड़े रहें तथा परिवार व शिक्षकों के साथ अटूट संबंध बनाए रखें।

प्रसिद्ध शिक्षाविद और मोटिवेशनल स्पीकर डॉ. बी.एल. जाखड़ ने विद्यार्थियों को जीवन के महत्वपूर्ण पड़ाव के बारे में सचेत किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी अब अपने करियर के निर्माता स्वयं हैं। उन्होंने 'स्वतंत्रता' और 'स्वच्छंदता' के बीच के बारीक अंतर को समझाते हुए उच्च चारित्रिक मूल्यों के निर्माण पर बल दिया, ताकि परिवार की मेहनत सफल हो सके। उन्होंने शिक्षकों से अपेक्षा की कि वे विद्यार्थियों को इतना सक्षम बनाएं कि वे सनातन संस्कृति और राष्ट्रीय प्रतिमानों का महत्व समझ सकें। प्राध्यापक संघ के प्रांतीय उपसभाध्यक्ष रामू राम जाखड़ और प्रेम सुख सुथार ने भी विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा में श्रेष्ठ लक्ष्य निर्धारित करने के लिए प्रेरित किया। समारोह में विद्यालय के वरिष्ठ विद्यार्थियों-रामकिशोर, भावना, कंचन, खुशबू और रवीना-ने नृत्य, नाटक और मौखिक अभिव्यक्ति के माध्यम से अपने स्कूली संस्मरण साझा किए। कार्यक्रम का सफल संचालन सुनील तंवर ने किया, वहीं काजल और नंदिनी ने कोरियोग्राफर के रूप में सांस्कृतिक मंच को भव्यता प्रदान की। कार्यक्रम के अंत में सभी शिक्षकों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर लोक देवता केसरिया कंवर जी की सामूहिक प्रसादी का भी आयोजन किया गया, जिसमें ग्रामीणों और अभिभावकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। विद्यार्थी की जेब में आज सूचना का महासागर है, उसे सही दिशा देना ही शिक्षा का असली उद्देश्य है।

भूमि पूजन समारोह में भिड़े भाजपा कार्यकर्ता

रोहतक, 01 फरवरी (एजेंसियां)।

हरियाणा के रोहतक स्थित पहरावर गांव में रविवार को उस समय स्थिति तनावपूर्ण हो गई, जब कैबिनेट मंत्री अरविंद शर्मा की मौजूदगी में भाजपा कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए। गौड़ ब्राह्मण विद्या प्रचारिणी सभा के तीसरे कैंपस के भूमि पूजन समारोह के दौरान मंच पर ही कार्यकर्ताओं के बीच जमकर लात-घूंसे चले। स्थिति इतनी बिगड़ गई कि मामला शांत कराने के लिए पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा। कुर्सी और प्रतिष्ठा को लेकर छिड़ा विवाद प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, विवाद की शुरुआत बैठने की व्यवस्था को लेकर हुई। पहरावर के पूर्व सरपंच और वार्ड-20 के पार्षद प्रवीण कौशिक ने वहां मौजूद मोनू अत्री (निवासी भालौठ) को नीचे बैठने के लिए कहा। इसी बात पर दोनों के बीच बहस शुरू हो गई, जिसने देखते ही देखते हिंसक रूप ले लिया। दोनों पक्षों के समर्थक भी आपस में भिड़ गए और पंडाल में अफरातफरी मच गई।हाई वोल्टेज ड्रामे के दौरान जब वहां मौजूद एक पत्रकार घटना की कवरेज कर रहे थे, तो कार्यकर्ताओं ने उनके साथ भी झड़प की।

विकसित भारत के लिए बजट, लोगों तक विकास की लहर पहुंचेगी : बड़ौली

सोनीपत, 01 फरवरी (एजेंसियां)।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने सोनीपत स्थित भाजपा कार्यालय में कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत' संकल्प को साकार करने वाले केंद्रीय बजट 2026 को लाइव देखा और सुना। बजट प्रस्तुति के बाद पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि मोदी सरकार का यह बजट हरियाणा के विकास को नई गति देगा और आने वाले वर्षों में बुनियादी ढांचे, कृषि और रोजगार के क्षेत्र में बड़े बदलाव लाएगा। मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत बजट में समाज के हर वर्ग तक विकास का लाभ पहुंचाने पर विशेष जोर दिया गया है। यह बजट जनता की उम्मीदों पर पूरी तरह खरा उतरता है और 'सबका साथ, सबका विकास' की भावना को सशक्त करता है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का आभार जताते हुए कहा कि यह बजट विकसित भारत की यात्रा को और तेज करेगा। यह युवा शक्ति का बजट है, जिसमें युवाओं की सोच, सपने और आकांक्षाएं साफ तौर पर झलकती हैं।

एमएसएमई, फार्मा और आयुर्वेद को नई ताकत

रोजगार और स्वास्थ्य को मिला बढ़ावा: अनिल विज

चंडीगढ़, 01 फरवरी (एजेंसियां)।

हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने केंद्रीय बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह बजट दूरदृष्टि, संतुलन और समावेशी विकास की सोच के साथ तैयार किया गया है, ताकि समाज के हर वर्ग को इसका प्रत्यक्ष लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में यह बजट बुलेट ट्रेन की गति से देश को आगे ले जाने वाला साबित होगा। मीडिया कर्मियों से आज बातचीत करते हुए अनिल विज ने कहा कि इस केंद्रीय बजट में किसान, श्रमिक, मध्यम वर्ग, उद्योग, युवा और महिलाओंकृसभी के हितों का समुचित ध्यान रखा गया है। यह बजट न केवल वर्तमान जरूरतों को पूरा करता है, बल्कि भविष्य की आर्थिक और सामाजिक आवश्यकताओं को भी ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। उन्होंने बताया कि बजट में एमएसएमई सेक्टर, फार्मा उद्योग और कपड़ा निर्माण को विशेष प्राथमिकता दी गई है, जिससे रोजगार सृजन को बढ़ावा मिलेगा और आम आदमी की जरूरतों से जुड़ी वस्तुएं सुलभ और किफायती बनेंगी। उन्होंने कहा कि कैंसर की दवाओं और उपचार से जुड़े उपकरणों पर ड्यूटी में कटौती कर सरकार ने मानवीय संवेदनाओं का परिचय दिया है, जिससे गंभीर रोगों से पीड़ित मरीजों को बड़ी राहत मिलेगी।

मुख्यमंत्री सैनी ने केंद्रीय बजट 2026-27 को ऐतिहासिक और दूरदर्शी बताया

चंडीगढ़, 01 फरवरी (एजेंसियां)।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को कहा कि केंद्रीय बजट 2026-27 एक दूरदर्शी और ऐतिहासिक दस्तावेज है, जो विकसित भारत के संकल्प को पूरा करेगा। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का कल्याणकारी बजट के लिए आभार व्यक्त किया और बताया कि बजट के तीन मुख्य लक्ष्य हैं: गति, क्षमता और समावेशी विकास। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने घोषणा की कि 2026-27 में सरकार सार्वजनिक पूंजीगत व्यय को बढ़ाकर 12.2 लाख करोड़ रुपए

करने की योजना बना रही है। मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि यह ऐतिहासिक पूंजीगत व्यय हरियाणा जैसे औद्योगिक और अवसंरचना केंद्रित राज्य की प्रगति को नई गति प्रदान करेगा।

मुख्यमंत्री ने बताया कि बजट में एमएसएमई क्षेत्र के लिए 10,000 करोड़ रुपए का प्रावधान हरियाणा के लिए लाभकारी सिद्ध होगा। इसके साथ ही, 15 पुरातात्विक स्थलों का विकास करके राज्य की ऐतिहासिक धरोहरों को वैश्विक मान्यता दी जाएगी।

सैनी ने कहा कि एआई और क्वांटम मिशन में निवेश से गुरुग्राम की वैश्विक प्रौद्योगिकी केंद्र के रूप में स्थिति और मजबूत होगी। उन्होंने यह भी बताया कि खारी और जलभराव वाली भूमि के सुधार के लिए केंद्र सरकार की सहायता राज्य के किसानों के लिए वरदान साबित होगी। कृषि क्षेत्र के लिए बजट आवंटन में वृद्धि और डिजिटल कृषि मिशन पर जोर देने से किसानों की आय बढ़ाने में मदद मिलेगी। बजट में देशभर में बड़े कपड़ा पार्क और हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर स्थापित करने के प्रावधान भी शामिल हैं।

मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि यह बजट भारत को विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में निर्णायक कदम है।

राज्य के परिवहन मंत्री अनिल विज ने कहा कि बजट दूरदर्शिता, संतुलन और समावेशी विकास की भावना के साथ तैयार किया गया है, जिससे समाज के हर वर्ग को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा।

मदनूर में कल्याण लक्ष्मी/शादी मुबारक योजना के तहत चेक वितरण

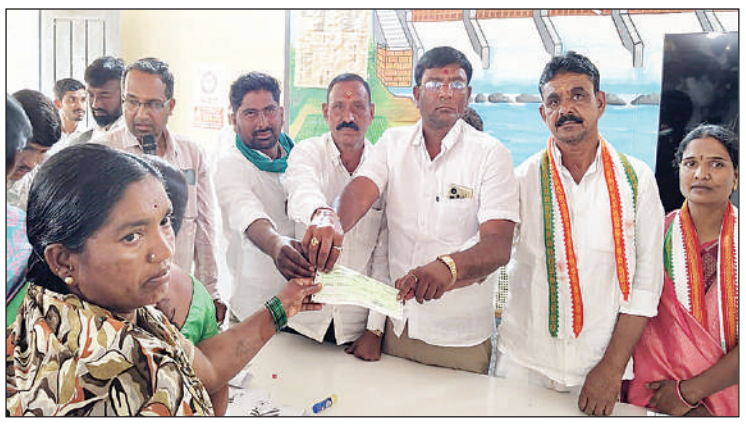

मदनूर, 01 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । जुक्कल विधानसभा क्षेत्र के विधायक थोटा लक्ष्मीकांता राव के निर्देश पर रविवार को मदनूर के किसान भवन में तेलंगाना सरकार की कल्याण लक्ष्मी/शादी मुबारक योजना के अंतर्गत लाभार्थियों को चेक वितरित किए गए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कांग्रेस पार्टी के स्थानीय अध्यक्ष दरासवार सयालु ने की। मुख्य अतिथि के रूप में स्थानीय सरपंच ऊषा संतोष मिस्त्री और सलबतपुर दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर अध्यक्ष राम पाटिल ने भाग लिया।

तहसीलदार एम.डी. मुजीब ने बताया कि शादी मुबारक/कल्याण लक्ष्मी योजना के तहत कुल 58 लाभार्थियों को चेक वितरित किए गए। इनमें 9 एससी, 12 बीसी और 37 अन्य श्रेणी की लाभार्थी शामिल हैं। प्रत्येक लाभार्थी को 1,00,116 रुपये की सहायता राशि प्रदान की गई, जो योजना के अनुसार गरीब परिवारों की बेटियों की शादी के खर्च में मदद के लिए दी जाती है।

यह योजना तेलंगाना सरकार द्वारा 2014 में शुरू की गई है, जिसका उद्देश्य बाल विवाह रोकना और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को शादी के खर्च में सहायता प्रदान करना है। योजना के तहत 18 वर्ष से अधिक आयु की लड़कियों को, जिनके माता-पिता की वार्षिक आय 2 लाख रुपये से कम है, एकमुश्त वित्तीय सहायता दी जाती है।

कार्यक्रम में मदनूर मंडल के विभिन्न गांवों के सरपंच, राजस्व अधिकारी शंकर, ग्राम पंचायत सचिव (जीपीओ), राजकीय नेता और अन्य नागरिक उपस्थित रहे। इस वितरण से स्थानीय स्तर पर कई परिवारों को राहत मिली है।

केसीआर के खिलाफ राजनीतिक उत्पीड़न के विरोध में

मंचेरियाल में बीआरएस की विशाल बाइक रैली

मंचेरियाल, 01 फरवरी 2026 (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर के आह्वान पर तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के खिलाफ चल रही एसआईटी जांच को राजनीतिक उत्पीड़न बताते हुए मंचेरियाल जिला मुख्यालय में एक विशाल बाइक रैली का आयोजन किया गया।

यह रैली पूर्व विधायक नादेल्ली दिवाकर राव और बीआरएस पार्टी के राज्य नेता नादेल्ली विजय कुमार के नेतृत्व में निकाली गई। कार्यक्रम में पूर्व जन प्रतिनिधि, पार्टी के वरिष्ठ नेता, टीबीजीकेएस (तेलंगाना भद्रता ग्रामीण कार्यकर्ता संघ) के नेता, हजारों कार्यकर्ता और बीआरएस परिवार के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

मदनूर से नेमली साई बाबा मंदिर तक पदयात्रा का शुभारंभ

मदनूर, 01 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । हर वर्ष की परंपरा के अनुसार, इस वर्ष भी मदनूर साई बाबा मंदिर से नेमली (तेलंगाना शिर्डी के नाम से प्रसिद्ध) साई बाबा मंदिर तक भक्तों की पदयात्रा का शुभ आरंभ रविवार सुबह किया गया।

स्थानीय साई बाबा मंदिर कमिटी के सदस्यों ने पत्रकारों को बताया कि यह पदयात्रा मदनूर मंडल केंद्र में स्थित गंग शेट्टी हनुमान मंदिर के साई बाबा मंदिर से शुरू हुई। सुबह काकड़ा आरती के बाद स्थानीय सरपंच उषा संतोष मिस्त्री ने बाबा की विशेष पूजा-अर्चना की और पदयात्रा को रवाना किया।

पदयात्रा लगभग 40 किलोमीटर की है, जो मेनूर, मोगा, डोंगली, कुर्ला, बिरकुर आदि गांवों से होकर शाम तक नेमली साई बाबा मंदिर पहुंचेगी। नेमली साई बाबा मंदिर, जिसे मिनी शिर्डी या तेलंगाना शिर्डी के नाम से जाना जाता है, कमारेड्डी जिले के बिरकुर मंडल में स्थित है। यह मंदिर एनआरआई मोहन रेड्डी पटलोल्ला द्वारा 2009 में स्थापित किया गया था और अब उत्तरी तेलंगाना तथा पड़ोसी महाराष्ट्र और कर्नाटक राज्यों के श्रद्धालुओं के लिए प्रमुख तीर्थस्थल बन चुका है।

इस पदयात्रा में महाराष्ट्र और कर्नाटक से भी बड़ी संख्या में साई भक्त शामिल हुए हैं। भक्त बाबा के दर्शन और आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए उत्साह से भाग ले रहे हैं। इस समय मंदिर समिति के सदस्य पदयात्रा के साथ मौजूद हैं और व्यवस्थाओं का संचालन कर रहे हैं।

यह वार्षिक पदयात्रा साई बाबा की भक्ति और एकता का प्रतीक है, जो दूर-दूर से श्रद्धालुओं को आकर्षित करती है।

गरीबों की सेवा का अनोखा जज़्बा

पूर्व विधायक कोनेरू कोनप्पा की निस्वार्थ सेवा की तारीफ़

कागजनगर, 1 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। पूर्व विधायक कोनेरू कोनप्पा कागजनगर शहर में गरीबों, मजदूरों, यात्रियों और बेघर लोगों की सेवा का एक जीवंत उदाहरण पेश कर रहे हैं। पिछले पांच वर्षों से वे बस स्टैंड के सामने कोनेरू नित्यानंद सत्र (नित्य अन्नदानम कार्यक्रम) चला रहे हैं, जहां हर दिन हजारों लोगों को मुफ्त भोजन वितरित किया जाता है।

इस सत्र की खासियत है कि यहां किसी भी जाति, धर्म या स्थिति के आधार पर भेदभाव नहीं किया जाता। ईमानदारी और निस्वार्थ भाव से सभी को भोजन परोसा जाता है, जिससे यह कार्यक्रम समाज में सेवा भावना की मिसाल बन चुका है। यात्री, दिहाड़ी मजदूर और जरूरतमंद लोग रोजाना यहां भूख मिटाते हैं और कोनेरू कोनप्पा गारू की तारीफ करते नहीं थकते।

हाल ही में, एमएलसी (विधान परिषद सदस्य) दासोजू श्रवण, जो नगर निगम चुनावों के लिए पर्यवेक्षक के रूप में कागजनगर आए थे, ने इस नित्यानंद सत्र का दौरा किया। उन्होंने कोनेरू कोनप्पा की सेवाओं की जमकर सराहना की और खुद हाथ बंटाकर लोगों को भोजन परोसने में हिस्सा लिया।

एमएलसी दासोजू श्रवण ने कहा, इस तरह की निस्वार्थ सेवा समाज के लिए प्रेरणा स्रोत है। गरीबों की भूख मिटाने के उद्देश्य से लगातार चल रहा यह कोनेरू नित्यानंद सत्र कागजनगर में सेवा की भावना का शानदार उदाहरण है।

इस अवसर पर कोनेरू कोनप्पा ने एमएलसी को सत्र के प्रबंधन व्यवस्था, उपलब्ध सुविधाओं और प्रतिदिन लाभान्वित होने वाले लोगों की संख्या के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

कोनेरू कोनप्पा, जो पहले सिरपुर-कागजनगर क्षेत्र से विधायक रह चुके हैं, सामाजिक कार्यों के लिए जाने जाते हैं। उनका यह अन्नदानम कार्यक्रम न केवल स्थानीय स्तर पर बल्कि पूरे क्षेत्र में मानवता और सेवा की मिसाल कायम कर रहा है।

माघ पूर्णिमा पर विधायक डॉ. पलवई हरीश बाबू ने गंगापुर वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में किए दर्शन

कागजनगर/रेबेना, 1 फरवरी 2026 (शुभ लाभ ब्यूरो) । सिरपुर-टी विधायक डॉ. पलवई हरीश बाबू ने माघ शुद्धि पूर्णिमा (माघ पूर्णिमा) के पावन अवसर पर मंडल के गंगापुर गांव स्थित प्राचीन भगवान वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में दर्शन किए और विशेष पूजा-अर्चना की।

इस मौके पर विधायक ने भक्तों को संबोधित करते हुए कहा कि वे मंदिर के विकास और सौंदर्यीकरण के लिए प्रयासरत रहेंगे। उन्होंने आश्वासन दिया कि वे एंडोमेंट विभाग तथा पर्यटन मंत्री से चर्चा करेंगे और मंदिर के लिए आवश्यक फंड उपलब्ध कराने की दिशा में सक्रिय कदम उठाएंगे।

मंदिर अधिकारियों ने डॉ. पलवई हरीश बाबू को शॉल ओढ़ाकर, तीर्थ प्रसाद देकर और फल-फूल भेंट कर सम्मानित किया।

कार्यक्रम में पूर्व विधायक पलवई राज्यलक्ष्मी, स्थानीय सरपंच वेंकटेश, कोंड्रा मनोहर गौड़, नेता इगुरापु संजीव, सुनील चौधरी, बालकृष्ण सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति और भक्तजन उपस्थित रहे।

यह दर्शन और विधायक का मंदिर विकास के प्रति आश्वासन स्थानीय भक्तों में उत्साह का संचार कर रहा है। गंगापुर का यह प्राचीन वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर क्षेत्र में धार्मिक महत्व रखता है और माघ पूर्णिमा जैसे पर्व पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं।

2047 विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने वाला बजट : वेंकटेश्वर गौड़

मंचेरियाल, 01 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा संसद में प्रस्तुत केंद्रीय बजट 2026-27 को मंचेरियाल जिला भाजपा अध्यक्ष नागुनूरी वेंकटेश्वर गौड़ ने 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक मजबूत, दूरदर्शी और ऐतिहासिक कदम करार दिया है।

उन्होंने कहा कि इस बजट में देश के समग्र विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। इंफ्रास्ट्रक्चर निर्माण, शिक्षा, कौशल विकास, युवाओं के सशक्तिकरण, छात्रों के भविष्य और आम नागरिकों के कल्याण पर विशेष जोर दिया गया है। बजट गरीब, मध्यम वर्ग और हर वर्ग के जीवन में खुशहाली लाने वाला साबित होगा।

नागुनूरी वेंकटेश्वर गौड़ ने प्रमुख बिंदुओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शिक्षा और कौशल विकास के लिए किए गए विशेष प्रावधान युवाओं को बेहतर रोजगार के अवसर प्रदान करेंगे।

सड़क, रेल, आवास (पीएम आवास योजना), जल आपूर्ति, बिजली और अन्य बुनियादी ढांचे के लिए बड़े पैमाने पर निवेश से देश की इंफ्रास्ट्रक्चर क्षमता में नई मजबूती आएगी।

बजट में हर घर में महालक्ष्मी का वास की भावना झलकती है, जिससे हर गरीब परिवार में आर्थिक मजबूती आएगी।

यह बजट केवल वर्तमान की जरूरतों को पूरा नहीं करता, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए चुनौतियों का सामना करने की क्षमता भी विकसित करता है।

मंचेरियाल में सम्मक्का-सरलम्मा मिनी वेदियों से 31 लाख रुपये की आय

मंचेरियाल, 1 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। गोदावरी नदी के किनारे स्थापित वन देवियों सम्मक्का और सरलम्मा की लघु (मिनी) वेदियों से द्विवार्षिक मेले के दौरान कुल 31.19 लाख रुपये की आय हुई है। यह मेले मुख्य रूप से मेडारम (मुलुगु जिले) में आयोजित होने वाले सम्मक्का-सरलम्मा जतारा (एशिया का सबसे बड़ा आदिवासी मेला) की भावना को स्थानीय स्तर पर जीवंत रखता है।

दान-पुण्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि शनिवार शाम को दान की गिनती पूरी हुई। श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाए गए दान से मिनी वेदियों को 14.67 लाख रुपये प्राप्त हुए, जबकि व्यावसायिक प्रतिष्ठानों (दुकानों) और भोजनालयों की निविदाओं से 16.52 लाख रुपये की कमाई हुई। इस प्रकार मंचेरियाल नगर निगम और दान-पुण्य विभाग को संयुक्त रूप से 31.19 लाख रुपये की कुल आय हुई। दोनों विभागों ने मिलकर मेले का आयोजन किया था।

मंचेरियाल नगर पालिका चुनाव

सीपीआई ने बीआरएस के साथ गठबंधन किया, कांग्रेस को झटका

मंचेरियाल/क्याथनपल्ली, 1 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । आगामी नगर निगम/नगरपालिका चुनावों के लिए राजनीतिक गठबंधनों की कवायद तेज हो गई है। जहां सीपीआई (कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया) अन्य स्थानों पर कांग्रेस के साथ मित्रवत संबंध रखती रही है, वहीं मंचेरियाल जिले में उसने बड़ा राजनीतिक बदलाव करते हुए बीआरएस (भारत राष्ट्र समिति) के साथ गठबंधन का फैसला किया है। इस गठबंधन से कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है।बीआरएस जिला अध्यक्ष बल्का सुमन ने शनिवार को क्याथनपल्ली में मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए इस समझौते की जानकारी दी। उन्होंने सीपीआई के राज्य सचिव कलावेनी शंकर के साथ संयुक्त प्रेस वार्ता में बताया कि गठबंधन के तहत सीपीआई क्याथनपल्ली नगरपालिका के 8 से 10 वार्डों में अपने उम्मीदवार उतारेगी।

दोनों नेताओं ने कहा कि बीआरएस और सीपीआई ने शहर के विकास को गति देने तथा केंद्र सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ एकजुट होकर लड़ने के लिए यह गठबंधन किया है। बल्का सुमन ने खेद व्यक्त किया कि क्याथनपल्ली नगर निकाय विभिन्न क्षेत्रों में प्रगति नहीं कर पा रहा है, क्योंकि कांग्रेस सरकार ने विकास कार्यों को जानबूझकर रोका हुआ है।

उन्होंने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि एससीसीएल (सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड) के प्रशासन में कांग्रेस नेताओं का अनुचित हस्तक्षेप बढ़ गया है। पार्टी ने कोयला खनिकों के लिए निर्धारित लाभों में कटौती की है और सरकारी कोयला खनन कंपनी को लूटने तथा उसकी वित्तीय स्थिति को कमजोर करने का काम किया है। पूर्व सरकारी सचेतक ने कांग्रेस नेताओं द्वारा किए गए व्यापक भ्रष्टाचार के कारण एससीएल के अस्तित्व पर मंडराते खतरे पर चिंता जताई।

बीआरएस नेताओं ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने अपने चुनावी वादों को पूरा करने में पूरी तरह विफल रही है और मतदाताओं को धोखा दिया है। उन्होंने जनता से अपील की कि वे आगामी नगर निगम चुनावों में बीआरएस और सीपीआई के संयुक्त उम्मीदवारों के पक्ष में मतदान करें।

मंचेरियाल: पूछताछ में विफलता के विरोध में बीआरएस का धरना

मंचेरियाल/तंदूर, 1 फरवरी 2026 (शुभ लाभ ब्यूरो)। तंदूर मंडल के बीआरएस नेताओं ने कांग्रेस सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि राज्य में कांग्रेस के जनविरोधी शासन और विफलताओं पर सवाल उठाने वाले बीआरएस नेताओं को जानबूझकर जांच और मुकदमों के जाल में फंसाकर परेशान किया जा रहा है। पूर्व विधायक दुर्गम चिन्नैया के निर्देश पर रविवार को तंदूर आईबी केंद्र में बीआरएस के तत्वावधान में एक विरोध प्रदर्शन और धरना आयोजित किया गया।

इस अवसर पर राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक रोड शो भी निकाला गया, जिसमें सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। प्रदर्शनकारियों ने पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) को एसआईटी जांच के नाम पर पक्षपातपूर्ण तरीके से परेशान करने की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि केसीआर, जिन्होंने तेलंगाना राज्य का सर्वांगीण विकास किया, उन्हें सूचना जांच नोटिस भेजना पूरी तरह अनुचित और राजनीतिक बदले की कार्रवाई है।

कार्यक्रम में मंडल पार्टी अध्यक्ष सुब्बा दत्तुमूर्ति, पूर्व एमपीपी प्रणय, उप सरपंच गट्टू संतोष, पूर्व एमपीटीसी शंकर, नारायण, नेता राजन्ना, बोडा सतीश, मणि कुमार, दुर्गम श्रीनु, एल्का रामचंदर, चिंटू, बाबू खान, भरत, बालू सहित विभिन्न गांवों के दर्जनों कार्यकर्ता शामिल हुए।

चेन्नूर में विकास कार्य ठप, सिर्फ चुनावी दिखावा : बाल्का सुमन

चेन्नूर, 1 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। बीआरएस के पूर्व विधायक बाल्का सुमन ने यहां प्रेस मीट में स्थानीय विधायक एवं श्रम, रोजगार एवं खनन मंत्री विवेक वेंकटास्वामी पर तीखे हमले किए। उन्होंने आरोप लगाया कि चेन्नूर नगर में विकास कार्य पूरी तरह ठप पड़ गए हैं और वर्तमान सरकार सिर्फ चुनावी दिखावा कर रही है।

बाल्का सुमन ने कहा, विकास कार्य दिखाकर वोट मांगने के बजाय लोगों को डराकर चुनाव जीतने की कोशिश पूरी तरह गलत है। उन्होंने दावा किया कि मंत्री विवेक सत्ता में रहते हुए नगरपालिका चुनावों में अपने उम्मीदवारों को जिताने के लिए पुलिस अधिकारियों के सहारे बीआरएस कार्यकर्ताओं को परेशान कर रहे हैं। पिछले दो वर्षों में उनके कार्यकाल में कोई ठोस विकास नहीं हुआ है, और अब जनता यह समझ चुकी है।

पूर्व विधायक ने बीआरएस सरकार के समय चेन्नूर में किए गए प्रमुख विकास कार्यों का जिक्र करते हुए कहा कि 100 बेड का अस्पताल, 50 बेड का अस्पताल, केसीआर पार्क, पुस्तकालय, इंटीग्रेटेड मार्केट कॉम्प्लेक्स और सम्मक्का-सरलम्मा भवन जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स पूरे किए गए थे। लेकिन वर्तमान कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में ऐसा कोई बड़ा काम नजर नहीं आ रहा है।

उन्होंने आगे आरोप लगाया कि चुनाव से पहले हर वार्ड में नारियल फोड़कर जनता को भ्रमित किया जा रहा है। फैक्ट्री लगाकर 40 हजार नौकरियां देने का वादा भी पूरा नहीं हुआ। सात करोड़ रुपये से बने इंटीग्रेटेड मार्केट को अब तक शुरू नहीं किया गया है, जिससे व्यापारियों को सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। उन्होंने कहा कि मंत्री का शासन पूरी तरह अव्यवस्थित है, और इसका जवाब जनता ने हाल ही में हुए सरपंच चुनावों में दे दिया है।

बाल्का सुमन ने चेतावनी दी कि यदि नगरपालिका चुनावों में उनके पार्टी कार्यकर्ताओं पर कोई अत्याचार किया गया, तो वे एससी, एसटी, बीसी और मानवाधिकार आयोग में शिकायत दर्ज कराएंगे। उन्होंने कहा कि जनता सब कुछ देख रही है और आने वाले चुनावों में कांग्रेस पार्टी को भारी नुकसान होगा।

यह प्रेस मीट चेन्नूर में राजनीतिक तनाव को और बढ़ाता है, जहां नगरपालिका चुनावों की तैयारियां जोरों पर हैं और दोनों प्रमुख पार्टियां एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगा रही हैं।

मंचेरियाल-बेल्लमपल्ली नगर निकाय चुनाव:

उम्मीदवार घोषणा में देरी गठबंधन पर चर्चा जारी

मंचेरियाल, 01 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल जिले के मंचेरियाल टाउन, बेल्लमपल्ली, लक्षेट्टीपेट, क्यातानापल्ली और चेन्नूर जैसे क्षेत्रों में आगामी नगर निगम/ नगरपालिका चुनावों के लिए प्रमुख पार्टियों ने अभी तक पूर्ण उम्मीदवार सूची जारी नहीं की है। नामांकन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, लेकिन कई उम्मीदवार टिकट की प्रतीक्षा में हैं और पार्टी उच्च कमान से अंतिम फैसले का इंतजार कर रहे हैं।कांग्रेस ने कुछ क्षेत्रों में आंशिक घोषणाएं की हैं। मंचेरियाल नगर निगम के 60 वार्डों में कांग्रेस के उम्मीदवारों के नाम विधायक प्रेमसागर राव ने घोषित कर दिए हैं। लक्षेट्टीपेट नगरपालिका (22 वार्ड) के लिए कांग्रेस ने 15 उम्मीदवारों के नाम जारी किए हैं। भाजपा ने भी सीमित घोषणाएं की हैं, जैसे मंचेरियाल में 10 और लक्षेट्टीपेट में 9 उम्मीदवारों के नाम। हालांकि, भाजपा की पूर्ण सूची अभी तक जारी नहीं हुई है।सीपीआई (कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया) गठबंधन को लेकर सक्रिय है।

विभिन्न क्षेत्रों में कांग्रेस और भाजपा दोनों से बातचीत चल रही है। चेन्नूर निर्वाचन क्षेत्र के क्यातानापल्ली में बल्का सुमन के आवास पर भाजपा और सीपीआई नेताओं के बीच बैठक हुई, जहां भाजपा ने सीपीआई को 7-8 सीटें देने पर सहमति जताई है। इस बैठक में भाजपा जिला अध्यक्ष बल्का सुमन, निर्वाचन क्षेत्र प्रभारी पल्ले भूमेश, सीपीआई राज्य सचिव कलवेना शंकर और एआईटीयूसी नेता सीतारामैया शामिल हुए।

ला लीगा 2025-26 : यामल चमके, बार्सिलोना ने एल्चे को 3-1 से हराकर शीर्ष स्थान मजबूत किया

एल्चे (स्पेन), 01 फरवरी (एजेंसियां)।

युवा स्टार लामिन यामल के शानदार प्रदर्शन की बदौलत बार्सिलोना ने शनिवार को ला लीगा मुकाबले में एल्चे को 3-1 से हराकर तालिका में शीर्ष स्थान पर अपनी बढ़त चार अंकों की कर ली। बार्सिलोना के लिए यामल, फेरान टोरेस और मार्कस रैशफोर्ड ने गोल किए। हांसी फ्लिक के मार्गदर्शन में बार्सिलोना ने मुकाबले में कई और स्पष्ट मौके बनाए, लेकिन क्रासबार और पोस्ट से टकराई गेंदों तथा कमजोर फिनिशिंग के कारण जीत का अंतर और बड़ा नहीं हो सका। इस जीत के साथ बार्सिलोना 4 अंकों की बढ़त के साथ शीर्ष पर है, जबकि दूसरे स्थान पर मौजूद रियल मैड्रिड रविवार को रयो वायेकानो के खिलाफ खेलकर अंतर कम करने की कोशिश करेगा।

यामल की शुरुआती बढ़त - मैच की शुरुआत से ही बार्सिलोना ने आक्रामक रुख अपनाया और छठे मिनट में ही बढ़त हासिल कर ली। डानी ओल्मो के शानदार पास पर 18 वर्षीय लामिन यामल गोलकीपर इनाकी पेना को छकाते हुए गेंद को जाल में डालने में सफल रहे। इसके बाद ओल्मो ने बढ़त दोगुनी करने का प्रयास किया, लेकिन बाक्स के बाहर से लिया गया उनका शाट क्रासबार को छूकर निकल गया।

एल्चे की बराबरी, बार्सा का पलटवार - पहले हाफ में एल्चे ने भी साहसिक खेल दिखाया और बार्सिलोना की हाई डिफेंस लाइन का फायदा उठाते हुए अल्वारो रोड्रिगेज ने बराबरी का गोल दाग दिया। हालांकि, इसके बाद बार्सिलोना ने दबाव बनाए रखा। फेरान टोरेस को बढ़त दिलाने का सुनहरा मौका मिला, लेकिन वह बेहद नजदीक से पहले क्रासबार और फिर पोस्ट पर गेंद मार बैठे।

टोरेस और रैशफोर्ड ने दिलाई जीत - टोरेस ने जल्द ही अपनी गलती सुधारी और फ्रेंकी डी जोंग के बेहतरीन मूव के बाद गोल कर बार्सिलोना को फिर से बढ़त दिला दी। दूसरे हाफ में बार्सिलोना के पास कई मौके आए, लेकिन फर्मिन लोपेज़, राफिन्हा और टोरेस उन्हें भुना नहीं सके। हाफटाइम के बाद मैदान में उतरे मार्कस रैशफोर्ड ने भी एक मौका गंवाया, लेकिन बाद में यामल की क्रास से गिरी गेंद पर सटीक फिनिश करते हुए टीम का तीसरा गोल दाग दिया। यह सभी प्रतियोगिताओं में रैशफोर्ड का इस सीजन का 10वां गोल रहा। कोच और खिलाड़ियों की प्रतिक्रिया मैच के बाद फ्रेंकी डी जोंग ने कहा, हमने तीन अहम अंक हासिल किए और एक टीम के तौर पर लगातार आगे बढ़ रहे हैं। हम अभी अपने सर्वश्रेष्ठ स्तर पर नहीं पहुंचे हैं, लेकिन मौके बनना सबसे अहम बात है। उन्होंने एल्चे की तारीफ करते हुए कहा कि उनकी आक्रामक शैली के कारण मुकाबला दर्शकों के लिए रोमांचक रहा।

न्यूज ब्रीफ

रायबाकिना ने अपना पहला आस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीता

मेलबर्न। कजाकिस्तान की एलेना रायबाकिना ने अपना पहला आस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस खिताब जीता है।

रायबाकिना ने महिला एकल के खिताबी मुकाबले में बेलारुस की आर्यना सबालेंका को 6-4, 4-6, 6-4 से हराया। दोनो खिलाड़ियों के बीच ये मुकाबला करीब सवा 2 घंटे तक चला। वहीं पिछले सत्र में कजाकिस्तान की खिलाड़ी किसी भी टूर्नामेंट के फाइनल में नहीं पहुंचीं थीं। इससे पहले रायबाकिना ने साल 2022 में विंबलडन खिताब जीता था। इस बार मुकाबले में रायबाकिना ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहला सेट 6-4 से जीता। इसके बाद सबालेंका के शानदार प्रदर्शन करते हुए दूसरा सेट जीतकर वापसी की। वहीं तीसरे सेट में कड़े संघर्ष के बाद कजाकिस्तान की खिलाड़ी ने जीत दर्ज की। सबालेंका ने तीसरे सेट में 2-0 की बढ़त बना ली। इसके बाद अपनी सर्विस होल्ड की और चेंजओवर से पहले 3-0 की बढ़त बना ली। वहीं इसके बाद रायबाकिना ने सबालेंका की सर्विस तोड़कर अच्छी वापसी कर स्कोर 3-3 से बराबर करने के बाद सर्विस गेम में ब्रेक अंक का सामना करने के बाद अपना तीसरा ब्रेक हासिल किया। वहीं अंतिम। आखिरी गेम में उन्होंने ऐस लगाकर मुकाबला जीत लिया। इसी के साथ एलेना रायबाकिना आस्ट्रेलियन ओपन जीतने वाली कजाकिस्तान की पहली खिलाड़ी बन गई हैं। इस ऐतिहासिक जीत के साथ उन्हें इनामी राशि के तौर पर 2.75 मिलियन डालर (लगभग 25 करोड़ 21 लाख भारतीय रुपए) मिले। इससे पहले साल 2022 में विंबलडन खिताब जीतकर वह ग्रैंड स्लैम जीतने वाली पहली खिलाड़ी बन गयी हैं।

एक सितारा ऐसा भी... 12 दिन का रहा जिसका अंतरराष्ट्रीय करियर

नई दिल्ली। क्रिकेट अनिश्चितताओं का खेल है। इस खेल में जब तक आखिरी गेंद फेंकी नहीं जाती, तब

तक कुछ भी नहीं कहा जा सकता। इस खेल से कई खिलाड़ी रातोंरात करोड़पति बन गए तो कइयों को मौके मिले लेकिन वह खुद को स्थापित नहीं कर सके। कई खिलाड़ी ऐसे भी रहे जिन्होंने अपने आखिरी मैच में शानदार प्रदर्शन किए, लेकिन इसके बाद वह टीम में दोबारा जगह नहीं बना सके। आस्ट्रेलिया के पूर्व मध्यम गति के तेज गेंदबाज एंथनी स्टुअर्ट भी उन्हीं खिलाड़ियों में शामिल हैं जिन्होंने अपने आखिरी मैच में चमक बिखेरी लेकिन दोबार वह आस्ट्रेलिया की ओर से अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेल सके। महज 12 दिन में स्टुअर्ट का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट करियर खत्म हो गया। लंबे कद के तेज गेंदबाज एंथनी स्टुअर्ट न्यू साउथ वेल्स की ओर से घरेलू क्रिकेट खेलते थे। दाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने अपने आखिरी वनडे अंतरराष्ट्रीय मैच में 5 विकेट चटकाए जिसमें हैट्रिक भी शमिल था। साथ ही उन्होंने फील्डिंग में भी कमाल का प्रदर्शन करते हुए दो कैच लपके। उन्हें उस मैच में प्लेयर आफ द मैच का अवार्ड दिया गया। लेकिन इस बदकिस्मत खिलाड़ी को इसके बाद अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने का मौका नहीं मिला। 5 जनवरी 1997 को वेस्टइंडीज के खिलाफ ब्रिस्बेन में वनडे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट करियर की शुरुआत करने वाले एंथनी ने अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच 16 जनवरी 1997 को पाकिस्तान के खिलाफ खेला। स्टुअर्ट एंथनी ने लारा को भेजा था पवेलियन एंथनी स्टुअर्ट ने घरेलू क्रिकेट में धमाकेदार प्रदर्शन के बाद आस्ट्रेलिया की नेशनल टीम में जगह बनाई थी।

इस रिकार्ड में ब्रैडमैन से भी आगे हैं क्लाइड वालकाट

नई दिल्ली। क्रिकेट इतिहास में सर डान ब्रैडमैन को सर्वकालिक महान बल्लेबाज माना जाता है। उनके नाम

ऐसे कई रिकार्ड दर्ज हैं, जो दशकों से कायम हैं और जिन्हें तोड़ना तो दूर, उनकी बराबरी करना भी बेहद मुश्किल रहा है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में ब्रैडमैन ने रिकार्ड्स की झड़ी लगाकर अपने शानदार करियर को अमर बना दिया, लेकिन एक खास मामले में वेस्टइंडीज का एक दिग्गज बल्लेबाज ब्रैडमैन से भी आगे निकल गया। यह खिलाड़ी कोई और नहीं, बल्कि क्लाइड वालकाट हैं, जिनके नाम एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा पांच शतक लगाने का वर्ल्ड रिकार्ड दर्ज है, जिसे आज तक कोई नहीं तोड़ सका है। यह ऐतिहासिक कारनामा आस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज के बीच खेली गई टेस्ट सीरीज में देखने को मिला था, जब कंगारू टीम पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए वेस्टइंडीज दौरे पर आई थी। भले ही उस सीरीज में वेस्टइंडीज को एक भी जीत नसीब नहीं हुई, लेकिन क्लाइड वालकाट की बल्लेबाजी ने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। वालकाट ने इस सीरीज के पांच टेस्ट मैचों में कुल 827 रन बनाए और इस दौरान उनके बल्ले से पांच शतक निकले। इसी के साथ उन्होंने एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा शतक लगाने का ऐसा रिकार्ड बनाया, जो आज भी अटूट है। इससे पहले यह उपलब्धि डान ब्रैडमैन के नाम थी।

अंडर 19 वर्ल्ड कप

भारत ने पाकिस्तान को 58 रन से हराया

बुलावायो, 01 फरवरी (एजेंसियां)। भारत ने अंडर-19 वर्ल्ड कप 2026 के सुपर-6 मुकाबले में पाकिस्तान को 58 रन से मात दी। इसी के साथ टीम इंडिया ने सेमीफाइनल-2 में जगह बना ली है, जहां 4 फरवरी को उसका सामना अफगानिस्तान से होगा। पाकिस्तान को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए 33.3 ओवरों में जीत की दरकार थी, लेकिन टीम इंडिया ने न सिर्फ सेमीफाइनल का टिकट हासिल किया, बल्कि इस मैच को भी अपने नाम कर लिया। क्रीस स्पोर्ट्स क्लब में रविवार को टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम 49.5 ओवरों में 252 रन पर सिमट गई। टीम इंडिया 47 के स्कोर पर अपने 3 विकेट खो चुकी थी। यहां से विहान मल्होत्रा ने वेदांत त्रिवेदी के साथ चौथे विकेट के लिए 62 रन की साझेदारी करते हुए टीम को 100 के पार पहुंचा दिया। विहान 43 गेंदों में 21 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद वेदांत त्रिवेदी ने मोर्चा संभाला।

वेदांत ने 98 गेंदों में 68 रन की पारी खेली, जिसमें 1 छक्का और 2 चौके शामिल रहे। वहीं, कनिष्क चौहान ने 35 रन बनाए, जबकि आरएस अंबरीश ने 29 रन का योगदान टीम के खाते में दिया।पाकिस्तान की तरफ से अब्दुल सुभान ने सर्वाधिक 3 विकेट हासिल किए। वहीं, मोहम्मद सैय्याम ने 2 विकेट निकाले। अली रजा, अहमद हुसैन, मोमिन कमर और अली हसन ने 1-1 विकेट अपने नाम किया।

इसके जवाब में पाकिस्तानी टीम 46.2 ओवरों में महज 194 रन पर सिमट गई। हमजा जहूर और समीर मिन्हास की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 23 रन जुटाए। समीर 9 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जिसके बाद हमजा ने उस्मान खान के साथ दूसरे विकेट के लिए 65 रन जुटाए।हमजा 49 गेंदों में 8 चौकों के साथ 42 रन बनाकर आउट हुए। यहां से उस्मान खान ने कप्तान फरहान यूसुफ के साथ तीसरे विकेट के लिए 63 रन जुटाकर टीम को जीत की पटरी पर ला दिया था। फरहान ने 38 रन का योगदान टीम के खाते में दिया।पाकिस्तान ने 151 के स्कोर पर कप्तान फरहान का विकेट गंवाया, जिसके बाद भारत ने मैच में शानदार वापसी करते हुए जीत दर्ज की। टीम इंडिया की तरफ से खिलन पटेल ने 35 रन देकर 3 विकेट हासिल किए, जबकि कप्तान आयुष म्हात्रे ने 21 रन देकर 3 विकेट निकाले। इनके अलावा, अंबरीश, हेनिल पटेल, कनिष्क चौहान और विहान मल्होत्रा ने 1-1 विकेट अपने नाम किया।

प्रीमियर लीग : एंज़ो फर्नांडीज के स्टापेज-टाइम गोल से चेल्सी ने वेस्ट हैम को 3-2 से हराया

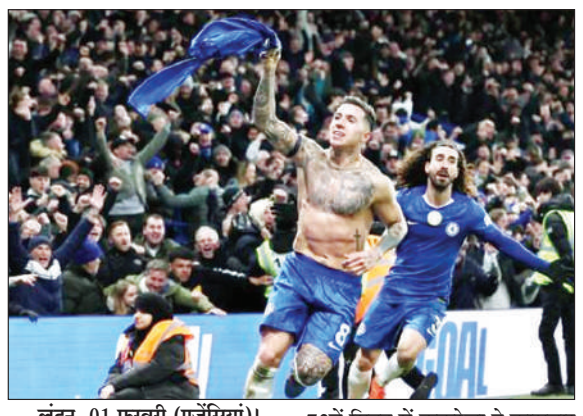

लंदन, 01 फरवरी (एजेंसियां)।

एंज़ो फर्नांडीज के स्टापेज-टाइम में दागे गए निर्णायक गोल की बदौलत चेल्सी ने शनिवार देर रात प्रीमियर लीग मुकाबले में वेस्ट हैम को 3-2 से हराते हुए शानदार वापसी दर्ज की। नए कोच लियाम रोसेनियर के नेतृत्व में यह चार दिनों में चेल्सी की दूसरी कमबैक जीत रही। रिलिगेशन ज़ोन में जूझ रही वेस्ट हैम ने मुकाबले के पहले हाफ में चेल्सी की ढीली शुरुआत का पूरा फायदा उठाया। सातवें मिनट में कप्तान जारोड बोवेन की क्रास गेंद दूर पोस्ट पर सीधे गोल में चली गई। इसके बाद 30वें मिनट में क्रिसेंशियो समरविले ने राबर्ट सांचेज़ को छकाते हुए जोरदार शाट से बढ़त दोगुनी कर दी। पहले हाफ के बाद स्टैमफोर्ड ब्रिज में फैन्स की नाराज़गी के बीच रोसेनियर ने ब्रेक में तीन बदलाव किए, जिसने मैच की तस्वीर बदल दी। दूसरे हाफ में मैदान पर उतरे जोआओ पेड्रो और मार्क कुकुरेला ने चेल्सी की वापसी की नींव रखी। 57वें मिनट में वेस्ली फोफाना की क्रास पर जोआओ पेड्रो ने हेडर से गोल कर स्कोर 1-2 किया, जिससे चेल्सी के हमलों में जान आ गई। 70वें मिनट में कुकुरेला ने क्रासबार से टकराकर वापस आई गेंद पर डाइविंग हेडर लगाते हुए बराबरी का गोल दाग दिया। 86वें मिनट में वेस्ट हैम के डिफेंडर जीन-क्लेयर टोडिबो के पास टीम को फिर से बढ़त दिलाने का मौका था, लेकिन वह चूक गए। इसी का खामियाजा वेस्ट हैम को भुगतना पड़ा, जब अतिरिक्त समय के दूसरे मिनट में एंज़ो फर्नांडीज ने जोआओ पेड्रो के कटबैक पर शानदार फिनिश कर चेल्सी को 3-2 की यादगार जीत दिला दी। मैच के बाद कुकुरेला ने कहा कि हाफटाइम में कोच रोसेनियर ने खिलाड़ियों से आत्मविश्वास के साथ खेलने को कहा था। उन्होंने स्काई स्पोर्ट्स से कहा, हाफटाइम में हमने बात की। आखिरकार यह हमारी मानसिकता और दूसरे हाफ में दिखाई गई भूख का नतीजा है। हम बहुत खुश हैं। मैच के अंतिम क्षणों में हुई झड़प के दौरान टोडिबो को लाल कार्ड दिखाया गया। इस जीत के साथ चेल्सी प्रीमियर लीग तालिका में चौथे स्थान पर पहुंच गई है और मैनचेस्टर यूनाइटेड से दो अंक आगे हो गई है।

क्रिकेट इतिहास का वह अनोखा मैच जो आज तक दोबारा नहीं खेला गया

नई दिल्ली। क्रिकेट के लंबे और रोचक इतिहास में कई ऐसी घटनाएं दर्ज हैं, जिनकी मिसाल आज भी दी जाती है। कुछ रिकार्ड दोहराए जाते हैं, तो कुछ कभी दोबारा संभव ही नहीं हो पाते। ऐसी ही एक ऐतिहासिक घटना 17 फरवरी 1883 को आस्ट्रेलिया के सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर घटी, जिसने टेस्ट क्रिकेट की किताब में एक ऐसा अध्याय जोड़ा, जो आज भी अनोखा है। यह वही मैच है जिसे एक्स्ट्रा टेस्ट' कहा जाता है और जिसने खेल के नियमों को हमेशा के लिए बदल दिया। यह मुकाबला उस दौर में खेला गया था, जब एशेज की शुरुआत हो चुकी थी। इंग्लैंड को अपने घर में आस्ट्रेलिया से हार मिली थी और ब्रिटिश मीडिया ने इसे क्रिकेट का अंत करार दिया था। अखबारों में तक लिखा गया कि आस्ट्रेलियाई टीम ट्राफी के साथ इंग्लैंड क्रिकेट की राख ले गई है। इस हार का बदला लेने इंग्लैंड टीम इवो ब्लाइ की कप्तानी में आस्ट्रेलिया पहुंची और यहीं से एशेज की ऐतिहासिक प्रतिद्वंद्विता की नींव मजबूत हुई। इंग्लैंड का आस्ट्रेलिया दौरा और निर्णायक मुकाबला इंग्लैंड और आस्ट्रेलिया के बीच तीन मैचों की टेस्ट सीरीज रखी गई। पहला टेस्ट मेलबर्न में आस्ट्रेलिया ने जीता, वहीं दूसरा मुकाबला इंग्लैंड ने अपने नाम कर सीरीज बराबर कर दी।

मोहम्मद अजहरुद्दीन का अनोखा कीर्तिमान

नई दिल्ली, 01 फरवरी (एजेंसियां)।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू मैच में शतक जमाना किसी भी बल्लेबाज के लिए गर्व और यादगार उपलब्धि होती है। अगर यह शतक टेस्ट क्रिकेट में हो, तो इसका महत्व और बढ़ जाता है। भारतीय क्रिकेट के इतिहास में लाला अमरनाथ, गुंडप्पा विश्वनाथ, सौरव गांगुली, वीरेंद्र सहवाग, रोहित शर्मा और शिखर धवन जैसे दिग्गजों ने टेस्ट करियर की शुरुआत शतक से की है। लेकिन अपने आखिरी टेस्ट मैच में शतक लगाकर इस यात्रा को शानदार अंत देने का कमाल सिर्फ तीन भारतीय कर पाए हैं।

डेब्यू और आखिरी टेस्ट में शतक लगाने वाले इकलौते भारतीय बल्लेबाज

इन सबके बीच ऐसा अनोखा रिकार्ड सिर्फ एक भारतीय बल्लेबाज के नाम है, जिसने अपने टेस्ट करियर की शुरुआत और अंत दोनों शतक के साथ किए और वह नाम है मोहम्मद अजहरुद्दीन।

भारत के पूर्व कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन ने टेस्ट डेब्यू 1984 में इंग्लैंड के खिलाफ किया था। इस मैच की पहली ही पारी में उन्होंने 110 रन ठोककर अपने आगमन की जोरदार घोषणा की थी। इसके बाद अजहरुद्दीन लगातार दो और टेस्ट मैचों में भी शतक जमाने में सफल रहे। डेब्यू के बाद लगातार तीन टेस्ट मैचों में सेंचुरी लगाने का यह विश्व रिकार्ड आज भी उनके नाम दर्ज है और दुनिया का कोई भी बल्लेबाज इस उपलब्धि की बराबरी नहीं कर सका है। अजहरुद्दीन ने 2 मार्च 2000 को साउथ अफ्रीका के खिलाफ अपना आखिरी टेस्ट मैच खेला। टीम इंडिया की दूसरी पारी में उन्होंने 102 रन बनाकर अपने टेस्ट करियर को शानदार अंदाज़ में अलविदा कहा। भारत के लिए आखिरी टेस्ट में शतक लगाने वाले अन्य दो बल्लेबाज विजय मांजरेकर और विजय मर्चेंट रहे हैं। मांजरेकर ने न्यूजीलैंड के खिलाफ नाबाद 102 रन बनाए थे, जबकि विजय मर्चेंट ने इंग्लैंड के खिलाफ 154 रनों की यादगार पारी खेली थी।

अजहरुद्दीन के अलावा दुनिया में केवल चार और क्रिकेटर हैं जिन्होंने अपने टेस्ट करियर के पहले और आखिरी मैच में शतक लगाए हैं। इनमें आस्ट्रेलिया के ग्रेग चैपल, रेजिनाल्ड डफ, विलियम पोंसफोर्ड और इंग्लैंड के महान बल्लेबाज एलिस्टर कुक शामिल हैं। अजहरुद्दीन का यह अनोखा रिकार्ड भारतीय क्रिकेट इतिहास में हमेशा खास स्थान रखेगा। डेब्यू और विदाई दोनों को शतक से सजाने की उनकी क्षमता उन्हें क्रिकेट की दुनिया में अलग पहचान देती है।

मोती की तीन विकेटों की बदौलत वेस्टइंडीज़ ने दक्षिण अफ्रीका को तीसरे टी20 में 6 रन से हराया

जोहान्सबर्ग, 01 फरवरी (एजेंसियां)।

शाई होप और शिमरान हेटमायर की बेहतरीन पारियों के बाद गेंदबाज़ी में गुडाकेश मोती के तीन विकेटों की मदद से वेस्टइंडीज़ ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बारिश से प्रभावित तीसरे और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय में सांत्वना जीत दर्ज की।

बिजली गिरने की आशंका के चलते मैच की शुरुआत में देरी हुई, जिसके बाद मुकाबला 16-16 ओवर प्रति टीम का कर दिया गया। हालांकि, वेस्टइंडीज़ की पारी के छह ओवर बाद एक और बार खेल रोका गया और अंतत: मैच को 10-10 ओवर प्रति टीम तक सीमित करना पड़ा। वेस्टइंडीज़ ने 10 ओवर में 3 विकेट पर 114 रन बनाए, जिसके जवाब में डीएलएस पद्धति के तहत दक्षिण अफ्रीका को 125 रन का संशोधित लक्ष्य मिला।

वेस्टइंडीज़ की पारी

वेस्टइंडीज़ की शुरुआत झटके के साथ हुई जब

जानसन चार्ल्स बिना खाता खोले लुंगी एनगिडी की गेंद पर आउट हो गए। इसके बाद शाई होप और शिमरान हेटमायर ने आक्रामक बल्लेबाज़ी करते हुए पारी को संभाला। हेटमायर ने तीसरे ओवर में एनगिडी पर दो छक्के जड़े, जबकि होप ने केशव महाराज के ओवर में एक चौका और दो छक्के लगाए। पांच ओवर में टीम का स्कोर 62/1 हो गया। बारिश के कारण लंबे ब्रेक के बाद खेल दोबारा शुरू हुआ। आठवें ओवर में होप और हेटमायर ने महाराज पर तीन छक्के लगाकर 20 रन बटोरे, हालांकि इसी ओवर में होप 25 गेंदों में 48 रन बनाकर आउट हो गए। रोवमैन पावेल ने भी दो छक्के लगाए लेकिन नौवें ओवर में पवेलियन लौट गए। हेटमायर 22 गेंदों में नाबाद 48 रन बनाकर अंत तक टिके रहे।

दक्षिण अफ्रीका की पारी

संशोधित लक्ष्य का पीछा करते हुए क्विंटन डी काक ने पहले ओवर में जेसन होल्डर पर 19 रन ठोककर तेज़ शुरुआत दिलाई। लेकिन इसके बाद वेस्टइंडीज़ के स्पिनरों ने मैच पलट दिया।

अकील हुसैन ने एडेन मार्करम को आउट किया, जबकि गुडाकेश मोती ने डी काक, रयान रिकेल्टन और डेवाल्ड ब्रेविस को जल्दी-जल्दी पवेलियन भेजकर दक्षिण अफ्रीका की रनचेज़ को पटरी से उतार दिया।

जेसन स्मिथ ने अंत में 10 गेंदों पर 26 रन बनाकर उम्मीद जगाई, लेकिन अंतिम ओवर में शमार जोसेफ की सटीक यार्कर पर वह बोल्ड हो गए। आखिरी ओवर में एक अजीब घटना भी देखने को मिली जब कार्बिन बाश का बल्ला शाट खेलते वक्त टूट गया और टीम को एक रन कम मिला। अंतत: दक्षिण अफ्रीका लक्ष्य से 6 रन पीछे रह गया।

संक्षिप्त स्कोर

वेस्टइंडीज़: 10 ओवर में 114/3
(शिमरान हेटमायर 48*, शाई होप 48; लुंगी एनगिडी 1/19)

दक्षिण अफ्रीका: 10 ओवर में 118/6
(क्विंटन डी काक 28, जेसन स्मिथ 26; गुडाकेश मोटी 3/17)

वेस्टइंडीज़ ने डीएलएस पद्धति से 6 रन से जीत दर्ज की।

महंगा हुआ कमर्शियल गैस सिलिंडर घरेलू सिलिंडर की कीमत में बदलाव नहीं

नई दिल्ली, 01 फरवरी (एजेंसियां)।

ऑयल मार्केटिंग कंपनियों (ओएमसी) ने से 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत में बढ़ोतरी कर दी है। हालांकि घरेलू उपयोग में आने वाले 14.2 किलोग्राम के एलपीजी सिलेंडर की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया गया है। मतलब रसोई गैस की कीमत में की गई बढ़ोतरी से घर के किचन के बजट पर कोई फर्क पड़ने वाला नहीं है। कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत 49 रुपये से लेकर 50 रुपये तक बढ़ा दी गई है। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के मुताबिक कीमत में की गई बढ़ोतरी के बाद अब राजधानी दिल्ली में 19 किलो वाले कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत 1691.50 रुपये से बढ़ कर 1740.50रुपये हो गई है। ताजा कटौती में कोलकाता में कमर्शियल सिलेंडर के दामों में 49.50 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। अब यहां 19 किलो का सिलेंडर 1,844.50 रुपये में मिल रहा है, जबकि पिछले महीने जनवरी में इसका रेट 1,795 रुपये था। इसके अलावा, मुंबई में 19 किलो एलपीजी सिलेंडर का नया रेट 49.50 रुपये बढ़ कर 1,692 रुपये हो गया है, जो पिछले महीने जनवरी में 1,642.50 रुपये था। वहीं चेन्नई में इसकी कीमत 50 रुपये बढ़ा कर 1,849.50 से 1,899.50 रुपये तय की गई है। सिर्फ कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में ही कटौती हुई है। घरों में इस्तेमाल होने वाले 14.2 किलो के एलपीजी सिलेंडर (रसोई गैस) की कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ है। घरेलू उपयोग वाले सिलेंडर की कीमत में आखिरी बार 8 अप्रैल 2025 को बदलाव हुआ था। दिल्ली में इसकी कीमत अभी 853 रुपये है। इसी तरह कोलकाता में 879 रुपये, मुंबई में 852.50 रुपये, चेन्नई में 868.50 रुपये, लखनऊ में 890.50 रुपये, अहमदाबाद में 860 रुपये, हैदराबाद में 905 रुपये, वाराणसी में 916.50 रुपये और पटना में 951 रुपये है। जानकारों का कहना है कि कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत हर महीने अंतरराष्ट्रीय बाजार में गैस की कीमत और टैक्स स्ट्रक्चर के आधार पर तय की जाती है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में गैस की कीमत बढ़ाने या घटना का सीधा असर ऑयल मार्केटिंग कंपनियों की लागत पर भी पड़ता है। इसीलिए हर महीने की पहली तारीख को लागत की समीक्षा करके गैस सिलेंडर के नए दाम का ऐलान किया जाता है।

न्यूज ब्रीफ

एक्सपोर्ट में क्रेटा-स्कार्पियो पीछे छोड़ा टोयोटा हायराइडर को

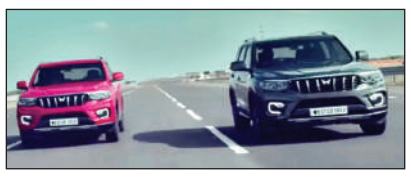

नई दिल्ली। एक्सपोर्ट के मामले में टोयोटा हाइराइडर ने सभी मॉडलों को पीछे छोड़ते हुए पहला स्थान हासिल किया है। हाल ही में भारतीय बाजार के बाहर सबसे ज्यादा एक्सपोर्ट होने वाली एसयूवी की सूची सामने आई है। बीते महीने दिसंबर 2025 में टोयोटा हायराइडर की 5,164 यूनिटें विदेश भेजी गईं, जो इसे इस सेगमेंट की सबसे ज्यादा एक्सपोर्ट होने वाली एसयूवी बनाता है। खास बात यह है कि देश में लगातार टॉप पर रहने वाली नेक्सन, क्रेटा और स्कॉर्पियो जैसी एसयूवी भी एक्सपोर्ट में इसके सामने टिक नहीं पाईं। दूसरे स्थान पर मारुति सुजुकी जिम्नी रही जिसकी 4,592 यूनिटें एक्सपोर्ट हुईं। वहीं ई-विटारा की 2,724 और फ्रोंक्स की 2,390 यूनिटें विदेशों में भेजी गईं। हालांकि फ्रोंक्स ने पिछली बार की तुलना में काफी गिरावट दर्ज की। महिंद्रा की एक्सयूवी 3एक्सह्न ने 999 यूनिट एक्सपोर्ट कर अपनी मौजूदगी मजबूत की। किया सोनेट की 966 और ग्रैंड विटारा की 849 यूनिटें एक्सपोर्ट हुईं। रेनॉ काइगर ने भी इस बार अच्छा प्रदर्शन करते हुए 751 यूनिटें एक्सपोर्ट कीं, जो पिछले साल के मुकाबले बेहतर है। क्रेटा की 511 और अल्कजार की 450 यूनिटें एक्सपोर्ट हुईं। मारुति ब्रेजा की केवल 53 और स्कॉर्पियो की 50 यूनिटें ही विदेशी बाजार में भेजी गईं, जबकि उनके घरेलू बाजार में यह आंकड़ा बहुत बड़ा रहता है। इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि टोयोटा हायराइडर अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेजी से लोकप्रिय हो रही है।

बीएमडब्ल्यू ने इलेक्ट्रिक सेडान आई7 के साथ रचा नया इतिहास

नई दिल्ली। बीएमडब्ल्यू ने लग्जरी इलेक्ट्रिक कार बाजार में अपनी फ्लेगशिप इलेक्ट्रिक सेडान आई7 के साथ नया इतिहास रच दिया है। 2.05 करोड़ रुपये की शुरुआती कीमत वाली यह कार बीएमडब्ल्यू इंडिया की लाइन-अप में सबसे प्रीमियम इलेक्ट्रिक सेडान मानी जाती है। बीएमडब्ल्यू आई7की भारत में बिक्री 1,000 यूनिट के आंकड़े को पार कर चुकी है, जो कि कंपनी के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह उन ग्राहकों के लिए डिजाइन की गई है, जो हाई-पर्फॉर्मेंस, अत्याधुनिक तकनीक और अल्ट्रा-लक्जरी फीचर्स वाली इलेक्ट्रिक कार की तलाश में हैं। बीएमडब्ल्यू आई7 ग्रुप इंडिया के प्रेसिडेंट और सीईओ हरदीप सिंह बरार के अनुसार, आई7 की बढ़ती बिक्री यह संदेश देती है कि भारत के प्रीमियम ग्राहक अब इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को पूरी तरह अपनाने के लिए तैयार हैं। उनका कहना है कि बीएमडब्ल्यू आई7 सिर्फ एक कार नहीं, बल्कि इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के भविष्य की दिशा में एक मजबूत कदम है, जो डिजाइन, लग्जरी और एक्शन में अपनी श्रेणी की सबसे अलग पहचान बनाती है। डिजाइन की बात करें तो आई 7 एक फ्यूचरिस्टिक लुक वाली कार है, जिसमें इल्यूमिनेटेड किडनी ग्रिल, प्रीमियम ड्यूल-हेडलैंप सेटअप और दमदार रोड प्रेजेंस मिलता है। इंटीरियर में 31-इंच 8के थिएटर स्क्रीन, मसाज और वेंटिलेशन वाली रियर एक्जीक्यूटिव सीटें, कर्व्ड डिजिटल डिस्प्ले और लक्जरी फिनिश इसे एक चलते-फिरते 5-स्टार लाउंज जैसा अनुभव देती हैं। बीएमडब्ल्यू इंडिया के लिए आई 7 उसकी इलेक्ट्रिक रणनीति का केंद्र मानी जा रही है। कंपनी अब अपने ईवी पोर्टफोलियो का विस्तार तेजी से कर रही है। आई 7 की सफलता यह साबित करती है कि भारत में लग्जरी इलेक्ट्रिक कारों का भविष्य बेहद उज्ज्वल है और ग्राहक अब नई तकनीक और टिकाऊ मोबिलिटी को अपनाने के लिए पहले से अधिक तैयार हैं।

छोटी कंपनी ने रिटेल निवेशकों को दिया मल्टीबैगर मुनाफा

नई दिल्ली। पिछले एक साल में शेयर बाजार में कई उतार-चढ़ाव और ट्रेड वॉर जैसी चुनौतियों के बीच सिंथको फालिस ने निवेशकों को हैरान कर दिया। कंपनी का शेयर अप्रैल 2025 के बाद लगातार ऊपर की ओर बढ़ता रहा। जहां इसका भाव पहले 455 रुपए था, वहीं अब यह 1,855 रुपए के स्तर को पार कर चुका है और साल में 2,610 रुपये के उच्चतम स्तर तक भी पहुंच चुका है। अगर किसी निवेशक ने साल भर पहले इस कंपनी में 1 लाख रुपये निवेश किए होते, तो आज उनकी वैल्यू लगभग 4.7 लाख रुपये तक पहुंच चुकी होती। यह करीब 370 फीसदी का रिटर्न दर्शाता है। खास बात यह है कि इसमें बड़े संस्थागत निवेशकों के बजाय आम रिटेल निवेशकों को सबसे ज्यादा लाभ मिला। कंपनी का बड़ा हिस्सा छोटे शेयरधारकों के पास होने के कारण मुनाफा सीधे आम जनता तक पहुंचा। 1994 में स्थापित सिंथिको फालिस एल्युमिनियम पैकेजिंग क्षेत्र की एक मजबूत कंपनी है। यह खाद्य पैकेजिंग, दवा पैकेजिंग के लिए ब्लिस्टर फॉइल्स, लैमिनेट्स और लिड्स तैयार करती है। भरोसेमंद वेंडर्स से उच्च गुणवत्ता का कच्चा माल लेने वाली यह कंपनी उद्योग में अपनी विश्वसनीयता के लिए जानी जाती है।

शुरुआती कारोबार में हाजिर सोना 8,610 रुपये तक टूटा, चांदी में 37 हजार की गिरावट

नई दिल्ली, 01 फरवरी (एजेंसियां)।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना और चांदी के भाव में लगातार आ रही गिरावट के कारण घरेलू सर्राफा बाजार में भी शुरुआती कारोबार के दौरान बड़ी गिरावट का रुख नजर आ रहा है। सोना के कारोबार में हाजिर 7,890 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 8,610 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया। इसी तरह चांदी के भाव में शुरुआती कारोबार में 37,000 रुपये प्रति किलोग्राम की गिरावट नजर आ रही है।

सोने के भाव में आई इस जोरदार गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,60,580 रुपये से लेकर 1,60,730 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,47,200 रुपये से लेकर 1,47,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। वहीं चांदी की कीमत में आई कमजोरी के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु 3,13,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,60,730 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,47,350 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,60,580 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,47,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,60,630 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,47,250 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,60,580 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,47,200 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,60,580 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,47,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,60,630 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,47,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,60,730 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,47,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,60,630 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,47,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,60,730 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,47,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में जोरदार गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,60,580 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,47,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

डिओ 125 स्कूटर का नया एक्स-एडिशन पेश

नई दिल्ली, 01 फरवरी (एजेंसियां)।

दो पहिया वाहन निर्माता कंपनी होंडा ने अपने लोकप्रिय 125सीसी स्कूटर सेगमेंट में डिओ 125 का नया एक्स-एडिशन पेश किया है। इसमें इंजन या परफॉर्मेंस से जुड़ा कोई बदलाव नहीं किया गया है, लेकिन इसके कॉस्मेटिक अपडेट इसे स्टैंडर्ड डिओ 125 से काफी अलग और ज्यादा स्पोर्टी बनाते हैं।

होंडा डिओ 125 एक्स-एडिशन को दो नए आकर्षक रंगों में उतारा गया है, जिनमें पियर्ल सिरेन ब्लू और पियर्ल डीप ग्राउंड ग्रे शामिल हैं। यह डुअल-टोन कलर स्कीम स्कूटर को फंकी और यूथफुल अपील देती है। बॉडी पर दिए गए नए ग्राफिक्स और रेड कलर के अलॉय व्हील्स इसके लुक में जबरदस्त कॉन्ट्रास्ट जोड़ते हैं। खासतौर पर लाल अलॉय व्हील्स इस स्कूटर को भीड़ से अलग पहचान दिलाते हैं और इसे एक स्पोर्टी कैरेक्टर देते हैं। फीचर्स के मामले में यह स्कूटर डिओ 125 के एच-स्मार्ट वैरिएंट जैसा ही है। इसमें टीएफटी डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, स्मार्टफोन कनेक्टिविटी, कॉल और एसएमएस अलर्ट, टर्न-बाय-टर्न नेविगेशन और यूएसबी टाइप-सी चार्जिंग पोर्ट जैसे आधुनिक फीचर्स दिए गए हैं। ये सभी सुविधाएं इसे रोजमर्रा के इस्तेमाल के लिए काफी प्रैक्टिकल बनाती हैं। इंजन की बात करें तो इसमें 123.92सीसी का एयर-कूल्ड, सिंगल-सिलेंडर इंजन दिया गया है, जो 8.19 बीएचपी की पावर और 10.5 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है।

यह इंजन स्मूद परफॉर्मेंस और अच्छी फ्यूल एफिशिएंसी के लिए जाना जाता है। होंडा डिओ 125 एक्स-एडिशन के आने वाले हफ्तों में भारतीय बाजार में लॉन्च होने की उम्मीद है और इसकी अनुमानित एक्स-शोरूम कीमत 93,000 से 93,500 रुपये के बीच हो सकती है। स्पोर्टी डिजाइन और लेटेस्ट टेक्नोलॉजी के साथ यह स्कूटर युवाओं के लिए एक मजबूत विकल्प बनकर उभर सकता है। यह स्कूटर खासतौर पर युवा ग्राहकों को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है, जो स्टाइल, टेक्नोलॉजी और भरोसेमंद परफॉर्मेंस का कॉम्बिनेशन चाहते हैं।

बैंक यूनियनों ने 12 फरवरी को प्रस्तावित राष्ट्रव्यापी हड़ताल का आह्वान किया

नई दिल्ली । प्रमुख बैंक संगठनों ने 12 फरवरी को देशव्यापी हड़ताल का आह्वान किया है। यह हड़ताल 10 केंद्रीय ट्रेड यूनियनों (सीटीयू) के संयुक्त आह्वान पर की जा रही है। बैंक यूनियनों का कहना है कि सरकार द्वारा नवंबर में अधिसूचित चार नए लेबर कोड्स पूरी तरह श्रमिक विरोधी हैं और कर्मचारियों के अधिकारों को कम कर रहे हैं। यूनियनों का आरोप है कि नए लेबर कोड्स के तहत यूनियनों के रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया कठिन बनाई गई है, जबकि 300 से कम कर्मचारियों वाले प्रतिष्ठानों के मालिक बिना सरकारी अनुमति कर्मचारियों की छंटनी कर सकते हैं। बैंक कर्मचारी कार्य घंटे बढ़ाने और अस्थायी रोजगार (फिक्स्ड टर्म एम्प्लॉयमेंट) को बढ़ावा देने के विरोध में भी हड़ताल में शामिल होंगे। यूनियनों ने सप्ताह में पांच दिन काम की मांग को प्रमुख मुद्दा बनाया है।

रॉयल एनफील्ड की दिसंबर की बिक्री में आया उछाल

नई दिल्ली, 01 फरवरी (एजेंसियां)।

रॉयल एनफील्ड कंपनी फिलहाल भारतीय बाजार में 350सीसी से 650सीसी सेगमेंट तक कुल नौ मॉडल बेचती है और खास बात यह है कि लगभग सभी अपने-अपने सेगमेंट में अग्रणी बने हुए हैं। रॉयल एनफील्ड ने दिसंबर 2025 में एक बार फिर अपने सबसे लोकप्रिय मॉडल क्लासिक 350 की बदौलत मजबूत सेल्स दर्ज कीं।

इन सबमें क्लासिक 350 कंपनी के लिए 'सोने का अंडा देने वाली मुर्गी' साबित हो रही है। दिसंबर में इसकी सबसे ज्यादा 34,958 यूनिटें बिकीं, जो पिछले साल के मुकाबले 5,321 यूनिट अधिक हैं। इस मॉडल ने सालाना आधार पर 17.95फीसदी की शानदार ग्रोथ दर्ज की और 37.52फीसदी मार्केट शेयर हासिल किया। बुलेट 350 भी बिक्री में तेजी से आगे बढ़ी। दिसंबर 2025 में इसकी 24,849 यूनिटें बिकीं, जो दिसंबर 2024 की तुलना में 76.87फीसदी की ग्रोथ है। वहीं हंटर 350 ने 20,654 यूनिटों की बिक्री के साथ 50.28फीसदी की तेजी दर्ज की। मीटिओर 350 की बिक्री भी 10,097 यूनिट के साथ 58.61फीसदी बढ़ी। हालांकि हिमालयन, 650 ट्विन, गुरिल्ला और शॉटगन जैसे मॉडल इस बार पिछड़ गए। इनमें हिमालयन की 23.81फीसदी, 650 ट्विन की 48.91फीसदी, गुरिल्ला की 49.88फीसदी और शॉटगन की 42.62फीसदी की सालाना गिरावट रही। फिर भी कंपनी की कुल बिक्री बहुत मजबूत रही।

दिसंबर 2025 में रॉयल एनफील्ड ने कुल 93,177 यूनिटें बेचीं, जो दिसंबर 2024 के 67,891 यूनिट के मुकाबले 25,286 यूनिट ज्यादा हैं। यानी कंपनी ने सालाना आधार पर 37.24 फीसदी की दमदार ग्रोथ हासिल की। क्लासिक, बुलेट और हंटर ने लगातार तीसरी बार शीर्ष तीन पोजीशन पर कब्जा बनाए रखा और यह इस बात का संकेत है कि 350सीसी सेगमेंट में रॉयल एनफील्ड की पकड़ अभी भी बेहद मजबूत है। इन आंकड़ों से साफ है कि कंपनी का 350सीसी पोर्टफोलियो भारतीय बाजार में लगातार भरोसे का प्रतीक बना हुआ है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

सीतारमण ने...

रूप में अपग्रेड करने का प्रस्ताव किया।

बजट में 50 प्रतिशत जिला अस्पतालों में आपात चिकित्सा तथा ट्रॉमा केंद्रों की सुविधाएं स्थापित करने का भी प्रस्ताव है।

दिव्यांग सहारा योजना के तहत बजट में भारतीय कृत्रिम मानवअंग विनिर्माण निगम को अपनी विनिर्माण सुविधाओं के विस्तार और अनुसंधान तथा विकास के लिए सहायता दी जायेगी।

श्रीमती सीतारमण ने अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, असम, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में बौद्ध सर्किट के विकास के लिए योजना की घोषणा की।

पाकिस्तान...

उन्होंने एक्स पर लिखा अच्छा हुआ छुटकारा मिल गया। अगर हम ऐसा नहीं कर पाए, तो आतंकिस्तान की टीम ने आगे बढ़कर यह जिम्मेदारी संभाली है।

आईसीसी को अब उस पर जुर्माना लगाना चाहिए ताकि आईएमएफ और वर्ल्ड बैंक से जुर्माना चुकाने के लिए कर्ज मांगा जा सके।

यह घोषणा उस अहम बैठक के कुछ ही मिनटों बाद आई, जिसमें पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ और मोहसिन नकवी मौजूद थे।

नकवी पहले ही संकेत दे चुके थे कि पाकिस्तान की भागीदारी पर अंतिम फैसला 30 जनवरी या 2 फरवरी तक आ जाएगा।

गौरतलब है कि पाकिस्तान ने टूर्नामेंट में भागीदारी पर पुनर्विचार तब शुरू किया, जब आईसीसी ने बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड को शामिल करने का फैसला लिया।

यह फैसला बांग्लादेश के भारत दौरे से इनकार के बाद लिया गया था।

आईसीसी ने बांग्लादेश की अपील खारिज करते हुए शेड्यूल में बदलाव से इनकार कर दिया और 24 घंटे का अल्टीमेटम जारी किया था।

अब सवाल यह है कि क्या आईसीसी पाकिस्तान पर जुर्माना लगाएगा? क्या टूर्नामेंट शेड्यूल में बदलाव होगा?

पाकिस्तान को भारी आर्थिक और खेल संबंधी नुकसान उठाना पड़ेगा?

फिलहाल इतना तय है कि भारत-पाक मुकाबले से पीछे हटकर पाकिस्तान ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बड़ा विवाद खड़ा कर दिया है और अब सबकी नजरें आईसीसी के अगले कदम पर टिकी हैं।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, सोमवार, 02 फरवरी, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

माँ जीण माता का 12वाँ वार्षिकोत्सव भव्य रूप से मनाया गया

माँ का अलौकिक श्रृंगारिक दरबार, छप्पन भोग और चुनरी उत्सव ने भक्तों को किया भावविभोर

चंडीगढ़ के प्रसिद्ध भजन गायकों ने माता की भक्ति में डुबोया पूरा वातावरण

हैदराबाद, 01 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री जीण माता प्रचार समिति (जेएमपीएस), हैदराबाद के तत्वावधान में माँ श्री जीण माताजी का 12वाँ वार्षिकोत्सव आज अत्यंत भव्य और धार्मिक उत्साह के साथ मनाया गया। सिकंदराबाद स्थित ड्रीमलैंड गार्डन में आयोजित इस भव्य समारोह में माँ जीण शक्ति मंगल पाठ एवं भजनोत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें माता का अलौकिक श्रृंगारिक दरबार सजाया गया।

भक्तों ने बड़ी संख्या में कतारबद्ध होकर छप्पन भोग, चुनरी उत्सव और अखंड ज्योत के दर्शन किए। अवसर पर चंडीगढ़ के प्रसिद्ध भजन गायक आशीष देशवाल, सोनीपत के पुनीत राठी एवं चंडीगढ़ की याची धौचक ने अपनी मधुर भजन प्रस्तुतियों से पूरा वातावरण माता की भक्ति में रंग दिया।

भक्तजन भाव-विभोर होकर माँ के चरणों में नतमस्तक हुए।

कार्यक्रम में पूर्व विधायक चिंतला रामचन्द्र रेड्डी, जसमट पेटल, राकेश अग्रवाल, सुरेश शर्मा, आनंद बोहरा, सतीश जाजू, रिद्धीश जागीरदार, राजेन्द्र शर्मा सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों का सम्मान किया गया।

समिति के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं का सक्रिय योगदान

कार्यक्रम में समिति के चेयरमैन राकेश अग्रवाल, अध्यक्ष उमेश शर्मा, मंत्री प्रदीप मिश्रा, कोषाध्यक्ष मुकेश अग्रवाल, वरिष्ठ कार्यसमिति सदस्य नंद कुमार जोशी, सुरेन्द्र शाह, हरिगोविन्द अग्रवाल, राजकुमार गुप्ता, संजय गुप्ता, दीपक अग्रवाल, नरेन्द्र कुमार गोयल, मनमोहन अग्रवाल, नवीन खंडेलिया, खेमचंद अग्रवाल, सीए सचिन अग्रवाल, नरेश चौधरी, भुनेश्वर अग्रवाल, दीपक अग्रवाल, निर्गुणलाल मिश्र, योगेश सोनी, संजय अग्रवाल, नरेश कुमार अग्रवाल, शंकरलाल गोयल (कोटवाले), विजेन्द्र कुमार अग्रवाल, हितेन्द्र मिश्रा, नरेन्द्र मिश्रा, मनोज कुमार गोयल, वेद प्रकाश, दीपक कुमार मोदी, उमेश अग्रवाल, संतोष शर्मा पाराशर, प्रभा खंडेलिया, रविन्द्र खेतान, राहुल अग्रवाल, मुकेश अग्रवाल, आदित्य अनिल कुमार केड़िया, राजेन्द्र अग्रवाल, प्रदीप कुमार शर्मा, निलेश खेतान, रविन्द्र गुप्ता, अशोक कुमार अग्रवाल, विकास चौहान, चेतन कुमार सोनी, रमेश गर्ग, मनोहर लाल खेतान, नरेन्द्र कुमार अग्रवाल, विमल कुमार गुप्ता, चेतन शर्मा, रविन्द्र शर्मा, प्रदीप कासेरा, राजेन्द्र बोहरा, राम किशोर मित्तल, संजय कुमार खेडवाल, प्रहलाद मित्तल, महेश दीक्षित, राजेंद्र योगेश गुप्ता, दीपक अग्रवाल, मुरारीलाल खंडेलिया, कैलाशचंद अग्रवाल, दिलीप कुमार वर्मा, रजत अग्रवाल, नरेश रूंगटा, बाबूलाल मेघराज अग्रवाल, योगेश भूतिया, सीए राजेश कुमार अग्रवाल, मोहनलाल विजयवर्गीय, रेणु अग्रवाल, राजकुमार गुप्ता, दिलीप मित्तल, संजय गुप्ता, भगीरथमल सुन्दरलाल अग्रवाल, विजय अग्रवाल, निखिल भारद्वाज, उज्ज्वल अग्रवाल, सत्यमस्वरूप शर्मा, मनोज कुमार मित्तल, मनोज शर्मा, सचिन अग्रवाल, श्यामसुन्दर मिश्रा, मुकुन्दलाल सिंघानिया, राजकुमार अग्रवाल, संतोष कुमार अग्रवाल, राजकुमार शर्मा, दिनेश शर्मा ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

समिति ने सभी सहयोगियों का किया आभार

श्री जीण माता प्रचार समिति ने कार्यक्रम के सफल आयोजन में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले शिवराज लक्ष्मीचंद जैन ज्वेलर्स सहित सभी सहयोगियों, दानदाताओं और भक्तजनों का हृदय से आभार व्यक्त किया। यह वार्षिकोत्सव माँ जीण माता की कृपा और भक्तों की अटूट श्रद्धा का जीवंत प्रमाण साबित हुआ।

यूजीसी कानून के विरोध में अ. भा. कान्यकुब्ज ब्राह्मण महासभा सहित 20 संगठनों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा

सरसैया घाट (मां गंगा द्वार), 01फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। यूजीसी (विश्वविद्यालय अनुदान आयोग) द्वारा लागू किए गए कानून को काला कानून बताते हुए इसका कड़ा विरोध दर्ज कराने के लिए अखिल भारतीय कान्यकुब्ज ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय महामंत्री महेश कुमार मिश्र के नेतृत्व में 20 विभिन्न ब्राह्मण एवं सनातनी संगठनों के पदाधिकारी एवं सदस्यों ने आज सरसैया घाट से जिला कलेक्ट्रेट तक मार्च निकाला और जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन पढ़कर सौंपने के बाद महेश कुमार मिश्र ने कहा कि यूजीसी का यह कानून स्वर्ण समाज (ब्राह्मण एवं अन्य सवर्ण वर्ग) के हितों के खिलाफ है और इसे केवल एक विशेष वर्ग को खुश करने के लिए बनाया गया है।

उन्होंने न्यायालय पर पूर्ण विश्वास जताते हुए कहा कि इस कानून के खिलाफ कानूनी लड़ाई जारी रहेगी।

प्रदर्शनकारियों ने सवर्ण समाज जिंदाबाद, यूजीसी काला कानून मुर्दाबाद जैसे नारे लगाते हुए पूरे मार्ग में जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। ज्ञापन सौंपने के दौरान बड़ी संख्या में ब्राह्मण समाज के युवा, व्यापारी, अधिवक्ता और समाजसेवी उपस्थित रहे।

प्रमुख पदाधिकारी एवं गणमान्य व्यक्ति में- महेश कुमार मिश्र (राष्ट्रीय महामंत्री, अखिल भारतीय कान्यकुब्ज ब्राह्मण महासभा), अवधेश बाजपेई (अध्यक्ष, किराना व्यापार मंडल), अजय द्विवेदी (अध्यक्ष, सनातन मठ मंदिर सेवा समिति), दिलीप शुक्ल (पूर्व उपाध्यक्ष, अ.भा. कान्यकुब्ज ब्राह्मण महासभा), राजेश शुक्ल, विमल मिश्र (महामंत्री, ब्राह्मण सेवा समिति), शिवम त्रिपाठी (जिलाध्यक्ष, युवा प्रकोष्ठ ब्राह्मण एकता परिषद), अमित शुक्ल (सचिव, लक्ष्मी नारायण चैरिटेबल सोसाइटीज), राजेन्द्र अवस्थी, विनय अवस्थी (अध्यक्ष, अखंड ब्राह्मण समाज), ऋषि दुबे (अध्यक्ष, समग्र समन्वय समिति), अभय दुबे (अध्यक्ष, ब्राह्मण जागरूकता समिति), रजत मिश्र (सचिव, पं. प्रताप नारायण मिश्र स्मारक ट्रस्ट समिति), ओम मिश्र (मंत्री, ब्राह्मण यूथ ब्रिगेड), अभिषेक द्विवेदी (अध्यक्ष, पी रोड गांधीनगर व्यापार मंडल), विवेक शर्मा (पार्षद), जितेन्द्र मिश्र (मंत्री), अरविन्द मिश्र (कोषाध्यक्ष), आशीष मिश्र (मंत्री), धर्मेन्द्र शुक्ल (पूर्व जिलाध्यक्ष, ब्राह्मण यूथ ब्रिगेड), अनिल दीक्षित (कार्यकारिणी सदस्य, अधिवक्ता परिषद), सुधीर द्विवेदी (उपाध्यक्ष, सनातन मठ), मृत्युंजय द्विवेदी (एडवोकेट), मुकेश मिश्र, आकाश ठाकुर, मनोज सिंह, भानू प्रताप सिंह, हरनाम सिंह, अजित गुप्ता, रवि सक्सेना, यतीश श्रीवास्तव, पुनीत अरोड़ा, राजीव सिंह, गोपाल दीक्षित, रजत मिश्र, रवि शंकर तिवारी सहित अनेक सम्मानित नागरिक उपस्थित थे।

यह ज्ञापन एवं मार्च ब्राह्मण समाज की एकजुटता और उनके संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए एक मजबूत संदेश है। संगठनों ने घोषणा की कि यूजीसी कानून के खिलाफ आंदोलन जारी रहेगा और आवश्यकता पड़ने पर बड़े स्तर पर प्रदर्शन किया जाएगा।

बजट कारीगरों के उत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा

-भोलाराम पंवार
सचिव, सीरवी समाज बडेर शमशाबाद हैदराबाद

केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट 2026027 के लिए माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को कोटि-कोटि प्रणाम।इस बजट में टेक्सटाइल सेक्टर को सशक्त करने हेतु मेगा टेक्सटाइल पार्क की घोषणा तथा खादी एवं हथकरघा को मजबूती देने के लिए ङ्गमहात्मा गांधी ग्राम स्वराजफ पहल अत्यंत सराहनीय है। यह कदम ग्रामीण अर्थव्यवस्था और कारीगरों के उत्थान में महत्व-पूर्ण भूमिका निभाएगा।किसानों के हित में नारियल, काजू जैसी फसलों को बढ़ावा देकर कृषि विविधीकरण पर जोर दिया गया है, जिससे किसानों की आय बढ़ाने और खेती को अधिक लाभकारी बनाने में सहायता मिलेगी।सर्विस सेक्टर में रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए हाई-पावर्ड कमेटी के गठन की घोषणा एक दूरदर्शी निर्णय है। वहीं छोटे करदाताओं को राहत देते हुए 6 माह की विदेशी संपत्ति घोषणा योजना तथा आईटीआर फाइलिंग की समय-सीमा बढ़ाने जैसे कर संबंधी प्रावधान बेहद सराहनीय हैं।इन जनहितकारी और विकासोन्मुख कदमों के लिए भारतीय जनता पार्टी की सरकार का हृदय से धन्यवाद एवं आभार। यह बजट निश्चित रूप से समावेशी विकास और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक मजबूत कदम है।

PUBLIC NOTICE

This is to inform that, I Dr.Venu Gopal Seemakurthi S/o.Late S.V.Subbaiah, Aged 62 years, R/o.H.No.13-6-429/14/1, Kanaka Durga Colony, Near Casa Grand Gudimalkapur, Hyderabad. I lost the Original documents (Will Deed, Marks lists, original foreign experience certificates, saudi Iqama etc.,) and few property papers of my mother namely S.Bhagyavathamma, these documents are contained in one bag while shifting house from Langerhouse to Gudimalkapur on 13-12-2025, general public are nearby informal me, if the said bag are found anybody kindly intimate to me.

SINCERELY
Dr.Venu Gopal Seemakurthi, MDS
H.No.13-6-429/14/1,
Kanaka Durga Colony, Near Casa Grand, Gudimalkapur,
Hyderabad-500 0066.

CHANGE OF NAME

I, KOYLEE, is legally dependent Mother of Service No. 17016561X, Rank: HAV/CLK (SD) Name: SATBEER, residing at VILL: NAPLA, PO: CHHILRO, TEH: NANGAL CHOUDHARY, DIST: MAHENDER GARH, STATE: HARYANA, PIN: 123001, I have Changed my name from KOYLEE to KOYLI, My Date of Birth is 01-01-1967, Affidavit Singed by advocate and Notary P DAYAVATHI LLM Vide date 31.01.2026

अधिकांश की नज़र में केंद्रीय बजट सबका साथ–सबका विकास के दृष्टिकोण के अनुरूप

हैदराबाद, 01 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा रविवार को प्रस्तुत वर्ष 2026-27 के बजट पर नगरद्वय के विभिन्न संगठनों व गणमान्य लोगों द्वारा प्रतिक्रियाएँ दी गयीं, जिसमें बजट के विभिन्न पहलुओं पर अपनी-अपनी दुष्टि से प्रकाश डालते हुए बजट को सबका साथ-सबका विकास के दृष्टिकोण के अनुरूप बताया गया।

आम आदमी के लिए उम्मीद जगाने वाला बजट

–प्रमोद केडिया,चेयरमैन, अग्रसेन बैंक व अध्यक्ष अग्रवाल शिक्षा समिति

केंद्रीय बजट आम आदमी के लिए काफी उम्मीद जगाने वाला है। रोजगार, शिक्षा, खेती और छोटे शहरों के विकास पर फोकस है – ये तो अच्छी बात है, क्योंकि हम जैसे लोग तो यही चाहते हैं कि नौकरी मिले, पढ़ाई बेहतर हो और गांव-कस्बे भी आगे बढ़ें।

खासकर उत्तर-पूर्व के बारे में जो घोषणा की है, वो कमाल की लगी। बौद्ध स्थलों का विकास, नए 5 पर्यटन सर्किट बनाना, मंदिर-मठों का संरक्षण, तीर्थयात्रियों के लिए बेहतर सुविधाएं – अरुणाचल, सिक्किम, असम, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में ये सब होने वाला है। वहां के तवांग मठ, रुमटेक जैसे जगहों को अगर अच्छे से डेवलप किया गया तो पर्यटन बढ़ेगा, लोकल लोगों को काम मिलेगा, होटल-गाइड-ट्रांसपोर्ट सबका फायदा होगा और 4,000 ई-बसों की बात भी अच्छी है – पर्यटन के साथ पर्यावरण भी बच जाएगा, ट्रैवल आसान हो जाएगा। दुर्गापुर में इंडस्ट्रियल कॉरिडोर और पूर्वी तट पर विकास – ये सब सुनकर लगता है सरकार अब पूर्वी भारत को भी मजबूत कर रही है, जो पहले थोड़ा पीछे रह जाता था।

पर्यटन को रोजगार से जोड़कर कौशल विकास प्रोग्राम चलाने की बात भी सही लगी। देश के टॉप 50 पर्यटन स्थलों को चैलेंज मोड में डेवलप करना – मतलब राज्यों के साथ मिलकर काम होगा, तो शायद असली ग्राउंड लेवल पर बदलाव आएगा।

सपने को नई रफ्तार देने वाला बजट

–अनिरुद्ध गुप्ता, अध्यक्ष अग्रवाल समाज तेलंगाना

आम बजट 2026-27 सुनकर सच में दिल खुश हो गया! ये बजट सच में लोक-कल्याणकारी लग रहा है और विकसित भारत 2047 के सपने को नई रफ्तार देने वाला है।

सबसे पहले तो ये बात अच्छी लगी कि बजट सर्वसमावेशी और सर्वस्पर्शी है – मतलब हर वर्ग, हर क्षेत्र को साथ लेकर चलने की कोशिश है। गरीब से लेकर युवा, किसान से लेकर मध्यम वर्ग तक सबके लिए कुछ न कुछ है। ये युवा शक्ति का बजट है, जैसा कहा गया है – युवाओं को स्किल, जॉब्स और एंटरप्रेन्योरशिप के मौके देने पर फोकस है, जो आज की सबसे बड़ी जरूरत है।

मेंटल हेल्थ पर फोकस करना तो बहुत बड़ा और स्वागतयोग्य कदम है। पहले तो मेंटल हेल्थ को इतना महत्व नहीं मिलता था, लेकिन इस बार छखचक्अछड-2 (नॉर्थ इंडिया में नया कैंपस), रांची और तेजपुर के इंस्टीट्यूट्स को अपग्रेड करने की बात है। ये कदम लाखों लोगों की मदद करेगा, क्योंकि आजकल स्ट्रेस, डिप्रेशन जैसी समस्याएं बहुत आम हो गई हैं।

स्वास्थ्य सेक्टर का बजट भी बढ़ा है – 1.06 लाख करोड़ के करीब, जो पिछले साल से 10% ज्यादा है। रिसर्च और डेवलपमेंट पर जोर, कैंसर और रेयर डिजीज की दवाओं पर ड्यूटी कम करना, ट्रॉमा सेंटर्स, एलाइड हेल्थ प्रोफेशनल्स की ट्रेनिंग – ये सब हेल्थ सिस्टम को मजबूत बनाने के लिए जरूरी हैं। आयुष्मान भारत जैसी स्कीम्स को और बूस्ट मिलना अच्छा है।

कुल मिलाकर, बजट का मकसद आर्थिक विकास को सतत रखना, सबको बराबर मौके देना और इसबका साथ, सबका विकासफ की भावना से देश को आगे ले जाना है – ये बातें दिल को छू गईं।

बजट बहुत ही सराहनीय

–सीएस नवीन कुमार अग्रवाल सीनियर वाइस चेयरमैन अग्रसेन बैंक व सचिव अग्रवाल शिक्षा समिति

फाइनेंस मिनिस्टर श्रीमती निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किया हुआ केंद्रीय बजट बहुत ही सराहनीय है। आज पूरे विश्व की व्यवस्था नाजुक दौर से गुजर रही है। हर तरफ युद्ध का माहौल है, विश्व की अर्थ व्यवस्था लड़खड़ाई हुई है, इस नाजुक दौर में भारत जैसे देश का बजट पेश करना कोई मामूली बात नहीं है। बजट में मुख्य रूप से मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर पर विशेष ध्यान दिया गया है, कई तरह की रियायत दी गई है, जिसमें-इंफ्रास्ट्रक्टर, मेडिकल और शिक्षा पर बहुत सरे प्रस्ताव पेश किये गये हैं। प्रोफेशनल इंस्टीटूशन्स जैसे- आईसीएआई, आईसीडब्ल्यूएआई को शॉट टर्म प्रोफेशनल कोर्सेस चालू करने की बात कही गई है। पिछले वर्ष के बजट में घोषणा की गई इनकम टैक्स रिलीफ के कारण जो आर्थिक नुकसान हुआ है उस कारण इस वर्ष के बजट में इनकम टैक्स के टैक्स रेट्स में कोई बदलाव नहीं किया गया है, और एक्ट के प्रोविजन को इम्प्लीमेंटेशन करने पर जोन दिया गया है । 01.04.2026 से नया इनकम टैक एक्ट लागू होना है। इस कारण भी इनकम टैक्स में विशेष बदलाव नहीं है, इनकम टैक्ट रिटर्न्स फाइलिंग की तारीखों में बदलाव किया गया है, टैक्स ऑडिट रिपोर्ट लेट फाईलिंग पर पेनालटी की जगह लेट फीस का प्रावीधान किया गया है, एनआरआई को भारत में निवेश पर छूट दी गई है, विदेश यात्रा पर टीसीएस का रेट कम किया गया है, भारत अपने 5 ट्रिलियन इकोनॉमी टार्गेट को ध्यान में रखकर इस बजट को पेश किया गया है। इस बजट का मैं स्वागत करता हूँ। इस बजट को युवा शक्ति ड्राईवेन बजट भी कहा जा सकता है। बैंकिंग प्रणाली को सुधारने के लिए कमेटी का गठन किया जाए।

सामान्य बजट

–डॉ. दिलीप पंसारी, महासचिव हैदराबाद सिकंदराबाद रिटेल डीलर्स असोसिएशन

वर्तमान सरकार के द्वारा प्रस्तुत किए गए आम बजट में कैंसर, शुगर की साथ ही कुछ अन्य सुनिश्चित दवाइयों की कीमतों में कमी, 5 मेडिकल हब , 3 आयुर्वेदिक हब इत्यादि की घोषणा ने सरकार का देश की जनता के स्वास्थ्य के प्रति प्राथमिकता को दर्शाता है जो सराहनीय है।

शिक्षा , इलाज , टूरिज्म और अन्य कारणों से विदेश यात्रा को किफायती बनाने की कोशिश अवश्य की गई है लेकिन इसके समांतर में विभिन्न कारणों से घरेलू यात्रा और टूरिज्म को प्रोत्साहित किया जाना देश हित में हो सकता था।

आईटीआर को सुधारने हेतु 3 माह के समय को बढाने के अलावा इस क्षेत्र में कोई भी ऐसा कदम नहीं उठाया गया जिससे आयकर दाताओं की संख्या में बढ़ोतरी की संभावना बेहतर होती जबकि यह देश की आर्थिक स्थिति के लिएहितकारी हो सकता था।

हाई स्पीड ट्रेन के लिए घोषित 7 नए ट्रेन कॉरिडोर हैदराबाद के लिए एक शुभ सूचना है जिससे पुणे, बेंगलुरु और चेन्नई से हैदराबाद का जुड़ाव बेहतर होगा।

बजट में छोटे और खुदरा व्यावसाय , उद्योग , पर्यटन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में किसी भी तरह की कोई भी आकर्षक और लाभकारी घोषणा नहीं दिखी जो चिंतनीय और विचारणीय है।

सरकार द्वारा प्रस्तुत किया यह बजट सीधे रूप से आम जनता को आकर्षित और लाभकारी सिद्ध करते हुए नहीं दिखा।

इस बजट को एक सामान्य और साधारण बजट ही कहा जा सकता है ।

सबका साथ सबका विकास, अपनी बोतल–अपनी गिलास

–अरुण डाकोतिया चेयरमैन, पहाडी श्याम मंदिर

2047 विकसित भारत के लिए बहुत अच्छा बजट है । विदेश से डेटा सेन्टर के इन्वेस्टमेन्ट को 2047 तक टैक्स फ्री करने का फैसला प्रशंसनीय है । वर्तमान में भयावह बेरोजगारी के विषय पर और बेरोजगारी को दूर करने के बारे में कुछ भी प्रावधान नही दिए गए । हमारे तेलंगाना राज्य का नाम तक बजट में नहीं लिया गया । हमे आशा थी बजट में तेलंगाना राज्य को कुछ ना कुछ विशेष प्रावधान दिए जायेंगे ।बजट में एसटीटी बढाने का जो निर्णय लिया गया वह एक गलत फैसला है । पिछले वर्ष एसटीटी कलेक्शन करीब-करीब 48 हजार करोड़ रुपये था । पिछले वर्ष सरकार द्वारा मुफ्त की रेवड़िया 1.07 लाख करोड़ की बांटी गई । बजट में एसटीटी को डबल करने से करीब-करीब 95 हजार करोड़ रुपये आयेंगे । लेकिन इस प्रावधान के कारण शेयर मार्केट में निवेशकों के 10 लाख करोड़ एक ही दिन में डूब गए । सरकार को इस बारे में संज्ञान लेना चाहिए । वोट बैंक की राजनीति के लिए मुफ्त की रेवडियाँ कम करके, शेयर मार्केट में निवेशकों के निवेश को सुरक्षा प्रदान करने को प्राथमिकता दी जानी चाहिए ।

विकसित भारत का मार्ग प्रशस्त करने वाला बजट

–अविनाश देवड़ा महामंत्री, दि हैदराबाद किराना मर्चेंट्स एसोसिएशन

व्यापार, उद्योग एवं आत्मनिर्भर भारत को सशक्त करने वाला बजट है, केंद्रीय बजट 2026 विकासोन्मुखी, संतुलित एवं व्यापार-हितैषी बजट है। यह बजट छोटे व्यापारियों, एमएसएमई, रिटेल एवं उद्योग जगत को नई ऊर्जा देने वाला सिद्ध होगा। बजट में एमएसएमई सेक्टर को प्रोत्साहन, आसान ऋण व्यवस्था, डिजिटल प्लेटफॉर्म का विस्तार तथा कर प्रणाली को सरल बनाने जैसे प्रावधानों से व्यापार करने में सुगमता बढ़ेगी। इन्फ्रास्ट्रक्चर, लॉजिस्टिक्स और परिवहन क्षेत्र में निवेश से व्यापार की लागत घटेगी और गति बढ़ेगी।

डिजिटल भुगतान, ई-कॉमर्स और टेक्नोलॉजी आधारित सुधारों से पारदर्शिता बढ़ेगी तथा उपभोक्ता मांग को बल मिलेगा, जिससे रोजगार सृजन के नए अवसर भी पैदा होंगे।

हालांकि हम व्यापारिक समुदाय की यह अपेक्षा है कि आने वाले समय में जीएसटी का सरलीकरण, छोटे व्यापारियों के लिए कार्यशील पूंजी की आसान उपलब्धता तथा रिटेल ट्रेड सेक्टर को विशेष प्रोत्साहन दिया जाए।

कुल मिलाकर, बजट 2026 व्यापार जगत के विश्वास को मजबूत करने वाला और देश की अर्थव्यवस्था को नई ऊँचाइयों तक ले जाने वाला बजट है। इसके प्रभावी क्रियान्वयन से भारत का व्यापार एवं उद्योग क्षेत्र और अधिक सशक्त होगा।

इस बजट के लिए आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीजी एवं वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण जी का बहुत बहुत आभार।

बजट में अच्छा कदम उठाया है

–अरुणा गुप्ता माथुर वैश्य इन्टरनेशनल हैदराबाद ग्रेटर क्लब केन्द्रीय केबिनेट सदस्य तेलांगाना प्रदेश

वित्त मंत्री सीतारमण ने आज 2026-27 का आम बजट प्रस्तुत किया। लेकिन वो आम बजट ना होकर खास रहा है। हाँ उन्होंने देश के ज्यादातर राज्यों में खासकर केरल, उड़ीसा, तमिलनाडु को विकसित करने पर ध्यान दिया है नारियल, काजू,चन्दन की खेती करने वाले किसानों को ज्यादा महत्व दिया है।

प्रत्येक डिस्ट्रिक्ट में गर्ल्स होस्टल खोलने के लिए बजट में अच्छा कदम उठाया है जो कि बहुत आवश्यक है। मेडिकल अस्पताल खोलने और कैंसर एंव गम्भीर बीमारियों की दवाइयों को सस्ता करनें का बजट में विशेष ध्यान दिया है जो सभी सामान्य नागरिक के लिए अच्छा साबित होगा।

आर्युविज्ञान एंव आर्युवेदिक औषधि को बढ़ावा देने के लिए बजट में ठोस कदम उठाया है ।

रेलमार्ग पर हाईस्पीड ट्रेन चलाना अच्छी बात है लेकिन सामान्य नागरिक के लिए मंहगा सफर रहेगा।

सब मिलाकर देखा जाए तो आम बजट ना होकर खास बजट पर ध्यान केन्द्रित किया।

मध्यम वर्ग एंव निचले वर्ग और महिलाओं के लिए तो बजट में कुछ भी नहीं है।

आत्म निर्भर विकसित भारत के संकल्प को साकार करने वाला बजट

–रामपाल अट्टल, भूतपूर्व वाइस चेयरमैन महेश बैंक

मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारामन ने लगातार नौ बार बजट प्रस्तुत करते हुये एक कीर्थिमान स्थापित किया है। देश को अर्थव्यवस्था. सूचना तकनीक बायो फार्मा क्षेत्रों में समुचित विस्तार देने और गति को तेज करने के साथ उद्योग के हर क्षेत्र में आत्म निर्भर बनाने की संकल्पना को साकार करने के लिये सार्थक कदम और दूरगामी परिणाम लाने वाला बजट कहा जायेगा। सरकार की मंशा और प्राथमिकताओं को दर्शाता यह बजट अपने समावेशी प्रस्तावों से सुदृढ आर्थिक विकास, बेरोजगारी समस्या का समाधान, महिलाओं को सशक्त बना उन्हे विकास की मूलधारा में लाने, कृषि क्षेत्र को समुन्नत कर उन्हें अपने उत्पाद का उचित मूल्य मिले तथा किसान को उच्च दर देने वाली फसलों के लिये प्रेरित करने जैसी प्राथमिकताओं पर केन्द्रित है।

इस बजट में अगले पाँच वर्ष में अ.ख. आधारित नवीनतम तकनीक से युवा वर्ग को संसाधन उपलब्ध कराने के लिये रचनात्मक प्रयास करने पर फोकस किया गया है। विशेष रूप से चडचए और इन्फ्रा को नई तेज गति देने के लिये दस हजार करोड रु. का डचए ग्रोथ फण्ड बनाने का प्रस्ताव है

सेमी कन्डक्टर निर्माण को गति मिले इसके लिये भारत सेमीकन्डक्टर मिशन 2.00 के तहत इलेक्ट्रानिकस विनिर्माण योजना के लिये चालिस हजार करोड रुपये का प्रावधान, खनिज समृद्ध राज्य ओडिसा, आन्ध्रा प्रदेश, केरल, तमिलनाड को माइनिंग प्रोसेसिंग एंड रिसर्च को बढावा देने के लिये विशेष कारिडोर स्थापित करने के लिये सहायता देने की की योजना का प्रस्ताव किया गया है।

महिला सशक्तिकरण के उद्देश्य से लखपति दीदी की सफलता के बाद डक्ए चअठढ कि स्थापना का प्रस्ताव है।

इन्फ्रास्ट्रक्चर पर पूंजीगत व्यय के लिये 12.2 लाख करोड रुपये का प्रावधान है। टायर-2 व टायर-3 शहरों में बुनियादि ढांचे को मजबूत करते हुये पाँच लाख से अधिक आबादी वाले शहरों का विकास क्रम को गति देने के लिये सहायता जारी रखने का प्रस्ताव है।

पूरे बजट का सूत्रात्मक अध्ययन करने पर वित्त मंत्री की दूरदृष्टी की सराहना ही की जायेगी कि देश को विकसित और आत्म निर्भर बनाने के लिये, रोजगार उपलब्ध कराने, आर्थिक विकास को गति देने, समाज कल्याण के कार्यक्रमों को और अधिक सुदृढता प्रदान करने के लिये रचनात्मक योजनाये प्रस्तावित की है।

सैकड़ों गोशालाओं के लिए वरदान साबित होगा बजट

–महेश अग्रवाल अध्यक्ष, तेलंगाना गोशाला फेडरेशन

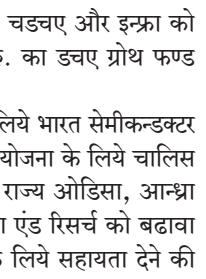

यह बजट केवल आंकड़ों का लेखा-जोखा नहीं है, बल्कि मूक पशुओं के प्रति संवेदना और उनके संरक्षण का रोडमैप है। विशेष रूप से ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में पशु चिकित्सा सेवाओं का विस्तार तेलंगाना की सैकड़ों गोशालाओं के लिए वरदान साबित होगा।

बजट में देश भर में 20,000 से अधिक नए पशु चिकित्सा पेशेवरों की उपलब्धता सुनिश्चित करने और निजी क्षेत्र में पशु चिकित्सा कॉलेजों व अस्पतालों की स्थापना के लिए लोन-लिंक्ड कैपिटल सब्सिडी की घोषणा एक क्रांतिकारी कदम है। इससे गोशालाओं में रह रहे पशुओं को समय पर और आधुनिक चिकित्सा मिल सकेगी।

पशुपालन क्षेत्र में उद्यमिता विकास कार्यक्रम और क्रेडिट-लिंक्ड सब्सिडी योजना से ग्रामीण युवाओं को गोशालाओं और डेयरी फार्मों के आधुनिकीकरण के लिए प्रोत्साहन मिलेगा।

सरकार द्वारा 1 करोड़ किसानों को प्राकृतिक खेती से जोड़ने का लक्ष्य सीधे तौर पर गोशालाओं को आत्मनिर्भर बनाएगा, क्योंकि प्राकृतिक खेती के लिए गोबर और गोमूत्र की मांग बढ़ेगी।

हम केंद्र सरकार के इस कदम का तहे दिल से स्वागत करते हैं।

हमारा राज्य सरकार से भी आग्रह है कि वह इन केंद्रीय योजनाओं का लाभ तेलंगाना की गोशालाओं तक पहुँचाने के लिए जिला स्तर पर विशेष समन्वय तंत्र स्थापित करे।

बजट से देशवासी को निराश

–मुकुंद लाल अग्रवाल संस्थापक : अग्रवाल मानव सेवा संस्था

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत से समस्त देशवासियों को निराशा हुई । उनके अनुमान के विपरीत बजट प्रस्तुत किया गया । इनकम टैक्स में छूट रहने की सभी देश वासियों को आशा रहती है लेकिन वैसा नहीं हुआ हालांकि कैंसर रोग, शुगर की दवाएं, मेडिकल उपकरण, मोबाइल फ़ोन की बैटरी, ई.वी. बैटरी, सी.एन. जी., जूते, चमड़े की वस्तुएं, विदेश यात्रा, आदि कुछ सस्ते हुए हैं । शराब, तम्बाकू, पान मसाला, विदेशी परफ्यूम, महंगी घड़ियाँ, आयातित वस्तुएं महंगी हुई है । विदेश से भारत में भ्रमण करने आने वालों हेतु स्थानीय गाइड को काफ़ी मदद एवं सुविधाएं प्रदान की गई । तेज रफ़्तार रेल गाड़ियों के सात रेल कॉरिडोर बनाने का निर्णय उत्साहजनक है । बजट के चलते शेयर बाज़ार में काफ़ी उथल पुथल रही तथा सेंट में सेंसेक्स क़रीब 1600 एवं निफ्टी में करीब 500 पॉइंट की गिरावट देखी गई ।

बजट से अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी

–शशिकांत अग्रवाल राष्ट्रीय संघटन मंत्री, अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन

वर्ष 2026-27 के बजट में गंभीर बीमारियों जैसे कैंसर, डायबिटीज आदि की दवाइयों के सस्ती होने से देश के करोड़ों मरीजों को सीधा लाभ मिलेगा। लंबे समय से इलाज का भारी खर्च झेल रहे रोगियों और उनके परिवारों पर आर्थिक बोझ कम होगा, जिससे स्वास्थ्य सेवाएं अधिक सुलभ बनेंगी।

ईवी (इलेक्ट्रिक व्हीकल) बैटरी सस्ती होने से इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा मिलेगा, जिसका सीधा असर प्रदूषण नियंत्रण पर पड़ेगा। इससे पेट्रोल-डीजल पर निर्भरता घटेगी और पॉल्यूशन-फ्री भारत के लक्ष्य को मजबूती मिलेगी।

इनकम टैक्स में डिस्क्लोजर स्कीम जैसा प्रावधान लाने से बड़े उद्य-ोगपतियों और कारोबारियों द्वारा विदेशों में रखा गया धन खुलकर देश में आने की संभावना बढ़ेगी। इससे सरकार के राजस्व में वृद्धि होगी और अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। हालांकि, आम करदाताओं के लिए इनकम टैक्स स्लैब में कोई विशेष बदलाव नहीं किया गया है।

टैक्स में दी गई छूट से निर्यात (एक्सपोर्ट) को बढ़ावा मिलेगा, जिससे भारत की वैश्विक बाजार में स्थिति मजबूत होगी। इसका प्रभाव अंतरराष्ट्रीय व्यापार और अमेरिकी विदेश नीति पर भी पड़ सकता है।

एमएसएमई सेक्टर को विशेष प्रोत्साहन मिलने से छोटे और मध्यम उद्योगों को नई ऊर्जा मिलेगी। मेगा टेक्सटाइल पार्क की स्थापना से कपड़ा उद्योग को बड़ा लाभ होगा। इससे न केवल रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, बल्कि चीन से होने वाला कपड़ा और अन्य संबंधित उत्पादों का आयात भी कम या बंद हो सकता है।

कुल मिलाकर, ये कदम स्वास्थ्य, पर्यावरण, उद्योग और अर्थव्यवस्थाचारों क्षेत्रों में देश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं।

केंद्रीय बजट 2026: विकास और विश्वास का बजट

–दिनेश जैन राष्ट्रीय चेयरमैन संघठन विस्तार फोरम अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच

केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट 2026 आत्मनिर्भर और विकसित भारत की दिशा में एक सकारात्मक कदम है। इस बजट में बुनियादी ढांचे, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार सृजन पर विशेष फोकस दिखाई देता है, जिससे आर्थिक विकास को नई गति मिलेगी।

मध्यम वर्ग को कर राहत देकर सरकार ने आम नागरिक की क्रय शक्ति बढ़ाने का प्रयास किया है। किसानों, एमएसएमई, स्टार्ट-अप और महिला उद्यमिता के लिए किए गए प्रावधान ग्रामीण व स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करेंगे।

वित्तीय अनुशासन बनाए रखते हुए विकास को प्राथमिकता देना इस बजट की सबसे बड़ी विशेषता है। कुल मिलाकर, यह बजट सभी वर्गों को साथ लेकर चलने वाला और भारत के उज्ज्वल भविष्य की नींव रखने वाला बजट है।

बेहतर जीवन स्तर प्रदान करने वाला बजट

–तिलायचा सोनाराम कुमावत प्रदेश अध्यक्ष, कुमावत समाज तेलंगाना

वित्तमंत्री द्वारा पेश किया गया बजट भारत की संकल्पना को चरितार्थ करने वाला है। इससे भारत के युवाओं को आत्मनिर्भरता, किसानों को अधिक आय, नारी शक्ति को सम्मान व स्वाभिमान तथा विशेष रूप से मध्यम एवं निम्न आय वर्ग को बेहतर जीवन स्तर प्रदान करने वाला बजट है। विकसित भारत के जनसंकल्प में हर भारतीय को शामिल करते हुए मभारत के इस बजटफ के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कुशल वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण व उनकी पूरी टीम को हार्दिक बधाई।

यह बजट सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है

–कालुराम काग किसान मोर्चा मंत्री भाजपा पाली सीरवी समाज कोरेमुला बडेर अध्यक्ष

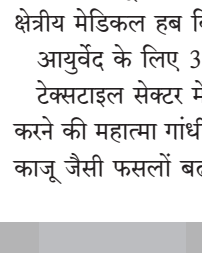

केंद्रीय बजट 2026-27 में विकास, विरासत और संकल्प का जिक्र है। यह बजट विकसित और समृद्ध भारत के निर्माण के साथ समाज के सभी वर्ग विशेषकर किसानों, युवाओं, गरीबों और महिलाओं को प्राथमिकता देने की सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

यह बजट देश के आर्थिक देश को आर्थिक समृद्धि, स्थिरता और प्रगति की ओर ले जाने में भी महत्वपूर्ण साबित होगा। इससे न केवल विकसित भारत निर्माण के प्रयासों को बल मिलेगा, बल्कि और भी ज्यादा मजबूती मिलेगी। ग्राम विकास, कृषि विकास, श्रमिक कल्याण के विकास को समर्पित बजट के लिए प्रधानमंत्रीजी और वित्तमंत्रीजी को बधाई देता हूँ।

केंद्रीय बजट 2026 : प्रगतिशील भारत की नई उड़ान

–सोहनलाल हाम्बड़ अखिल भारतीय सीरवी महासभा तेलंगाना प्रदेश सचिव

बजट में इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 लॉन्च, रिसर्च और ट्रेनिंग पर फोकस । बायोफार्मा शक्ति योजना के तहत 5 साल में 10,000 करोड़ का प्रावधान, भारत को ग्लोबल बायोफार्मा हब बनाने के लिए। रेयर अर्थ कॉरिडोर तमिलनाडु, केरल, ओडिशा और आंध्र प्रदेश में स्थापित करने का प्रस्ताव।7 नए हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर और 20 नए जलमार्गों की घोषणा।

मेडिकल टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए राज्यों को सपोर्ट, 5 क्षेत्रीय मेडिकल हब विकसित करने की योजना।

आयुर्वेद के लिए 3 नए अखिल भारतीय संस्थान।

टेक्सटाइल सेक्टर में मेगा पार्क और खादी-हथकरघा को मजबूत करने की महात्मा गांधी ग्राम स्वराज पहल।किसानों के लिए नारियल, काजू जैसी फसलों बढ़ावा, कृषि विविधीकरण पर जोर।

बजट में सराहनीय कदम उठाये गये

–हरजीराम काग
अखिल भारतीय सीरवी महासभा तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष
सीरवी समाज शमशाबाद बडेर संरक्षक

केंद्र सरकार द्वारा बजट 2026-27 पेश किया गया जिसके लिए प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री को कोटी कोटी प्रणाम।

टेक्सटाइल सेक्टर में मेगा पार्क और खादी-हथकरघा को मजबूत करने की महात्मा गांधी ग्राम स्वराज पहल, किसानों के लिए नारियल, काजू जैसी फसलों को बढ़ावा, कृषि विविधीकरण पर जोर। सर्विस सेक्टर में रोजगार बढ़ाने के लिए हाई-पावर्ड कमेटी गठित करने का ऐलान किया गया व छोटे करदाताओं के लिए 6 महीने की विदेशी संपत्ति घोषणा योजना ओर इसी के साथ आईटीआर फाइलिंग डेडलाइन बढ़ाने जैसे टैक्स राहत उपाय किए गए जो बहुत ही सराहनीय कदम उठाया गया उसके लिए भाजपा सरकार को धन्यवाद व आभार।

प्रगतिशील भारत की नई उड़ान!

–सोहनलाल परिहार
उपाध्यक्ष,
सीरवी समाज बडेर जीडिमेटला हैदराबाद

केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट 2026027 देश के हर वर्ग को सशक्त करने की स्पष्ट दृष्टि प्रस्तुत करता है।मध्यम वर्ग को राहत देते हुए आयकर नियमों का सरलीकरण किया गया है, जिससे कर व्यवस्था अधिक पारदर्शी और सहज बनेगी।किसानों के हित में डिजिटल कृषि को बढ़ावा देने के साथ-साथ नारियल एवं काजू संवर्धन की नई योजनाएं कृषि विविधीकरण और आय वृद्धि में सहायक होंगी।

युवाओं के लिए नए अवसर सृजित करने हेतु शिक्षा और कौशल विकास पर अभूतपूर्व ध्यान दिया गया है, जो आत्मनिर्भर भारत की मजबूत नींव बनेगा। इंफ्रास्ट्रक्चर विकास को नई गति देते हुए 7 नए हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर और 11 लाख करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय की घोषणा देश की आर्थिक प्रगति को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगी।

यह बजट सही मायनों में 'सबका साथ, सबका विकास' के मंत्र को चरितार्थ करता है और विकसित भारत की ओर बढ़ते कदमों का सशक्त प्रतिबिंब है। प्रगतिशील, आत्मनिर्भर और समृद्ध भारत के निर्माण हेतु इस दूरदर्शी बजट का हार्दिक अभिनंदन।

पूंजीगत व्यय की घोषणा सराहनीय

–गौरीदेवी काग
भाजपा पंचायत समिति सदस्य रायपुर जिला ब्यावर राजस्थान

केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट 202602027 के लिए प्रधानमंत्री जी एवं वित्त मंत्री जी का आभार। इस बजट में मध्यम वर्ग को राहत देते हुए आयकर नियमों का सरलीकरण किया गया है। किसानों के हित में डिजिटल कृषि को बढ़ावा देने के साथ नई नारियल एवं काजू संवर्धन योजनाएं शुरू की गई हैं। युवाओं के लिए अवसर सृजित करने हेतु शिक्षा और कौशल विकास पर अभूतपूर्व ध्यान दिया गया है।

इंफ्रास्ट्रक्चर विकास को गति देने के लिए 7 नए हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर तथा 11 लाख करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय की घोषणा सराहनीय है। यह बजट वास्तव में झसबका साथ, सबका विकासफ के मंत्र को चरितार्थ करता है। विकसित भारत की ओर बढ़ते इन मजबूत कदमों का हार्दिक अभिनंदन।

गागर में सागर

–मंगलराम पंवार
सह सचिव, सीरवी समाज बडेर जीडिमेटला हैदराबाद

यह बजट वास्तव में गागर में सागर को परिभाषित करता है। समाज के सभी वर्गों की अभिलाषाओं को ध्यान में रखते हुए इसकी रूप-रेखा तैयार की गई है। यह बजट माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के मूल मंत्र सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास का सशक्त प्रतिबिंब है। सोने पर सुहागा वाली कहावत को चरितार्थ करते हुए इस बजट में करदाताओं को आयकर में अकल्पनीय एवं अविश्वसनीय छूट प्रदान की गई है, जिससे मध्यम वर्ग में खुशी की लहर दौड़ गई है। यह बजट भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक मील का पत्थर सिद्ध होगा तथा विकसित भारत की दिशा और दशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस ऐतिहासिक एवं दूरदर्शी बजट के लिए माननीय प्रधानमंत्री जी एवं माननीय वित्त मंत्री जी निश्चित रूप से साधुवाद के पात्र हैं।

भूमि, जल और वायु के लिए बजट

–अरुण लाहोटी
उपाध्यक्ष, तापमा

भारत के बजट में भूमि, आकाश और जल के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं शामिल हैं। सरकार औषधीय जड़ी-बूटियों की खेती को बढ़ावा देने के लिए विशेष योजनाएं शुरू कर रही है, जिससे आयुर्वेदिक दवाओं के उत्पादन में वृद्धि हो सके।

पशु पालन और विकास के लिए विशेष योजनाएं शुरू की जा रही हैं, जिससे दुग्ध उत्पादन और मांस उत्पादन में वृद्धि हो सके। सरकार उच्च शिक्षा के लिए विश्वविद्यालय टाउनशिप विकसित करने की योजना बना रही है, जिससे छात्रों को बेहतर शिक्षा सुविधाएं मिल सकें। सरकार रेलवे के माध्यम से पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए विशेष योजनाएं शुरू कर रही है, जिससे देश के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थलों को बढ़ावा मिल सके।

सरकार ट्रेकिंग और एडवेंचर टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए विशेष योजनाएं शुरू कर रही है, जिससे युवाओं को रोजगार के अवसर मिल सकें।

सरकार ई-बसों को बढ़ावा देकर वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने की योजना बना रही है, जिससे शहरों में स्वच्छ हवा मिल सके।

सरकार उच्च मूल्य वाली मछली पालन को बढ़ावा देने के लिए विशेष योजनाएं शुरू कर रही है, जिससे जल संसाधनों का बेहतर उपयोग हो सके और रोजगार के अवसर मिल सकें।

एस्ट्रोफिजिक्स के क्षेत्र में अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए विशेष योजनाएं शुरू कर रही है, जिससे देश के वैज्ञानिकों को अंतरिक्ष अनुसंधान में योगदान करने का अवसर मिल सके।

बजट में नीतिगत अंतराल और मूल्य नियंत्रण की आवश्यकता

–डॉ. अशोक केडिया
सीईओ, बॉक्सकी सलाहकार

मैं बजट में अस्पताल मूल्य नियंत्रण की अनदेखी और प्रत्यक्ष स्वास्थ्य सब्सिडी की कमी को देखकर निराश हूँ, जो आम जनता के लिए एक बड़ा कष्टदायक बिंदु है। विकेंद्रीकृत स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे और मगवर्नेंस लेयरफ (शासन परत) की अनुपस्थिति में, आप सीधे तौर पर मुद्रास्फीति को बढ़ावा दे रहे हैं।

आज के समय की मांग स्वास्थ्य सेवा मूल्य शासन रणनीति है। शुल्क को विनियमित करने के लिए तकनीक को पारदर्शिता प्रदान करनी चाहिए। चूंकि बजट अस्पतालों द्वारा की जाने वाली जानबूझकर अत्यधिक शुल्क वसूली को संबोधित करने में विफल रहा है, इसलिए स्थिति गंभीर है। अस्पताल ये मनमाने शुल्क इसलिए लगाते हैं क्योंकि मरीज के पास उपभोग्य सामग्रियों या सेवाओं की लागत की कोई दृश्यता नहीं होती है।हमने मेंटर टीमों के रूप में समाधान सुझाया था कि: रीयल-टाइम लागत ऑडिटिंग प्लेटफॉर्म बनाए जाएं और अस्पताल की इन्वेंट्री (जैसे स्टेंट, दवाएं, ऑक्सीजन) को ट्रैक करने के लिए खेढ का उपयोग किया जाए, ताकि बिल मैन्युअल प्रविष्टि के बजाय वास्तविक खपत डेटा द्वारा उत्पन्न हो।

चूंकि बजट 2026 में स्वास्थ्य लाभों में वृद्धि नहीं की गई है, इसलिए लागत का बोझ बीमा या जेब से होने वाले खर्च पर पड़ता है। अस्पतालों को भुगतान तभी जारी किया जाना चाहिए जब कुछ चिकित्सा मानक (ाळश्रशीींपशी) एक स्वतंत्र डिजिटल परत द्वारा सत्यापित हों, जो जानबूझकर की जाने वाली ओवरचार्जिंग को रोक सके।चूंकि बड़े अस्पताल महंगे और अनियंत्रित बने हुए हैं, इसलिए बजट की यह कमी पॉइंट-ऑफ-केयर तकनीक को आवश्यक बनाती है। यदि हम बुनियादी ढांचे (डायग्नोस्टिक्स) को बड़े शहरों के अस्पतालों की शोषणकारी कीमतों से हटाकर समुदाय में ले जाते हैं, तो हम इन मनमाने शुल्कों से पूरी तरह बच सकते हैं।

अन्यथा, यह बजट व्यापक आर्थिक दृष्टिकोण से तो अच्छी तरह से डिज़ाइन किया गया है, लेकिन अंतिम उपयोगकर्ताओं के लिए इसमें बहुत कुछ नहीं है। यह केवल अंतरराष्ट्रीय निवेशकों को आकर्षित करने, मेडिकल टूरिज्म, चडचए विनिर्माण और रियल एस्टेट विकास पर केंद्रित है, साथ ही कृषि क्षेत्र को लाभ पहुँचाते हुए देश की विकास दर की ओर अग्रसर है। इसलिए, पहली प्रतिक्रिया यही है कि समग्र विकास की तो उम्मीद है, लेकिन जन-स्वास्थ्य सुरक्षा में कमी है।

युवा शक्ति बजट

–लड्डू बंग
सिकंदराबाद

यह बजट सही मायनों में युवा शक्ति बजट है, जिसमें महिलाओं और गरीब वर्गों तक विकास का लाभ पहुंचाने का स्पष्ट निर्णय लिया गया है। युवाओं को सशक्त बनाने और रोजगार के अवसर बढ़ाने की मंशा इस बजट में साफ झलकती है।भारत को चिकित्सा पर्यटन (मेडिकल टूरिज्म) के एक प्रमुख वैश्विक सेवा केंद्र के रूप में विकसित करने हेतु ठोस कदम उठाए गए हैं, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं के साथ-साथ विदेशी मुद्रा आय में भी वृद्धि होगी।हालांकि इनकम टैक्स स्लैब में कोई बदलाव नहीं किया गया है, फिर भी समग्र आर्थिक संतुलन बनाए रखने की दिशा में बजट एक संतुलित प्रयास है।साथ ही छोटे एवं मध्यम उद्योगों के लिए नए कोष और क्रेडिट सहायता की व्यवस्था से उत्पादन, निर्यात और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।कुल मिलाकर, यह बजट समावेशी विकास, रोजगार सृजन और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक मजबूत आधार प्रदान करता है।

बजट सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है

–आर. कुलकर्णी
फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशन्स (एफआईईओ), दक्षिणी क्षेत्र

फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशन्स (एफआईईओ) के दक्षिणी क्षेत्र ने केंद्रीय बजट 2026-27 का स्वागत करते हुए इसे रोजगार सृजन, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई), विनिर्माण तथा वस्त्र, कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य, चमड़ा जैसे प्रमुख निर्यात क्षेत्रों को सशक्त बनाने वाला बजट बताया है।

दिनांक 1 फरवरी, 2026 को प्रस्तुत केंद्रीय बजट 2026-27 पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए एफआईईओ दक्षिणी क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष श्री गोपालकृष्णन ने कहा कि यह बजट वैश्विक व्यापार चुनौतियों, विशेषकर अंतरराष्ट्रीय शुल्क दबावों के बीच, भारत की आर्थिक मजबूती और प्रतिस्पर्धात्मकता को सुदृढ़ करने की दिशा में एक दूरदर्शी पहल है। वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत इस बजट में रोजगार संरक्षण, एमएसएमई सशक्तिकरण तथा श्रम-प्रधान निर्यात क्षेत्रों के लिए लक्षित समर्थन प्रदान किया गया है, जिससे दक्षिण भारत के प्रमुख निर्यात केंद्रों को व्यापक लाभ प्राप्त होगा।

उन्होंने आगे कहा कि यह बजट भारत को एक वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करने की सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। एमएसएमई को आर्थिक विकास के केंद्र में रखते हुए तथा वस्त्र, चमड़ा, काजू, समुद्री उत्पाद आदि क्षेत्रों को प्रोत्साहन देकर यह बजट दक्षिणी क्षेत्र के निर्यातकों को विस्तार, नवाचार और झविकसित भारतफ के राष्ट्रीय लक्ष्य में योगदान देने हेतु सक्षम बनाएगा।

बजट में बेरोज़गारी को एक प्रमुख समष्टि-आर्थिक चुनौती के रूप में स्वीकार किया गया है तथा एमएसएमई आधारित रोजगार सृजन को एक प्रभावी समाधान के रूप में प्रस्तुत किया गया है। समर्थ के अंतर्गत कौशल विकास कार्यक्रमों का विस्तार, शहरी स्वरोज़गार के लिए पीएम स्वनिधि योजना तथा श्रम-प्रधान उद्योगों को प्रोत्साहन जैसे उपायों से बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन की संभावना है। तेलंगाना, तमिलनाडु, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश एवं केरल में स्थित निर्यात क्लस्टरों को विशेष लाभ प्राप्त होगा, जिससे युवाओं एवं महिला कार्यबल के लिए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

एमएसएमई क्षेत्र को बजट में विशेष प्राथमिकता दी गई है। क्रेडिट गारंटी सीमा को 5 करोड़ से बढ़ाकर 10 करोड़ किया गया है तथा निवेश एवं टर्नओवर की सीमा को 2 से 2.5 गुना तक बढ़ाया गया है। इन प्रावधानों से एमएसएमई को सस्ती कार्यशील पूंजी की उपलब्धता सुनिश्चित होगी, जिससे वे वैश्विक आर्थिक चुनौतियों के बावजूद सतत संचालन कर सकेंगे।

वस्त्र क्षेत्र के लिए उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना का विस्तार, पीएम मित्रा पार्कों के त्वरित क्रियान्वयन, जीएसटी युक्तिकरण तथा कपास आयात शुल्क में छूट जैसे उपाय कच्चे माल की कीमतों को स्थिर करने और तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देंगे। वारंगल, कोयंबटूर, तिरुपुर और इरोड जैसे प्रमुख वस्त्र केंद्रों को इससे विशेष लाभ होगा।

इसके अतिरिक्त, अवसंरचना विकास, लॉजिस्टिक्स सुधार तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित आपूर्ति शृंखला दक्षता पर दिया गया बल दक्षिणी क्षेत्र के निर्यात गलियारों को और अधिक सुदृढ़ करेगा। झमेक इन इंडियाफ पहल के अंतर्गत नीति निरंतरता तथा यूरोपीय संघ और यूनाइटेड किंगडम के साथ प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौतों से निर्यातकों को नए अवसर प्राप्त होंगे। यह दक्षिणी क्षेत्र को वर्ष 2030 तक भारत के 2 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर के निर्यात लक्ष्य को प्राप्त करने में एक प्रमुख योगदानकर्ता के रूप में स्थापित करेगा।

सार्थक बजट

–प्रकाश एच. भंडारी
निवर्तमान अध्यक्ष अणुव्रत समिति, हैदराबाद

वित्त मंत्री निर्मला सितारमण द्वारा प्रस्तुत किया गया वित्तीय वर्ष 26 का बजट सच्चे अर्थ में प्रतुस्त एक सार्थक बजट हैं। इस बजट में वित्त मंत्री ने समाज के सभी वर्गों को खुश किया हैं। यह बजट सच्चे अर्थों में विकसित भारत की उपलब्धियों की ओर बढ़ता व सबका साथ-सबका विकास वाला बजट कहा जा सकता हैं। यह बजट आर्थिक सुधारिकरण व सर्व जन सुखाय सर्व जन हिताय वाला बजट है। इस बजट से शहरी इन्फ्रास्ट्रक्चर में विपुल धनराशि के आवंटन से नई नौकरियों में बढावा व नये रोजगार को प्रोत्साहन मिलेगा। इससे भारत के विकास को एक नई दिशा मिलेगी।

रेल्वे के लिए 7 हाई स्पीड रेलवे कोरिडोर के निर्माण व नार्थ ईस्ट राज्यों में बुद्धिस्ट टूरिज़्म के रूप में विकसित करने से ये राज्य भी मुख्य धारा से जुड़ेंगे ।दस हज़ार करोड़ कंटेनर उत्पादन व दस हज़ार करोड़ एमएसएमइ के लिए आवंटित करने से उद्योगों में उत्पादन को ओर गति मिलेगी । मेडिकल टूरिज़्म के माध्यम से पाँच क्षेत्रों को प्रोत्साहित करने से देश में स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार आएगा ।

लखपति दीदी, दिव्यांग जन के लिए विशेष पैकेज के साथ हर जिला में गर्ल्स हॉस्टल के निर्माण से काम काजी महिलाओं व शिक्षा के लिए महिलाओं को आवास उपलब्ध होंगे । खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए दस वर्षीय योजना से देश में खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभाओं को निखारने के अच्छे अवसर मिलेंगे । किसानों की आय बढ़ाने के लिए उच्च गुणवत्ता वालीं खेती की योजनाओं के साथ डेयरी व पोल्ट्री सेक्टर को प्रोत्साहन दिया जाएगा ।

इलेक्ट्रॉनिक्स सामग्री उत्पादन के लिए चालीस हज़ार करोड़ आवंटित कर इस सेक्टर को भी विशेष प्रोत्साहन देने से इलेक्ट्रिक सामानों की क़ीमतों में कमी आएगी । टेक्सटाइल्स पार्क बढ़ाने के साथ राज्यों को विकास के लिए विपुल धन राशि उपलब्ध कराने से राज्यों की आर्थिक स्थिति में मजबूती आएगी ।

इस बजट में विभिन्न प्रकार की राहतों से निम्न व मध्यम वर्ग एक बड़ी ताकत के रुप में उभरेगा व इस वर्ग के हाथ में ज्यादा पैसा बचाने की वजह से खर्च करने की ताकत बढ़ेगी, जिससे बाजार को एक नई पहचान मिलेगी। इस प्रकार कहा जा सकता हैं कि यह बजट अपने आप में एक सकारात्मक व संतुलित बजट हैं, सबके सपनों को पूरा करने वाला बजट हैं। इस बजट से निम्न व मध्यम वर्ग को सशक्त बनाने का प्रयास किया गया हैं।

निराशाजनक और दिशाहीन

–एन.के. सिंह
अध्यक्ष, उत्तर भारतीय नागरिक संघ एवं कांग्रेस नेता

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किया गया केंद्रीय बजट पूरी तरह से दिशाहीन है। इसमें आम जनता, युवाओं, मध्यम वर्ग, किसानों और महिलाओं की सुरक्षा के लिए कुछ भी ठोस प्रावधान नहीं किए गए हैं।

मध्यम वर्ग के लिए इनकम टैक्स स्लैब में कोई राहत नहीं दी गई है, जो बेहद निर-ाशाजनक है। इसके अतिरिक्त, डीजल, पेट्रोल और खाद्य तेल जैसी आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में किसी भी तरह की कमी नहीं की गई है, जिससे महंगाई का बोझ कम नहीं होगा। यह बजट आम नागरिक के लिए केवल निराशा लेकर आया है।

बजट काफ़ी सराहनीय

–राजेश तोशनीवाल
सामाजिक कार्यकर्ता

2026 का बजट काफ़ी सराहनीय रहा, क्योंकि इसमें देश के विकास, आर्थिक मजबूती और आने वाले समय की तैयारी पर साफ़ ध्यान दिया गया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किया गया यह बजट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के सपने को आगे बढ़ाता है। सड़क, रेल और ढांचागत विकास के लिए ज़्यादा पैसा रखा गया है, जिससे काम के नए अवसर पैदा होंगे और देश की तरक्की तेज़ होगी। सरकार ने खर्च और घाटे को संतुलन में रखने की कोशिश की है, जिससे अर्थव्यवस्था मजबूत बनी रहे। तकनीक, डिजिटल सुविधाओं, डेटा सेंटर और नई तकनीकों पर ज़ोर देकर भारत को आगे बढ़ाने की योजना है। देश में सामान बनाने को बढ़ावा देकर आयात पर निर्भरता कम करने और निर्यात बढ़ाने की कोशिश की गई है। साथ ही स्वास्थ्य और ग्रामीण विकास पर ध्यान देकर यह सुनिश्चित किया गया है कि विकास का लाभ आम लोगों तक पहुँचे। कुल मिलाकर यह बजट सरल, दूरदर्शी और देश के भविष्य के लिए लाभदायक है।

जनता की उम्मीदों के अनुरूप बजट

–संस्कार तोषनीवाल
कंप्यूटर साइंस इंजीनियर

बजट 2026 देश के समग्र विकास और आम जनता की उम्मीदों को केंद्र में रखकर तैयार किया गया है। इसमें शिक्षा और कौशल विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है, जिससे युवाओं को बेहतर भविष्य और रोजगार के नए अवसर प्राप्त हो सकें।

किसानों के लिए सहायता योजनाओं को विस्तार दिया गया है तथा ग्रामीण सुविधाओं को मजबूत किया गया है, ताकि गांवों की आय बढ़े और ग्रामीण जीवन स्तर में सुधार हो।

छोटे व्यापारियों और एमएसएमई सेक्टर को सहयोग देने के लिए आसान ऋण, नए प्रोत्साहन और वित्तीय सहायता की व्यवस्था की गई है, जिससे उत्पादन बढ़ेगा और रोजगार सृजन को गति मिलेगी।

स्वच्छ ऊर्जा और पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी योजनाओं पर विशेष जोर देकर सरकार ने आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित और सतत भविष्य का स्पष्ट संदेश दिया है।

इसके साथ ही महिलाओं और कमजोर वर्गों के लिए शुरू की गई विशेष योजनाएं इस बात का प्रमाण हैं कि सरकार समावेशी, संतुलित और न्यायसंगत विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।कुल मिलाकर, यह बजट देश को आत्मनिर्भर, प्रगतिशील और सशक्त भारत बनाने की दिशा में एक सकारात्मक एवं दूरदर्शी कदम है।

विकासोन्मुख और दीर्घकालीन दृष्टि वाला बजट

–आदित्य लोया
एजुकेशन काउंसलर शिक्षा.कॉम

इस बजट का मुख्य फोकस इंफ्रास्ट्रक्चर पर रहा है, हालांकि आम करदाता को कोई सीधी कर राहत नहीं मिली। सरकार ने विकास को गति देने और राजकोषीय अनुशासन बनाए रखने के बीच संतुलन साधने का प्रयास किया है, लेकिन महंगाई के दबाव में जूझ रहे मध्यम वर्ग की अपेक्षाएँ पूरी होती नहीं दिखीं।हाई-स्पीड रेल, मैन्युफैक्चरिंग और रणनीतिक खनिजों पर विशेष जोर दिया गया है, जो दीर्घकालीन आर्थिक मजबूती के लिए अहम हैं, किंतु इन योजनाओं का ज़मीनी स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन सबसे बड़ी चुनौती रहेगा।एमएसएमई और स्टार्ट-अप सेक्टर के लिए कई घोषणाएँ की गई हैं, लेकिन क्रेडिट फ्लो बढ़ाने और मांग सृजन को लेकर कोई स्पष्ट और समयबद्ध रोडमैप सामने नहीं आया है।शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्रों में आवंटन बढ़ाया गया है, पर गुणवत्ता सुधार और संरचनात्मक सुधारों के लिए ठोस एवं मापनीय योजनाओं का अभाव महसूस होता है।कुल मिलाकर, यह बजट विकासोन्मुख और दीर्घकालीन दृष्टि वाला है, लेकिन आम आदमी को तात्कालिक राहत देने के मामले में सरकार ने सतर्क और संयमित रुख अपनाया है।

उत्पादन और रोजगार सृजन को गति दे सकता है बजट

–भरत जाजू
कार्यकारिणी सदस्य, अखिल भारतीय माहेश्वरी सभा
सहमंत्री, तेलंगाना-आंध्रा प्रादेशिक माहेश्वरी सभा

वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण का यह लगातार नौवां बजट तथा मोदी सरकार 3.0 का तीसरा पूर्ण बजट रहा। इस बजट में सरकार ने दीर्घकालीन विकास को ध्यान में रखते हुए कई महत्वपूर्ण घोषणाएँ की हैं।

एमएसएमई सेक्टर को समर्थन देने के लिए वित्त वर्ष 2027 में आत्मनिर्भर भारत कोष में 4,000 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि जोड़ने का प्रस्ताव रखा गया है, जो घरेलू उत्पादन और रोजगार सृजन को गति दे सकता है। इंफ्रास्ट्रक्चर विकास के तहत 7 हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर विकसित करने का प्रस्ताव रखा गया है, जिनमें पुणे0हैदराबाद, हैदराबाद0बेंगलुरु और हैदराबाद0चेन्नई जैसे प्रमुख कॉरिडोर शामिल हैं। इससे हैदराबाद शहर की रणनीतिक और आर्थिक प्राथमिकता और मजबूत होगी।महिला सशक्तिकरण की दिशा में वित्त मंत्री ने देश के हर जिले में बालिका छात्रावास स्थापित करने तथा महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए स्वयं सहायता उद्यमी मार्ट्स की स्थापना की योजना की घोषणा की, जो सामाजिक समावेशन की एक सशक्त मिसाल है। टैक्स सुधारों के तहत टीसीएस दर में कटौती, रिटर्न संशोधन की अवधि बढ़ाना, छोटे करदाताओं के लिए प्रक्रियाओं को सरल बनाना तथा पीआरओआई निवेश सीमा बढ़ाने जैसे कदम उठाए गए हैं।कुल मिलाकर यह बजट भारतीय उत्पादन क्षेत्र और 'मेक इन इंडिया' पर केंद्रित दिखाई देता है। हालांकि, छोटे व्यापारियों और मध्यम वर्ग के लिए प्रत्यक्ष और ठोस राहत उपायों की कमी निराशाजनक रही, जिससे इस वर्ग की अपेक्षाएँ पूरी नहीं हो सकीं। समग्र रूप से यह बजट दीर्घकालीन औद्योगिक विकास की दिशा में मजबूत है, लेकिन आम व्यापारी और मध्यम वर्ग के दृष्टिकोण से इसमें कुछ खालीपन महसूस होता है।

दूरदर्शी बजट

–सपना गुप्ता
भाजपा नेता एवं केंद्रीय महिला मंडल मंत्री परिषद सांस्कृतिक संयोजिका

यह बजट देश की आर्थिक रूपरेखा को अधिक प्रतिस्पर्धी, प्रगतिशील और एक्सपोर्ट-ओरिएंटेड बनाने की दिशा में एक निर्णायक कदम है। इसमें ऐसे सिस्टम सुधारों को प्रोत्साहित किया गया है जो उद्योगों के विस्तार, निवेश को आकर्षित करने तथा वैल्यू चेन को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। कुल मिलाकर, यह बजट भारत को वैश्विक उत्पादन और निर्यात केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में दूरदर्शी और संरचनात्मक परिवर्तन का संकेत देता है।

क्रांतिकारी बजट का हृदय से स्वागत

– राम प्रकाश अग्रवाल
गोयल फार्मा एंड गोयल ड्रग्स हैदराबाद

बजट 2026 ने यह सिद्ध कर दिया है कि मोदी सरकार न केवल आधुनिक तकनीक, बल्कि हमारी प्राचीन विरासत आयुर्वेद को भी वैश्विक शिखर पर ले जाने के लिए संकल्पित है। हम इस क्रांतिकारी बजट का हृदय से स्वागत करते हैं। यह बजट केवल आंकड़ों का खेल नहीं, बल्कि हर भारतीय की सेहत और स्वाभिमान का संरक्षण है।

इस बजट की बड़ी बातें जो आयुर्वेद की दिशा बदल देंगी:

शिक्षा और संस्था: देश में 3 नए अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए) की स्थापना होगी। अब आयुर्वेद के क्षेत्र में भी हमारे युवाओं को विश्व स्तरीय शिक्षा और शोध के अवसर मिलेंगे।

5 रीजनल मेडिकल हब्स: अब आयुर्वेद स्टैंडअलोन नहीं, बल्कि आधुनिक डायग्नोस्टिक और पोस्ट-केयर रिहैबिलिटेशन के साथ मिलकर काम करेगा।

होलीस्टिक + मॉडर्न मॉडल एक ही छत के नीचे!रोजगार का महाकुंभ: वेलनेस और रिहैब इकोसिस्टम को मजबूती देने के लिए स्किल डेवलपमेंट पर बड़ा फोकस । अगले 5 वर्षों में 1 लाख नए हेल्थ प्रोफेशनल्स और 1.5 लाख केयरगिवर्स को प्रशिक्षित किया जाएगा। यह हमारे युवाओं के लिए स्वावलंबन का नया द्वार है।वैश्विक पहचान: जामनगर के डब्ल्यूएचओ ग्लोबल ट्रेडिशनल मेडिसिन सेंटर को और आधुनिक बनाकर भारत को फार्मेसी ऑफ द वर्ल्ड बनाया जा रहा है। अब पूरी दुनिया में एविडेंस-बेस्ड आयुर्वेद की गूंज होगी।क्वालिटी पर जोर: आयुर्वेदिक दवाओं की शुद्धता और विश्वसनीयता के लिए 1,000 क्लीनिकल ट्रायल साइट्स का नेटवर्क तैयार होगा। अब हमारी औषधियाँ पूरी दुनिया में भरोसे के साथ अपना लोहा मनवाएंगी।आयुर्वेद केवल एक चिकित्सा पद्धति नहीं, बल्कि जीने की एक कला है। सरकार के इस दूरदर्शी फैसले से हील इन इंडिया का सपना साकार होगा और भारत फिर से विश्व गुरु की राह पर अग्रसर होगा।

फोन टैपिंग मामला: एसआईटी ने केसीआर से की साढ़े चार घंटे पूछताछ, दिखाए स्वीकारोक्ति वीडियो

हैदराबाद, 01 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। फोन टैपिंग मामले की जांच कर रही विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने रविवार को बीआरएस अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) से उनके बंजारा हिल्स स्थित नंदीनगर आवास पर साढ़े चार घंटे से अधिक समय तक कड़ी पूछताछ की।

सूत्रों के अनुसार, एसआईटी ने पूछताछ के दौरान केसीआर को इस मामले के आरोपियों और गवाहों के कबूलनामे के वीडियो और बयान दिखाए। इनमें मुख्य रूप से उनके भतीजे और पूर्व बीआरएस सांसद जोगिनपल्ली संतोष कुमार के बयान शामिल थे। बताया जा रहा है कि पूर्व मुख्यमंत्री शुरुआत में वीडियो देखने के प्रति अनिच्छुक थे और उन्होंने इस मामले को महत्वहीन बताकर खारिज करने की कोशिश की। हालांकि, एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, जैसे-जैसे पूछताछ आगे बढ़ी, उन्हें मामले की गंभीरता का एहसास होने लगा।

साक्ष्यों और बयानों के आधार पर तीखे सवाल

एसआईटी ने केसीआर से सीधे सवाल किए और तकनीकी व दस्तावेजी साक्ष्यों का हवाला दिया। जांच में विशेष रूप से एसआईबी प्रमुख के रूप में टी. प्रभाकर राव की पुनर्नियुक्ति के विवरण पर ध्यान केंद्रित किया गया। पूछताछ मुख्य रूप से मामले में पहले दर्ज किए गए अन्य व्यक्तियों के बयानों पर आधारित थी। एसआईटी ने बाद में रिकॉर्ड पर मौजूद साक्ष्यों के साथ केसीआर के जवाबों का मिलान और सत्यापन किया।

पूर्व मुख्यमंत्री का सामना प्रभाकर राव, राधाकिशन राव, एन. भुजंगा राव, प्रणीत राव और एम. तिरुपतन्ना जैसे पूर्व अधिकारियों द्वारा दिए गए बयानों से भी कराया गया। एसआईटी अधिकारी ने कथित फोन टैपिंग के पीछे के कारणों पर केसीआर से स्पष्टीकरण मांगा। बयान दर्ज करने के बाद, एसआईटी की टीम अपने साथ दो ट्रंक बॉक्स, कई फाइलें और इलेक्ट्रॉनिक सामान लेकर रवाना हुई।

सुरक्षा के कड़े इंतजाम और एसआईटी की रणनीति

पूछताछ की प्रक्रिया दोपहर 3:10 बजे शुरू हुई और शाम 7:40 बजे तक चली। कानूनी विशेषज्ञों और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की मदद से तैयार किए गए सवालों के साथ एसआईटी की टीम समय से कुछ मिनट पहले ही केसीआर के आवास पर पहुंच गई थी। शहर के पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनर ने स्पष्ट किया कि उन्होंने पूछताछ में हिस्सा नहीं लिया, लेकिन वे पूरी जांच की निगरानी कर रहे थे। रात 10:37 बजे सज्जनर ने अपने म एक्स म हैंडल पर पूछताछ पूरी होने की आधिकारिक घोषणा की।

एसआईटी टीम में अंबर किशोर झा, तस्वीर अहमद, एस.एम. विजय कुमार, ऋतुराज, के. नारायण रेड्डी, एम. रविंदर रेड्डी, के.एस. राव जैसे वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे, जबकि जुबली हिल्स एसीपी पी. वेंकटगिरी (जांच अधिकारी) ने मुख्य रूप से सवाल पूछे। पूछताछ आवास की दूसरी मंजिल पर हुई और एसआईटी ने स्पष्ट कर दिया था कि इस दौरान कानूनी परामर्शदाता (वकील) को मौजूद रहने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

छावनी में तब्दील हुआ बंजारा हिल्स

पूछताछ शुरू होने से पहले एसआईटी ने बीआरएस नेता टी. हरीश राव और अन्य लोगों को परिसर खाली करने के लिए कहा। पूर्व मुख्यमंत्री के आवास के आसपास सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस ने सात ड्रोन तैनात किए थे। सुरक्षा व्यवस्था में शहर की कानून-व्यवस्था, यातायात, सशस्त्र रिजर्व, क्विक रिएक्शन टीम, स्पेशल ब्रांच और टास्क फोर्स के 470 से अधिक पुलिस कर्मियों को आवास के 1.5 किलोमीटर के दायरे में तैनात किया गया था। अग्रसेन सर्कल पर आईसीसीसी को जोड़ने वाली सड़क सहित पांच रास्तों पर बैरिकेडिंग की गई थी और बंजारा हिल्स स्थित बीआरएस कार्यालय पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया था।

सेवा का संकल्प, राधे रानी की कृपा : महेश अग्रवाल

हैदराबाद, 01 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर की गौशाला के सामने नियमित सेवा प्रकल्प के अंतर्गत सेवा कार्य संपन्न हुआ। कार्यक्रम में सेवाभावियों ने श्रद्धा और समर्पण के साथ सहभागिता की।इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए श्री महेश अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप का संकल्प निस्वार्थ सेवा है और राधे रानी की कृपा से यह सेवा निरंतर आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि समाज के हर व्यक्ति को सेवा से जुड़ना चाहिए, क्योंकि सेवा से ही आत्मिक शांति और सामाजिक समरसता प्राप्त होती है।कार्यक्रम में अनिल भाई, पन्ना लाल जी, अरुण विजयवर्गीय, नीलम विजयवर्गीय, लता गोयल एवं अर्चना शास्त्री सहित अनेक सेवाभावी सदस्यों की सक्रिय सहभागिता रही। सभी ने मिलकर गौसेवा एवं अन्य सेवा कार्यों में सहयोग प्रदान किया।

अंत में राधे-राधे ग्रुप के सदस्यों ने संकल्प लिया कि भविष्य में भी इसी प्रकार निरंतर सेवा कार्य किए जाते रहेंगे और अधिक से अधिक लोगों को इस सेवा अभियान से जोड़ा जाएगा।

दो रजतमय जिन प्रतिमाओं की भव्य स्थापना सम्पन्न

हैदराबाद, 01 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तातेड निवास, रसूलपुरा, सिकंदराबाद में आज एक अत्यंत पावन और भावपूर्ण धार्मिक आयोजन संपन्न हुआ। पूज्य पंडित पूज्य श्री अभिनन्दनचंद्रसागरजी महाराज साहब के पावन निर्देश एवं निश्रा में दो रजतमय (चांदी की) प्रतिमाओं – जीरावल पार्श्वनाथ दादा और संकेश्वर पार्श्वनाथ दादा – का भव्य स्वागत एवं स्थापना समारोह आयोजित किया गया।प्रतिमाओं का पुष्प नक्षत्र सहित पूर्ण विधि-विधान, भाव, भक्ति और धूम-धाम के साथ संपन्न हुआ। तातेड परिवार के सदस्यों ने माता-पिता की भक्ति और श्रद्धा के साथ इन जिन भगवंतों को घर में विराजमान करवाया।इस पावन अवसर पर पुष्पा बेन जैन रत्न रमेशजी, गुणवती देवी पुखराजजी तथा समस्त तातेड परिवार (सिरोही निवासी) ने पूरा लाभ हर्षोल्लास एवं आनंद के साथ उठाया। परिवार के सदस्यों ने बताया कि यह घटना उनके जीवन की सबसे खुशी भरी और आध्यात्मिक उपलब्धि है, जिससे घर में सुख-शांति, समृद्धि और जिन शासन की कृपा बनी रहेगी।

जैन समाज में ऐसी रजतमय प्रतिमाओं की स्थापना को बहुत शुभ और पुण्यदायी माना जाता है। तातेड परिवार ने इस अवसर पर सभी भक्तजनों, रिश्तेदारों और समुदाय के लोगों का आभार व्यक्त किया, जिन्होंने इस कार्यक्रम में सहभागिता कर इसे और भी यादगार बनाया। यह आयोजन जैन धर्म की अहिंसा, भक्ति और आध्यात्मिक परंपरा को मजबूत करने का एक सुंदर उदाहरण साबित हुआ।

अभा मारवाड़ी सम्मेलन का पारिवारिक गेट-टु गेदर सम्पन्न

डॉ सुभाष अग्रवाल सहित अनेक हुए शामिल

बेंगलूरु, 01 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन, बेंगलूरु की प्रोफेशनल शाखा द्वारा सदस्यों एवं उनके परिवारजनों के लिए एक विशेष गेट-टु गेदर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन बेंगलूरु स्थित सैंक्चुरी क्लब में सौहार्दपूर्ण एवं आत्मीय वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य संगठन से जुड़े सदस्यों और उनके परिवारों के बीच आपसी परिचय, संवाद एवं सहयोग को प्रोत्साहित करना रहा। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में अखिल भारतीय मारवाड़ी फेडरेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ सुभाष अग्रवाल की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर बेंगलूरु प्रोफेशनल ब्रांच के अध्यक्ष दीपक जैन तथा सचिव महेश अग्रवाल भी उपस्थित रहे। उन्होंने आयोजन की रूपरेखा एवं उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दौरान समाज की एकता, विकास एवं सामूहिक प्रगति जैसे विषयों पर सार्थक विचार-विमर्श हुआ। इस मिलन समारोह ने सदस्यों को आपस में अनुभव साझा करने, संवाद स्थापित करने तथा दीर्घकालिक सामाजिक संबंधों को सुदृढ़ करने का अवसर प्रदान किया।

आयोजकों ने विश्वास व्यक्त किया कि इस प्रकार के आयोजन भविष्य में भी समाज में सहयोग, सहभागिता एवं संगठनात्मक मजबूती को बढ़ावा देने में महत्व-पूर्ण भूमिका निभाते रहेंगे। नीलम अग्रवाल, मयूर कनोदिया, सोनम, रचित अग्रवाल, रचना, श्याम अग्रवाल, पवन सुरुचि केजरीवाल, आकाश, संजय अग्रवाल व अमृता अग्रवाल सहित अनेक मौजूद रहे।

कोरेमुला स्थित श्री आई माताजी मंदिर में आयोजित श्री खेतलाजी भैरूजी के जागरण में भजन प्रस्तुत करते मोहनलाल भायल एंड पार्टी। अवसर पर उपस्थित संरक्षक प्रभुराम परिहारिया,अध्यक्ष कालुराम काग , उपाध्यक्ष राजाराम पंवार ,सह सचिव राजाराम गेहलोत, समस्त कार्यकारणी सदस्यगण व अन्य।

अग्रवाल केयर फाउंडेशन: श्री ओम प्रकाश अग्रवाल का सम्मान एवं महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 01 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल केयर फाउंडेशन ने आज एक भावपूर्ण और सार्थक कार्यक्रम आयोजित किया। फाउंडेशन के सलाहकार श्री ओम प्रकाश अग्रवाल जी का उनके निवास स्थान पर हार्दिक सम्मान किया गया। इस अवसर पर फाउंडेशन की एक महत्वपूर्ण बैठक भी हुई, जिसमें फाउंडेशन के प्रमुख सदस्यों ने भाग लिया।बैठक में श्री संजय पंसारी, श्री मनीष अग्रवाल, श्री ऋषभ अग्रवाल एवं श्री ललित अग्रवाल उपस्थित रहे। बैठक के दौरान अग्रवाल केयर फाउंडेशन की भावी योजनाओं, समाज सेवा से जुड़े आगामी कार्यों और भविष्य की कार्यदिशा पर गहन एवं सकारात्मक चर्चा हुई। सभी सदस्यों ने अपने विचार साझा किए और फाउंडेशन को समाज के हित में और अधिक प्रभावी बनाने पर जोर दिया।श्री ओम प्रकाश अग्रवाल जी के अनुभवपूर्ण मार्गदर्शन में फाउंडेशन को और सशक्त बनाने का संकल्प सभी ने लिया। बैठक में समाज सेवा के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छूने की दिशा में ठोस कदम उठाने पर सहमति बनी।अग्रवाल केयर फाउंडेशन ने सभी उपस्थित सदस्यों के बहुमूल्य समय, सहयोग और सक्रिय भागीदारी के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया। फाउंडेशन के पदाधिकारियों ने कहा कि श्री ओम प्रकाश अग्रवाल जी जैसे अनुभवी व्यक्तित्व का मार्गदर्शन फाउंडेशन के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा।यह कार्यक्रम अग्रवाल समुदाय और समाज के कल्याण के प्रति फाउंडेशन की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। फाउंडेशन जल्द ही समाज सेवा से जुड़े नए और प्रभावी कार्यक्रमों की घोषणा करने जा रहा है।

100 और आवारा कुत्ते मारे गए, मामला दर्ज

हैदराबाद, 01 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना में आवारा कुत्तों को मारे जाने की एक और घटना सामने आई है। पुलिस ने बताया कि रविवार को जगतियाल जिले में लगभग 100 कुत्तों को कथित तौर पर जहर देकर मार डाला गया।पशु अधिकार कार्यकर्ताओं का दावा है कि इस ताजा घटना के साथ आवारा कुत्तों की मौत का आंकड़ा 1,300 तक पहुंच गया है। इस घटना के संबंध में एफआइआर दर्ज की गई है। पशु कल्याण कार्यकर्ता ए. गौतम ने शिकायत दर्ज कराकर अब्बापुर गांव के सरपंच, उप सरपंच, पंचायत सचिव और अन्य लोगों पर आवारा कुत्तों को जहरीले इंजेक्शन लगाकर मारने का आरोप लगाया है।

गीत चाँदनी की पूर्णिमा कवि गोष्ठी आज

हैदराबाद, 01 फ़रवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

नगरद्वय के कवियों की सक्रिय और लोकप्रिय संस्था गीत चाँदनी के तत्वावधान में पूर्णिमा कवि गोष्ठी का आयोजन सोमवार, 02 फ़रवरी, 2026 को सायं दिन 6 बजे से मौज़मजाही मार्केट स्थित आरोग्य हॉस्पिटल, कैलाश डायग्नोस्टिक सेंटर के सेलार सभागृह में संपन्न होगा। कवि गोष्ठी की अध्यक्षता गीतकार श्री चंपालाल बैद करेंगे। आज यहाँ जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में उक्ताशय की जानकारी दी गयी है कि मगीत चाँदनीफ के कार्यदर्शी एवं ङ्गगोलकोण्डा दर्पणफ के संपादक व कवि गोविंद अक्षय कार्यक्रम का संचालन करेंगे तथा संस्था की गतिविधियों की जानकारी भी देंगे। उनके अनुसार इस अवसर पर आयोजित होने वाली कवि गोष्ठी में हैदराबाद के कवि देश की समसामयिक परिस्थितियों, सामाजिक सरोकारों, मानवीय मूल्यों तथा जीवन के विविध रंगों पर अपने गीत, ग़ज़ल, कविताएँ और हास्य-व्यंग्य रचनाएँ प्रस्तुत करेंगे।

बजट से 'विकसित भारत 2047' के विज़न की स्पष्ट झलक मिलती है

-पूजा गुप्ता
संस्थापिका एवं संचालिका प्रेरणा फाउण्डेशन

यह बजट आम लोगों के हितों को केंद्र में रखकर तैयार किया गया है, जिसमें माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के 'विकसित भारत 2047' के विज़न की स्पष्ट झलक मिलती है।

बजट के माध्यम से युवाओं को सशक्त बनाने, उनके कौशल विकास और रोजगार के अवसर बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया है, ताकि युवा देश की आर्थिक और सामाजिक प्रगति में निर्णायक भूमिका निभा सकें।साथ ही, बजट ने मध्यम वर्ग और छोटे करदाताओं को राहत देने की दिशा में ठोस कदम उठाए हैं। अनावश्यक करों में कमी, प्रक्रियाओं को सरल बनाने और कर बोझ घटाने पर दिया गया जोर आम जनता के लिए सकारात्मक संकेत है।कुल मिलाकर, यह बजट समावेशी विकास, आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था और विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

पिता की सीखसमाजसेवा ही सच्चा धर्म : संजय गुप्ता

हैदराबाद, 01 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे-राधे ग्रुप, हैदराबाद के तत्वावधान में शहर में निरंतर संचालित नियमित अन्नदान कार्यक्रम के दौरान समाजसेवी संजय गुप्ता ने समाजसेवा के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि समाजसेवा कोई साधारण कार्य नहीं, बल्कि ऐसा संस्कार है जो परिवार से शुरू होकर समाज तक पहुँचता है और पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ता है।

संजय गुप्ता ने भावुक स्वर में अपने पूज्य पिताजी (श्रीलता प्रसाद जी गुप्ता) को स्मरण करते हुए कहा कि वे सदैव यही सिखाते थे कि समाज की सेवा करने का अवसर हर किसी को नहीं मिलता, यह ईश्वर की विशेष कृपा और सौभाग्य का विषय होता है। पिता से मिली यही सीख आज भी उनके जीवन का मार्गदर्शन कर रही है और उसी प्रेरणा से वे सेवा कार्यों से जुड़े हुए हैं।

उन्होंने कहा कि अन्नदान, सेवा और सहयोग के माध्यम से जरूरतमंदों के चेहरे पर मुस्कान लाना ही उनके लिए अपने पिता को सच्ची श्रद्धांजलि है। जब किसी भूखे व्यक्ति को भोजन कराया जाता है, तब केवल उसकी भूख ही नहीं मिटती, बल्कि मानवता, करुणा और संवेदनशीलता भी सशक्त होती है।

कार्यक्रम के दौरान राधे-राधे ग्रुप के सदस्यों ने सेवा कार्यों को निरंतर जारी रखने का संकल्प दोहराया। उन्होंने ने कहा कि शास्त्रों में अन्नदान को महादान बताया गया है और ऐसे सेवा कार्य समाज में भाईचारे, सकारात्मक सोच और सहयोग की भावना को मजबूत करते हैं।

अंत में संजय गुप्ता ने युवाओं से आगे आकर समाजसेवा से जुड़ने का आह्वान किया और कहा कि युवाओं की सक्रिय भागीदारी से सेवा कार्यों को नई दिशा और ऊर्जा मिलती है।

राधे-राधे ग्रुप, हैदराबाद द्वारा संचालित इस नियमित अन्नदान कार्यक्रम को शहरवासियों का निरंतर सहयोग और सराहना प्राप्त हो रही है। समूह के सेवा कार्य जरूरतमंद वर्गों के लिए आशा और सहारा बनते जा रहे हैं।

आज की सेवा स्वर्गीय श्री लता प्रसाद जी गुप्ता की पुण्य समिति में श्री शिवचंद्र जी मोहनलाल जी गुप्ता परिवार की ओर से की गई।

इस अवसर पर सतीश कुमार गुप्ता, आशा अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, जगतनारायण अग्रवाल, राजकुमारी अग्रवाल, गायत्री अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, जयप्रकाश सरडा, हरीश तोलाराम हिंदुजा, रामनयन वर्मा, संजय गुप्ता, सचेत गुप्ता, महक गुप्ता सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

निस्वार्थ सेवा ही सच्ची भक्ति : गायत्री देवी अग्रवाल

हैदराबाद, 01 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265-ए के पास जारी नियमित अन्नदान कार्यक्रम में 82 वर्षीय श्रीमती गायत्री देवी अग्रवाल ने अपने भाव व्यक्त करते हुए कहा कि निस्वार्थ भाव से की गई सेवा ही ईश्वर की सच्ची भक्ति है।

उन्होंने कहा कि सेवा करने की भावना हर व्यक्ति के मन में होती है, लेकिन उसे निरंतरता और अटल संकल्प के साथ निभाना हर किसी के वश की बात नहीं है। राधे-राधे ग्रुप के सभी सदस्य इस बात के लिए बधाई के पात्र हैं कि वे बिना किसी स्वार्थ के निरंतर सेवा कार्य में लगे हुए हैं।

श्रीमती अग्रवाल ने आगे कहा कि आज यह देखकर अत्यंत प्रसन्नता हुई कि राधे-राधे ग्रुप पूर्ण विश्वास, श्रद्धा और समर्पण भाव के साथ इस पुण्य सेवा कार्य को आगे बढ़ा रहा है। ऐसे कार्य समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं और मानवता की सच्ची मिसाल प्रस्तुत करते हैं।

इस अवसर पर राधे-राधे ग्रुप के अनेक सेवाभावी सदस्य उपस्थित रहे, जिनमें प्रमुख रूप से सतीश कुमार गुप्ता, रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, जगतनारायण अग्रवाल, राजकुमारी अग्रवाल, गायत्री अग्रवाल, जयप्रकाश सरडा, भाकरराम कुमावत, कमला देवी कुमावत, महेश गुप्ता, मनीष गुप्ता, नीशा गुप्ता, संजय गोयल, किरण गोयल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, गौरव गोयल, कैलाशचंद केडिया, निर्मला केडिया, पूनमचंद जैन, युवान केडिया, रवि शर्मा, श्यामसुंदर अग्रवाल, विशालजी अग्रवाल, शिवानी अग्रवाल सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्य शामिल रहे।

अर्थव्यवस्था को तेज़ी से आगे बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगा बजट

-रामदेव नागला
महासचिव, राजस्थानी ब्राह्मण सभा हैदराबाद-सिकंदराबाद

यह बजट आशा और आकांक्षाओं का प्रतीक है, जिसमें नए भारत और विकसित भारत की संकल्पना की स्पष्ट झलक दिखाई देती है।

आयुष एवं स्वास्थ्य क्षेत्र पर विशेष जोर देना, महिलाओं के लिए प्रत्येक जनपद में छात्रावास निर्माण की व्यवस्था करना तथा नौजवानों के लिए हर क्षेत्र में नए अवसर सृजित करना इस बजट की समावेशी सोच को दर्शाता है। इसके साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में संरचनात्मक सुधार (रिफॉर्म्स) को प्राथमिकता दी गई है, जो दीर्घकालीन विकास की मजबूत नींव रखेंगे।

कुल मिलाकर, यह बजट भारत की अर्थव्यवस्था को तेज़ी से आगे बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगा और देश को आत्मनिर्भर, सशक्त एवं विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.